जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 251 प्रभात चूरू, बुधवार 7 जनवरी, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सोनिया गांधी भी ठंड व प्रदूषण की शिकार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को सोमवार रात 10 बजे अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली में प्रदूषण और ठंड बढ़ने से उनकी ब्रॉंकियल अस्थमा की समस्या बढ़ गई थी। यह जानकारी सर गंगाराम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने दी। उन्होंने बताया कि उनकी हालत पूरी तरह स्थिर है।

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी को सांस लेने में परेशानी हो रही थी। डॉक्टरों

- सोनिया गांधी का पुराना अस्थमा ठंड व प्रदूषण से बढ़ गया और वे गंगाराम अस्पताल में भर्ती हुईं।
- कम से कम दो दिन अस्पताल में रहेंगी, तदोपरान्त स्वास्थ्य में सुधार होने पर डिस्चार्ज होंगी।

ने जाँच के बाद पाया कि ठंड और प्रदूषण के संयुक्त असर से उनका ब्रॉंकियल अस्थमा थोड़ा बढ़ा हुआ है। "एहतियात के तौर पर उन्हें आगे की निगरानी और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। फिलहाल उनकी हालत बिल्कुल स्थिर है।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक जनवरी से ही अशोक गहलोत मुम्बई में हैं

ऐसा कहा जाता है, गहलोत के फायनैंसर और फायनैंस मुम्बई में ही हैं, तो क्या गहलोत कुछ बड़ा प्लान कर रहे हैं, जिसके लिए मुम्बई में रहना जरुरी हो गया है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। सन् 2026 में नई दिल्ली से लेकर जयपुर तक सर्वाधिक चर्चा का विषय यह है कि क्या सचिन पायलट राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष बनाये जाएंगे और क्या उन्हें राजस्थान का अगला मुख्यमंत्री चेहरा बनाया जाएगा।

इस मुद्दे पर बहस तेज होती जा रही है।

पार्टी में इस बात को लेकर अलग-अलग राय हैं कि सचिन पायलट को एआईसीसी में और बड़ी भूमिका दी जाए या फिर उन्हें वापस राजस्थान भेजा जाए।

दिलचस्प बात यह है कि पूरा मामला के. सी. वेणुगोपाल पर टिका हुआ है, जो सचिन पायलट को ब्लॉक कर रहे हैं और मौजूदा पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

डोटासरा निजी तौर पर दोस्तों से कह रहे हैं कि वे, अगर और ज्यादा नहीं तो, कम से कम 2027 तक तो इस पद पर बने रहेंगे और कहीं नहीं जा रहे हैं।

उनका यह भरोसा वेणुगोपाल और रंधावा के दम पर है। रंधावा कट्टर जाट

- एक कयास तो यह है कि गहलोत अप्रेल में होने वाले राज्यसभा चुनाव में, राज्यसभा का सदस्य बनने को लालायित हैं और इस प्लान के क्रियान्वयन के लिए साधन व धन मुम्बई में ही संग्रहित किये जा सकते हैं।
- वेणुगोपाल, राहुल गांधी को यह तर्क दे रहे हैं कि गहलोत को दिल्ली लाना जरुरी है, जिससे अन्य नेताओं को "फ्री-हैण्ड" मिले राजस्थान में। राहुल अधिकतर वेणुगोपाल की बात मान लेते हैं, क्योंकि राहुल किसी भी समस्या की "डिटेल्स" में जाने में ज्यादा रूचि नहीं रखते हैं।
- इस घटनाक्रम से डोटासरा खुश हैं और अपने मित्रों को कहते सुने गए हैं कि वे अभी नहीं हटाये जा सकते और 2027 तक तो प्रदेशाध्यक्ष रहेंगे ही।
- इससे सचिन पायलट की स्थिति अनिश्चित सी हो जाती है। क्योंकि, राजस्थान में विधानसभा के चुनाव 2028 के दिसंबर में होंगे तथा किसी नए प्रदेशाध्यक्ष को, पार्टी को चुनाव के लिए मुस्तैद बनाने के लिए दो-ढाई साल तो चाहिए ही।

सिख नेता माने जाते हैं और जाट नेता को पीसीसी अध्यक्ष बनाए रखने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं है।

अगर प्रदेश प्रभारी जाति के आधार पर फैसले लेते हैं, तो यह इस बात पर भयानक टिप्पणी है कि राजनीतिक दल कैसे चलाए जाते हैं और फैसले कैसे लिए जाते हैं।

अगले विधानसभा चुनाव दिसंबर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश कलमाड़ी का निधन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का मंगलवार को पुणे में लंबी बीमारी के बाद 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष भी रहे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और बहू, दो विवाहित बेटियां और दामाद, तथा पोते-पोतियां हैं।

कलमाड़ी केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री रहे और एक दशक से अधिक समय तक भारतीय खेल प्रशासन में प्रमुख भूमिका

- रेल राज्य मंत्री रहे कलमाड़ी कुशल खेल प्रशासक माने जाते थे।

निभाते रहे। पुणे से जुड़े एक अनुभवी राजनेता के रूप में उन्होंने कई बार संसद में शहर का प्रतिनिधित्व किया और अपने लंबे राजनीतिक जीवन में कई अहम पद संभाले।

सुरेश कलमाड़ी का जन्म 1 मई 1944 को तमिलनाडु के मद्रास (अब चेन्नई) में हुआ था। उनका परिवार मूल रूप से कर्नाटक के मंगलुरु का था, जहां उनके माता-पिता उनके जन्म से पहले रहते थे।

उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर संसद में कई कार्यकाल पूरे किए। 1982 से 1996 के बीच वे तीन बार राज्यसभा सदस्य रहे और बाद में लोकसभा में भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चिनाब वॉटर सिस्टम पर भारत के बांध लगभग पूरे हुए

इन बांधों से भारत बिजली जनरेट तो करेगा ही, साथ ही पानी के बहाव पर नियंत्रण भी स्थापित कर लेगा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जनवरी। पाकिस्तान की जल जीवनरेखा को रोकने की भारत की रणनीति अब ठोस रूप ले रही है। केन्द्र सरकार ने चिनाब नदी प्रणाली पर चार बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश जारी किए हैं। पकुल और किरी परियोजनाओं को दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। क्वार परियोजना को मार्च 2028 तक और रणनीतिक रूप से संवेदनशील रैटल बांध को भी उसी वर्ष तक पूरा करने का लक्ष्य है।

ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हाल ही में दो दिन के दौरे के अन्तर्गत इन बांध स्थलों पर प्रगति की समीक्षा की।

सिंधु बेसिन का लगभग तीन-चौथाई पानी पश्चिमी नदियों से आता है, जो भारत से पाकिस्तान की ओर बहती हैं। पाकिस्तान की लगभग 90 प्रतिशत खेती इसी बेसिन पर निर्भर है।

ज्ञातव्य है कि पहलगाम हमलों के बाद भारत ने सिंधु जल संधि के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को वापस ले लिया है और पानी को नियंत्रित करने के लिए बांध और हाइड्रोपावर परियोजनाओं के

- जैसा कि विदित ही है, इण्डस बेसिन का तीन चौथाई पानी भारत से पाकिस्तान जाता है तथा पाकिस्तान का कृषि उत्पादन का नब्बे प्रतिशत हिस्सा, इस इण्डस बेसिन के पानी पर निर्भर है।
- भारत के दो बांध, पकुल व किरी, इस वर्ष दिसंबर तक पूरे हो जाएंगे। दो अन्य बांध क्वार प्रोजैक्ट व रैटल प्रोजैक्ट मार्च 2028 तक पूरे हो जाएंगे।
- जैसा कि विदित ही है, पहलगाम में पाकिस्तान से आए आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर की गई गोलीबारी के बाद, भारत ने, भारत-पाक के बीच इण्डस वॉटर ट्रिटी को मानने से इनकार कर दिया था।

निर्माण की योजनाओं को तेज कर दिया है। इनमें सबसे अहम चिनाब बेसिन की पकुल डुल जलविद्युत परियोजना है, जिसे इसी वर्ष दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके शुरू होने के बाद, भारत न केवल बिजली उत्पादन कर सकेगा, बल्कि पानी के बहाव को भी नियंत्रित कर पाएगा। 135 मीटर ऊंचा किरु बांध भी दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है, जबकि क्वार परियोजना मार्च 2028 तक पूरी होने की संभावना है।

चिनाब पर 850 मेगावाट की रैटल परियोजना को पाकिस्तान विवादित मानता रहा है और वह कई वर्षों से इसका विरोध कर रहा है। हालिया दौरे में ऊर्जा मंत्री ने बांध के कंक्रीट कार्यों की आधारशिला रखी। इस परियोजना के लिए चिनाब नदी को सुरंगों के जरिये मोड़ा गया है।

इस बीच भारत चिनाब पर दुलहस्ती स्टेज-2 परियोजना पर भी आगे बढ़ रहा है। इस परियोजना को पिछ ले दिसंबर में पर्यावरण मंत्रालय के पैनल से मंजूरी मिली थी। पाकिस्तान ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

बूढा होना कोई आसान काम नहीं। इसे बड़ी मेहनत से सीखना पड़ता है। –निर्मल वर्मा

हिन्दी फिल्में बनाने वाले अब धुरंधर हो गये हैं!

हिन्दी सिनेमा में नाटकीयता और भावुकता का पुट हमेशा हावी रहा है। इसीलिए हिन्दुस्तानी फ़िल्में मसाला फ़िल्में कहलाती रही हैं। ऐसी ही एक मसाला फिल्म 'धुरंधर' अभी चर्चा में है और, कहते हैं, खूब कमा भी रही है। इसमें राष्ट्रवाद, देशभक्ति और हिंसा के उन्माद के मसालों वाले पकवान की थाली परोसी गई है। यह 'जोधा अकबर' और 'एलओसी : कारगिल' के बाद 17 सालों में आई सबसे लंबी साढ़े तीन घंटे की हिंदी फीचर फिल्म है जो एक विशेष विचारधारा वाले दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। बदले और युद्ध के उन्मादी समूह इस 'स्पाई थ्रिलर' फिल्म को सोशल मीडिया पर भरपूर प्रोमोट कर रहे हैं। यह फ़िल्म असल भू-राजनीतिक तनावों, इंटेलिजेंस सिस्टम और आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं पर आधारित है, जिन्हें भारत ने पिछले कुछ दशकों में देखा है। कहानी को कुछ आतंकवादी घटनाओं जैसे कंधार का विमान अपहरण, संसद पर आतंकी हमला, 26/11 मुंबई हमला आदि से जोड़ा गया है। इसमें उन घटनाओं को काल्पनिक और नाटकीय तरीके से प्रस्तुत कर राजनीतिक या राष्ट्रीय भावना को उभारने का प्रयत्न किया गया है। इसमें एक अंडरकवर एजेंट की कहानी दिखाई गई है जो पाकिस्तान के अंडरवर्ल्ड और आतंक से जुड़ी दुनिया में घुसता है। आतंकवादी हमलों, सीमा पार खतरों और इंटेलिजेंस की नाकामियों जैसी बड़ी घटनाओं के संदर्भ से फ़िल्म पर विश्वसनीयता का मुलम्मा चढ़ाया गया है। भारतीय सिनेमा में पिछले कुछ समय से रियलिस्टिक मिलिट्री और इंटेलिजेंस पर आधारित ऐसी कहानियों में तेज़ी आई है, जिनमें से कई असली नायकों से प्रेरित होती हैं, जिससे भोले आम दर्शक उसके नेरेटिव को अक्सर हक़ीकत मान लेते हैं,जबकि असली हक़ीकत उतनी सरल नहीं होती; अत्यंत जटिल होती है। फिल्म के शुरू में दो लाइनें यह लिख कर कि फिल्म में दिखाई गई घटनाएं और चरित्र सब काल्पनिक हैं, चतुराई से बच निकलने का रास्ता होता है जैसा कि इसके निर्देशक आदित्य धर ने परदे पर औसा लिख कर तथा सार्वजनिक रूप से कह कर किया है। आधिकारिक स्पष्टीकरण और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के अनुसार भी 'धुरंधर' किसी भी असली व्यक्ति के जीवन पर आधारित नहीं है। यही प्रचार का खेल होता जिसे बाज़ार में मुनाफे की ताकतें खेलती हैं। प्रचारतंत्र के धुरंधर दर्शक को भरमाना जानते हैं। मुनाफे वाले मनोरंजन जगत के फिल्म निर्माता चतुराई से एक काल्पनिक कहानी बनाते हैं जो जानी-पहचानी और असली जैसी लगती है। फिक्शन को असलियत से जोड़कर, ऐसे फिल्म निर्माता-निर्देशक ऐतिहासिक सटीकता या कानूनी दायरे में आये बिना नैतिकता, बलिदान और शक्ति जैसी भावनाओं को उभार कर दर्शकों को सिनेमाघरों की तरफ खींचते हैं। 'धुरंधर' ऐसा ही आकर्षण वाली एक मसाला फिल्म है। आदित्य धर ने अपनी 2019 की फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' से दर्शकों को रिझाने के जिस मसाले को पा लिया था, उन्होंने उसे ही फिर इस बारी और अधिक चटपटा बना दिया। 'ऊरी' राष्ट्रवाद कोगर्व के शिखर पर ले जाती है। नारे देते हुए सैन्य कार्रवाई का उत्सव मनाती है;जवाबी हमले को नैतिक विजय की तरह दिखाती है, जबकि 'धुरंधर' उसके एक कदम आगे बढ़ कर हिंसा को विज़ुअल स्पेक्टेकल बना देते हुए बदले और अपमान की भावना को केंद्र में ले आती है, जहां राष्ट्रवाद विचार नहीं, भावनात्मक हथियार हो जाता है। दर्शक को सोचने के लिए नहीं, महसूस करने को तैयार किया जाता है।

चेतन आनंद की 1964 में आई 'हक़ीक़त' को पहली भारतीय वार फिल्म माना जाता है। भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि में बनी वह फिल्म किसी सैन्य विजय का उत्सव नहीं मनाती, बल्कि युद्ध की कीमत गिनाती है। वहां सैनिक नायक हैं, लेकिन अजेय नहीं। वे डरते हैं, थकते हैं, टूटते हैं। कर चले हम फ़िदा जान-ओ-तन साथियों जैसा अमर गीत भी राष्ट्रगौरव से अधिक बलिदान की पीडा को स्वर देता है। 'हक़ीक़त' राष्ट्रवाद को करुणा और नैतिकता के साथ जोडती है। यह फिल्म युद्ध को अंतिम विकल्प के रूप में देखती है, गौरव के तमगे की तरह नहीं। इसलिए उसमें युद्धोन्माद का कोई स्थान नहीं है। लेकिन उसके 60 साल बाद ज़माना बदल गया है ;सदी बदल गई है; पीढ़ियां बदल गई हैं; और साथ ही मानवीय संवेदनाएं भी बदल गई हैं। यह बदलाव सम्पूर्ण भारतीय जन के मन का नहीं है। यह बदलाव उस वर्ग में अधिक सघन है जो पूरी तरह बाज़ार के आगोश में है। इसीलिए आश्चर्य नहीं कि 'धुरंधर'अपने कलात्मक मूल्यों व पारंपरिक सौंदर्य की बारीकियों के लिए नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक महत्वाकांक्षा, कहानी की आक्रामकता और परफॉर्मेंस की तीव्रता में ही ज़्यादाआंकी जा रही है। इसे एक तमाशे या राजनीतिक बयान की तरह लिया जा सकता है। यह फिल्म सोचने-समझने वाले सिनेमा के बजाय पॉलिटिकल एक्शन थिएटर के ज़्यादा करीब है। इसकी धुरंधरता सवाल उठाने में नहीं, बल्कि शोर-शराबे वाले मनोरंजन को नफ़रत फैलाने वाला प्रोपेगेंडा बना देने में है जो सत्ताके बल और हिंसा के औचित्य का समर्थन करता है। फिल्म में राष्ट्रभक्ति सूक्ष्म भावना की तरह नहीं, बल्कि आक्रामक-गर्व के रूप में दिखाई गई है। संवादों और दृश्यों में हम बनाम वे का स्पष्ट विभाजन है। सारा प्रयास दर्शक को भावनात्मक रूप से उत्तेजित करने का है, न कि उसे विवेकशील बनाने का। 'धुरंधर' में हिंसा सिर्फ कथानक की जरूरत नहीं है, बल्कि उसे स्टाइलिश, सिनेमैटिक और हीरोइक बना कर देश के वर्तमान विभाजनकारी माहौल में भावनाओं से खेल कर बॉक्स ऑफिस का गल्ला भरने की कोशिश की गई है। फिल्म का पृष्ठभूमि संगीत, स्लो-मोशन दृश्य और संवाद सब मिल कर हिंसा की महानता को स्थापित करते हैं, जिस पर दर्शक गर्व की अनुभूति करता है और अपना पैसा वसूल पाता है। दर्शक को हिंसा समाधान के रूप में सामान्य लगने लगती है। लगभग पूरी तरह नकारात्मक फिल्म पड़ोसी देश को अक्षम्य रूप से ऐसा अपराधी और वहशी बताती है, जिससे सिर्फ नफरत की जा सकती है। फिल्म बनाने वालों के सामने कोई मानवीय दुविधा, नैतिक प्रश्न या वैचारिक संघर्ष नहीं है। फिल्म तर्क से नहीं, भावना से बात करती है। अपमान का बोध करवाते हुए बदले का भाव और राष्ट्र के नाम पर क्रोध भड़काती है। यही तत्व युद्धोन्माद का मनोवैज्ञानिक आधार होते हैं। ऐसे सिनेमाई अनुभव आगे जाकर राजनीतिक उत्तेजना के सबब बन सकते हैं।

हालांकि 'धुरंधर'सीधे युद्ध के लिए नहीं उकसाती और इसे बनाने वाले इसे एक स्पाई-थ्रिलर कह कर इसका बचाव करते है। यह सरकारी दस्तावेज़ भी नहीं है, लेकिन भोला दर्शक यह नहीं समझता। वह तथ्य और कल्पना के बीच की झीनी रेखा को नहीं देख पाता। उन्मादी दर्शक ऐसी फिल्म के स्वयंभू सबसे बड़े प्रचारक बन जाते हैं। यही बाज़ार का खेल होता है। मुनाफा कमाने के लिए वह किसी हद को नहीं मानता और जब राज्य का संवैधानिक नियंत्रण तंत्र उससे हाथ मिला ले तब 'धुरंधर' जैसी फिल्में बनती है।

'धुरंधर' इंटेंस, लेयर्ड और पॉलिटिकली शार्प दिखने की जरूर कोशिश करती है, मगर निर्देशक ने शोर को गहराई और अकड़ को कहानी कहने का तरीका समझ लिया है। दो दिन पहले जयपुर में एक व्याख्यान में भारतीय विधि आयोग के अध्यक्ष दिनेश माहेश्वरी का कहना था कि शोर अक्सर सत्य को दबाने के लिए किया जाता है। फिल्म एक सुसंगत कहानी के बजाय 'पलों' के इर्द-गिर्द लिखी गई लगती है। इसमें परदे पर किरदार नाटकीय ढंग से आते हैं, भारी डायलॉग बोलते हैं, और बिना किसी असली इमोशनल या लॉजिकल नतीजे के गायब हो जाते हैं। नाटकीयता भरे संवाद ऐसे हैं जैसे हर लाइन एक पंचलाइन या वायरल हो सकने वाली टिप्पणी बनाने के लिए लिखी गई हो। तकनीकी स्तर पर 'धुरंधर' ऊपर से भले ही पॉलिश्ड दिखती है लेकिन स्टाइलिश फ्रेम, नाटकीय पृष्ठभूमि संगीत है, और स्लो-मोशन शॉट्स जैसे सिनेमाई तत्वों का इस्तेमाल बैसाखी के तौर पर किया गयाहै। सिनेमैटोग्राफी केवल डार्क टोन और आक्रामक विजुअल्स को प्राथमिकता देती है। समझदार दर्शक को 'धुरंधर' एक ऐसी फिल्म लगती है जो शक्तिशाली होने के बजाय शक्तिशाली दिखने की ज़्यादा परवाह करती है। प्रभावशाली सिनेमा के लिए ज़रूरी तीन चीजें - स्पष्टता, संयम और ईमानदारी- इसमें नहीं हैं। दर्शक को एक थका देने वाला अनुभव मिलता है जिसमें शेखी बघारने के अलावा कुछ नहीं मिलता। मानवीय संवेदना का इसमें कोई स्थान नहीं है जो किसी भी कला का स्तर मापने का पैमाना होता है। यह विजुअली लाउड, कहानी के तौर पर कमजोर, और भावनात्मक रूप से खोखली फिल्म है जिसके कथानक और संवाद वर्तमान सत्तारूढ राजनेताओं के संदेशों को प्रमाणित करने का काम करते हैं। 'धुरंधर' उस मानसिकता को पोषित करती है जहां युद्ध आसान, गौरवपूर्ण और अनिवार्य समाधान जैसा दिखने लगता है जबकि इतिहास गवाह है कि युद्ध से कभी कोई समाधान नहीं निकला और न कभी स्थाई शांति आई। हालांकि 'धुरंधर'सीधे युद्ध के लिए नहीं उकसाती और इसे बनाने वाले इसे एक स्पाई-थ्रिलर कह कर इसका बचाव करते है। यह सरकारी दस्तावेज़ भी नहीं है, लेकिन भोला दर्शक यह नहीं समझता। वह तथ्य और कल्पना के बीच की झीनी रेखा को नहीं देख पाता। उन्मादी दर्शक ऐसी फिल्म के स्वयंभू सबसे बड़े प्रचारक बन जाते हैं। यही बाज़ार का खेल होता है। मुनाफा कमाने के लिए वह किसी हद को नहीं मानता और जब राज्य का संवैधानिक नियंत्रण तंत्र उससे हाथ मिला ले तब 'धुरंधर' जैसी फिल्में बनती है। दर्शक की समझ और परिपक्वता फिल्म के लिए निर्णायक मानी जाती है। मगर राजनीति से उभरे सामाजिक ध्रुवीकरण के समय में दर्शक की समझ और परिपक्वता पीछे छूट जाती है। निर्माता-निर्देशक कमाई वाली फिल्म में क्या और कैसे मसाले डाले जाते हैं यही साधता लगता है। वास्तव में यह फिल्म विजयोन्मादी लोग ही पसंद कर रहे हैं। उनको आदित्य धर ने मानो एक ऐसा वीडियो गेम दिया हैं जिसमें खेलने वाले को आभासी जीत का मजा जरूर मिलता है। उन्मादी दर्शक आरामदायक मल्टीप्लेक्सों में बिना युद्ध की हल्की सी भी आंच भुगते, विजयी होते हैं। मगर राजनीतिक और सामाजिक उत्तेजना का माध्यम बनी 'धुरंधर' कितना भी कमा ले, वह विस्मृत हो जाने वाली फिल्म है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

संस्कृति, इतिहास और सिनेमा : राजस्थान के पर्यटन का नया फ्रेम

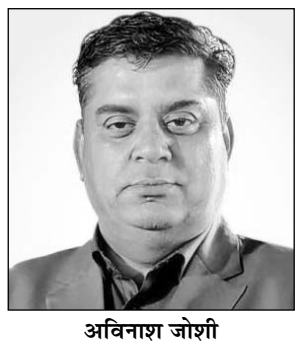

अविनाश जोशी

किलों-महलों, मरुस्थलों और लोक संस्कृति का प्रदेश राजस्थान अब पर्यटन आधारित रचनात्मक अर्थव्यवस्था का एक सशक्त केंद्र बनकर उभर रहा है। वर्ष 2024-25 के आंकड़े इस परिवर्तन की ठोस पुष्टि करते हैं। लगभग 23 करोड़ देशी और 20 लाख विदेशी पर्यटकों का राजस्थान आगमन राज्य की लोकप्रियता का स्पष्ट प्रमाण है। पर्यटन अब रोजगार, निवेश और सांस्कृतिक कूटनीति का माध्यम बन चुका है।

भारत में होने वाली कुल देशी पर्यटन यात्राओं में राजस्थान का 8-9 प्रतिशत हिस्सा और विदेशी पर्यटकों में 21-22 प्रतिशत हिस्सेदारी यह बताती है कि हर 10 विदेशी पर्यटकों में 2 और हर 10 देशी पर्यटकों में लगभग 1 राजस्थान को अपनी यात्रा का हिस्सा बनाता है। यह उपलब्धि नीति-निर्माण और प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 24 दिसंबर 2025 को मंडावा में राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2025 जारी करना एक दूरदर्शी कदम है। यह नीति, पर्यटन को सिनेमा से जोडकर राज्य की पहचान को वैश्विक मंच पर और सशक्त करने का प्रयास है। शूटिंग आकर्षित करने के साथ ही इसका लक्ष्य स्थाई रोजगार, कौशल विकास, स्थानीय अर्थव्यवस्था का सशक्तिकरण और राजस्थान ब्रांड को विश्वस्तर पर स्थापित करना है।

राजस्थान की ताकत उसकी विविधता अरावली की पर्वतमालाएं, थार का मरुस्थल, ऐतिहासिक किले-महल, हवेलियां, झीलें और जीवंत लोकजीवन में निहित है।

फिल्म नीति का मूल उद्देश्य इन्हीं लोकेशनों को विश्वस्तरीय फिल्मांकन स्थलों के रूप में प्रस्तुत करना है। सिनेमा की वैश्विक पहुंच के दौर में लोकेशन-आधारित ब्रांडिंग किसी भी प्रदेश के लिए पर्यटन का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुकी है। एक लोकप्रिय फिल्म या वेब-सीरीज, वर्षों के विज्ञापन से अधिक प्रभाव डालती है और राजस्थान इस संभावना को नीति के माध्यम से अवसर में बदल रहा है।

नीति का सबसे सशक्त पक्ष इसके आकर्षक सब्सिडी प्रावधान हैं। फिल्म निर्माण व्यय पर अधिकतम 30 प्रतिशत तक की सब्सिडी, फीचर फिल्म के लिए 3 करोड़, वेब-सीरीज के लिए 2 करोड़, टीवी सीरियल के लिए 1.5 करोड़ और डॉक्यूमेंट्री के लिए 2 करोड़ की सब्सिडी निर्माताओं को राजस्थान की ओर आकर्षित करेगी।

न्यूनतम व्यय की शर्त (फीचर फिल्म 2 करोड़,अन्य 1करोड़) यह सुनिश्चित करती है कि राज्य में वास्तविक आर्थिक गतिविधि हो। लोकेशन स्क्रीन-टाइम के आधार पर 5-15 प्रतिशत पर 10 प्रतिशत, 16-30 प्रतिशत पर 20 प्रतिशत और 30 प्रतिशत से अधिक पर 30 प्रतिशत सब्सिडी का ढांचा यह संदेश देता है कि राजस्थान केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि कहानी का भी केंद्र बने।

इसके साथ ही 50 प्रतिशत शूटिंग दिवस राज्य में करने पर पूर्ण लाभ और 100 प्रतिशत शूटिंग पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन इस नीति को परिणामोन्मुख बनाता है। राजकीय लोकेशनों पर अधिकतम 5 दिन तक शुल्क की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति और राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली फिल्मों के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन (अंतरराष्ट्रीय 1 करोड़, राष्ट्रीय 50 लाख) गुणवत्ता को भी प्रोत्साहित करता है। यह संदेश स्पष्ट है कि गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया गया है।

फिल्म पर्यटन नीति का एक महत्वपूर्ण आयाम मानव संसाधन विकास है। एफटीआई पुणे, सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, कोलकाता और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, दिल्ली में राजस्थान के 10 छात्रों को प्रति वर्ष 50,000 ट्यूशन फीस और 5,000 मासिक स्टाइपेंड का भी प्रावधान किया गया है। यह निवेश भविष्य की प्रतिभाओं में है। इससे राज्य के युवा केवल लोकेशन सपोर्ट तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि निर्देशन, सिनेमैटोग्राफी, लेखन, अभिनय और तकनीकी क्षेत्रों में भी पहचान बनाएंगे।

प्रशासनिक सरलीकरण, शूटिंग लोकेशनों की डायरेक्टरी, ऑनलाइन पोर्टल और वन-स्टॉप समाधान जैसी सहायक सुविधाएं समय और लागत दोनों बचाएंगी।अक्सर फिल्म निर्माण की राह में अनुमति-प्रक्रियाएं बाधा बनती रही हैं। राजस्थान इस नीति से उस धारणा को बदलने की दिशा में अग्रसर है।

थिएटर रिलीज की अनिवार्यता की गई है। हिंदी फिल्मों के लिए 200 स्क्रीन, राजस्थानी के लिए 25, और अन्य भाषाओं के लिए 100 स्क्रीन की अनिवार्यता राज्य की फिल्म संस्कृति और बाजार की विश्वसनीयता को बढ़ाती है। सब्सिडी प्राप्त फिल्मों में राज्य सरकार और पर्यटन विभाग को श्रेय देने की शर्त भी रखी गई है।

इस नीति का व्यापक प्रभाव पर्यटन चक्र में दिखेगा। शूटिंग के दौरान होटल, परिवहन, स्थानीय कारीगर, कलाकार, तकनीशियन सभी को काम मिलता है। फिल्म रिलीज के बाद लोकेशन-टूरिज्म बढ़ता है। दर्शक परदे पर प्रदर्शित दृश्य देखने में अवश्य रुचि रखते हैं। इससे स्थानीय रोजगार, एमएसएमई, हस्तशिल्प और ग्रामीण पर्यटन को नई ऊर्जा मिलती है।

पर्यावरणीय संतुलन, विरासत स्थलों का संरक्षण, भीड़ प्रबंधन और स्थानीय समुदायों की भागीदारी आदि चुनौतियां भी विद्यमान है। राजस्थान की पर्यटन सफलता के वर्तमान आंकड़े और फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2025 मिलकर यह संकेत देते हैं कि राज्य ने भविष्य की दिशा तय कर ली है। सिनेमा के फ्रेम में राजस्थान का परिदृश्य जितना भव्य दिखता है, उतनी ही ठोस उसकी नीति-रचना भी है। यह नीति राजस्थान को लोकेशन-हब से आगे बढ़ाकर क्रिएटिव-इकोनॉमी हब बनाने की क्षमता रखती है।

–अविनाश जोशी,
आईटी प्रोफेशनल

राजस्थानी बोली घरों से हो रही लुप्त, कैसे मिलेगी मान्यता

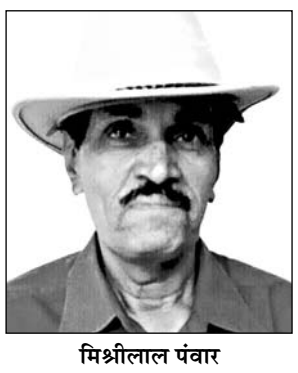

मिश्रीलाल पंवार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने साल 2025 के अंतिम दिन एक सभा में कहा कि लोगों को घर पर अपनी मातृभाषा बोलनी चाहिए।

भागवत के ये बयान राजस्थान के निवासियों के लिए महत्वपूर्ण संदेश है। दरअसल भागवत छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के सोनपैरी गांव में आयोजित 'हिंदू सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। भागवत ने कहा, ''कम से कम हमारे घरों के अंदर हमें अपनी मातृभाषा में बात करनी चाहिए। यदि आप किसी अन्य राज्य या क्षेत्र में रहते हैं, तो आपको उस राज्य या क्षेत्र की भाषा सीखनी चाहिए, क्योंकि सभी भाषाएँ भारत की राष्ट्रीय भाषाएँ हैं। उनका सभी का समान महत्व है।''

यह बात हर देशवासी के एक संदेश है। मगर राजस्थान में रहने वाले लोगों के लिए यह बात खासतौर से गौर करने लायक है। मातृभाषा किसी भी देश या क्षेत्र की संस्कृति और अस्मिता की संवाहक होती है। इसके बिना मौलिक चिंतन संभव नहीं है। नई शिक्षा नीति में भी कक्षा 5 तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा, स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा में रखने की बात कही गई है।

लेकिन राजस्थान भाषा को अभी तक संवैधानिक मान्यता नहीं मिली है। यानि इसे आठवीं अनुसूची में स्थान नहीं दिया गया है। ग़ौरतलब है कि 1936 में राजस्थानी को पहली बार संवैधानिक दर्जा देने की मांग उठी थी। लंबी जद्दोजहद के बाद 2003 में राज्य विधानसभा में इस पर सहमति बनी और प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया। इसके बाद केंद्र सरकार द्वारा ओडिशा के वरिष्ठ साहित्यकार एस.एस. महापात्र के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया गया। एस.एस. महापात्र ने दो साल बाद रिपोर्ट सौंपी। इसमें राजस्थानी और भोजपुरी भाषा को संवैधानिक दर्जा देने के योग्य घोषित किया गया। 2006 में तत्कालीन गृह मंत्री ने चौदहवीं लोकसभा के कार्यकाल में राजस्थानी को संवैधानिक दर्जा देने का आश्वासन दिया। लिहाजा बिल भी तैयार कर लिया गया। लेकिन आज तक पेश नहीं किया गया। संविधान की मान्यता प्राप्त 22 भाषाओं में राजस्थानी 17 भाषाओं से बड़ी है। सिंधी केवल 10 लाख लोगों द्वारा बोली जाती है जबकि राजस्थानी बोलने वाले करीब 15 करोड़ लोग हैं। राजस्थानी भाषा को नेपाल, पाकिस्तान आदि देशों में मान्यता है। दुनिया के कई और विश्वविद्यालयों में राजस्थानी पढ़ाई जाती है। कृष्ण भक्त मीराबाई, संत पीपा जी, राजा मानसिंह सहित कई भक्तों ने अपने साहित्य की रचना राजस्थानी में ही की थीं। राजस्थान के लोकगीतों तथा भजनों में राजस्थानी का ही बोलबाला है।जोधपुर के विश्वप्रसिद्ध लोक गायक कालूराम प्रजापति ने कहा कि यह हर राजस्थानी के लिए अत्यंत कष्ट का विषय है कि राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए तरसना पड़ रहा है। मगर हम नागरिकों का भी कुछ कत्तर्व्य बनता है। क्या हम सभी राजस्थानी भाषा का प्रयोग अपने दैनंदिन के कार्यों में करते हैं? क्या हम अपनी संतानों को राजस्थानी भाषा बोलने के लिए प्रेरित करते हैं? जब तक हम खुद राजस्थानी भाषा को अपने जीवन में अनिवार्यत: उपयोग नहीं करेंगे सरकार भी इसकी मान्यता के प्रति गंभीर नहीं होगी।

जोधपुर के पूर्व नरेश गजसिंह भी राजस्थानी भाषा को राजभाषा बनाने और राजस्थानी भाषा को माध्यमिक शिक्षा मंडल में शामिल करने की मांग करते रहें हैं। इसके लिए केंद्र सरकार को कई पत्र लिखे जा चुके हैं। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग के अध्यक्ष गजसिंह राजपुरोहित राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। वे कहते हैं यह राज्य के 15 करोड़ लोगों की भावनाओं का सवाल है। यह समझना होगा कि राजस्थानी भाषा को मान्यता न मिलने के कारण यहां की कला, संस्कृति, विरासत और संस्कार जड़ से नष्ट हो रहे हैं। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष एवं कला मर्मज्ञ रमेश बोराणा ने कहा कि केन्द्र सरकार ने मान्यता का मामला अटका रखा है। राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता मिलने से राजस्थान राज्य के प्रत्येक जिले के लोगों को शिक्षा और रोज़गार प्राप्त करने में मदद मिलेगी। मगर तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। राजस्थान में रहने वाले आम बोलचाल में राजस्थानी का प्रयोग बहुत कम करते हैं। घरों में भी यही हाल है। बच्चों के साथ भी हिन्दी में बात करते हैं। माता-पिता सोचते हैं कि बच्चे अगर राजस्थानी बोलेंगे तो उनका स्टैंडर्ड कम हो जाएगा। आम आदमी की तो बात छोड़िए, राजस्थानी की मान्यता के लिए आवाज उठाने वालों में भी अधिकांश विद्वान अपने दैनिक व्यवहार में हिन्दी को प्राथमिकता देते हैं। सच कहा जाए तो घरों में बच्चों के साथ मातृभाषा में बात करने का चलन खत्म होने की कगार पर है। इस संवाददाता ने अनेक घरों में सर्वे कर पाया कि अधिकांश बच्चे राजस्थानी में फर्राटे से बात नहीं कर पाए। वे राजस्थानी में बात करते असहज नजर आए। बच्चों की यह दशा देखकर उनके अभिभावकों की नियत पर शंका होना स्वाभाविक है। बाहर कुछ और भीतर कुछ और, यह नहीं चलेगा। पहले घर के भीतर राजस्थानी को मान्यता देनी होगी। परिजनों को आपस में मातृभाषा में बात करनी होगी।

इसलिए आज की तारीख में राजस्थान निवासी हर व्यक्ति के लिए भागवत का बयान महत्वपूर्ण संदेश है। अगर हम अपनी मातृभाषा को मान्यता दिलाना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने घरों में बच्चों से बातचीत राजस्थानी में करने की आदत डालनी होगी।इसी संदेश की उपेक्षा करते रहे तो राजस्थानी को मान्यता देने की मांग उठाना ही बेमानी होगी। कथनी और करनी का फर्क हमें मिटाना होगा।

-मिश्रीलाल पंवार,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार है)

पाले से फसलों के बचाव की एडवाईजरी जारी

भीलवाड़ा। जिले में पड़ रही कड़ाके की ठंड एवं शीत लहर से फसलों को बचाने के लिए कृषि विभाग ने एडवाईजरी जारी कर सभी कृषि पर्यवेक्षकों को निर्देश दिये है कि वे किसानों को पाले से फसलों को बचाने की जानकारी दे।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक विनोद कुमार जैन ने बताया कि शीत लहर एवं पाले से सर्दी के मौसम में लगभग सभी फसलों को नुकसान होता है,पाले के प्रभाव से पौधों की पत्तियाँ एवं फूल झुलस कर झड़ जाते हैं तथा अध-पके फल सिकुड़ जाते हैं, फलियों एवं बालियों में दाने नहीं बनते हैं व बन रहे दाने सिकुड़ जाते हैं।

संयुक्त निदेशक जैन ने बताया कि शीत लहर एवं पाले से फसल की सुरक्षा के लिए पौधशालाओं के पौधों एवं सीमित क्षेत्र वाले उद्यानों या नगदी सब्जी वाली फसलों में भूमि के ताप को कम न होने देने के लिये फसलों को टाट, पोलीथिन अथवा भूसे से ढक देवें।

कड़कड़ाती ठंड में भी विधायक फ्लावर शो का अवलोकन करने पहुंचे

भीलवाड़ा। शहर की सोसाइटी में आयोजित फ्लावर शो 2026 में आज शहर विधायक अशोक कोठारी द्वारा फ्लावर शो का अवलोकन किया। सोसाइटी द्वारा पर्यावरण के संरक्षण और पर्यावरण में रुचि पैदा करने वाले कार्यों की सराहना की तथा विधायक कोठारी ने प्लांट लवर समिति द्वारा किए जा रहे पर्यावरण

- **फ्लावर शो के लिए कोठारी ने जमीन दिलाने का आश्वासन दिया**

के क्षेत्र में कार्यों को देखते हुए भविष्य में एक स्थाई रूप से जमीन आवंटन करने का आश्वासन प्रदान किया । उनके साथ में सामाजिक प्रतिनिधि और उद्योगकर्मी भी साथ थे जिन्होंने सोसाइटी द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना, सचिव प्रियंका सोमानी और संजय राठी ने उन्हें विभिन्न प्रकार के पुष्प, केकटश आदि फूलों से अवगत कराया, जिसमें बाल किशन जी द्वारा संचालित किचन गार्डन ओन रूफ टॉप और बोनसाई पौधे का विशेष आकर्षण रहेगा। वित्त सचिव राकेश तिवारी ने भविष्य में किए जाने वाले राष्ट्रीय स्तर पर फ्लावर शो की महत्वाकांक्षा बताई । कैलाश सोनी ने बताया कि अपराह्न बाद एडिशनल एसपी हेमंत कुमारद्वारा भी फ्लावर शो का अवलोकन किया तथा उन्होंने सोसाइटी द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की, नियमित कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम में भारती , हेमल , हर्षा कटियार,सुशील डांगी, रेणू मानसिंहका,भूपेंद्र राणावत, कुसुम कोगटा, रूपा परशुरामपूरियां, भारती शर्मा, मधु कोगटा,रेखा शर्मा, आशा खंडेलवाल, अंकुर जैन, हर्ष कटिहार, पूनम महादेव, हरविंदर कौर, प्रतिभा मानसिंहका, रेखा सोडाणी, संगीता काबरा, सीमा गोयल, सुनील तलेसरा, पंकज मिश्रा आदि मौजूद रहे।

विधायक अशोक कोठारी ने भीलवाड़ा शहर की सोसाइटी में आयोजित फ्लावर शो का अवलोकन किया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 7 जनवरी, 2026

माघ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, मघा नक्षत्र दिन 11:56 तक, आयुष्मान योग सायं 6:34 तक, कौलव करण सायं 6:43 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में। आज कुमार दिन 11:56 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:57 तक, शुभ 11:15 से 12:33 तक, चर 3:09 से 4:27 तक, लाभ 4:27 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:44

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या के कारण परेशानी हो सकती है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित कारणों से अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। बकार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में अनावश्यक वाद-विवाद हो सकते हैं।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ-मांगलिक कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सार-समाचार

जरूरतमंदों को कंबल वितरित

झुंझुनूं, (निसं)। श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के तत्वावधान में सर्दी के इस मौसम में कोई ना ठिठुरे अभियान के अंतर्गत कंबल वितरण अभियान लगातार जारी है। इस क्रम में स्व. मोहनलाल टीबड़ेवाल एवं स्व. रामदेई टीबड़ेवालकी पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र विश्वनाथ, रामगोपाल एवं सज्जन कुमार टीबड़ेवाल सुपौत्र पवन कुमार एवं शंकरलाल टीबडेवाल के सौजन्य से गाडिया टाउन हाल के सामने मोदी रोड स्थित टीबडेबाल सदन में मंगलवार को वहां के आसपास की एरिया के जरूरतमंदों को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि श्री गोपाल गौशाला अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया, मंत्री प्रदीप पाटोदिया, भामाशाह परिवार के विश्वनाथ टीबड़ेवाल, रामगोपाल टीबड़ेवाल एवं संतोष टीबड़ेवाल उपस्थित थे। जिनका श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान, परमेश्वर हलवाई एवं सुनिल तुलस्यान ने साफा एवं दुपट्टा ओढ़ाकर माल्यार्पण के साथ प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर रतनलाल टीबडा, किशोरीलाल टीबडा, ताराचंद गुप्ता भोडकीवाला, एडवोकेट नरेश परसरामपुरिया, सांवरमल जांगिड, दुर्गादत्त तुलस्यान, श्यामसुंदर गुढ़ावाला, मनोज तुलस्यान, अंकित चुडैलावाला, अजय माखरिया, प्रदीप खेतान, पुरुषोत्तम चुडैलेवाला, अविनाश शर्मा, प्रदीप अग्रवाल, कैलाशचंद्र सिंघानिया, ओमप्रकाश टीबडा, पवन सिंघल सहित अन्य गणमान्यजन बडी संख्या में उपस्थित थे।

पिलानी में नेक्स्ट जनरेशन पोस्ट ऑफिस का उद्घाटन आज

झुंझुनूं, (निसं)। बुधवार को सुबह 11:30 बजे बिट्स पिलानी में नेक्स्ट जनरेशन पोस्ट ऑफिस का कर्नल सुशील कुमार मुख्य पोस्टमास्टर जनरल राजस्थान परिमंडल जयपुर एवं वी. रामगोपाल राव वाइस चांसलर बिट्स पिलानी द्वारा अन्य वरिष्ठ अधिकारीयों की गरिमामय उपस्थिति में विधिवत उद्घाटन किया जाएगा। यह आधुनिक पोस्ट ऑफिस भारतीय डाक विभाग की जेन-जेड को डाकघरों से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल है। नेक्स्ट जनरेशन पोस्ट ऑफिस में उन्नत डिजिटल सुविधाएं, स्वचालित काउंटर प्रणाली, तेज और पारदर्शी सेवा व्यवस्था, आधुनिक इंटीरियर तथा ग्राहक अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया गया है। यहां डाक, पार्सल, स्पीड पोस्ट, बचत योजनाएं, बीमा सेवाएं और अन्य डाक संबंधी सेवाएं अधिक प्रभावी एवं सुगम रूप से प्रदान की जाएगी। यह पोस्ट ऑफिस पिलानी क्षेत्र के नागरिकों को समयबद्ध, सुरक्षित और विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। इससे डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्राप्त होगा। नेक्स्ट जनरेशन पोस्ट ऑफिस की परिकल्पना डाक आपके द्वार की भावना को साकार करने के उद्देश्य से की गई है। जिससे आम नागरिकों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से उच्च गुणवत्ता की सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें। यह नया पोस्ट ऑफिस पिलानी के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा और डाक विभाग को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सुदृढ़ बनाएगा।

स्कूलें अब सोमवार से खुलेगी, कलेक्टर ने अवकाश बढ़ाया

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में शीतलहर एवं अत्यधिक ठंड के प्रकोप को देखते हुए विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर-राजकीय विद्यालयों में कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए सात जनवरी से 10 जनवरी 2026 तक अवकाश घोषित किया है। जबकि 11 जनवरी को रविवार होने के कारण अवकाश है। इसलिए अब स्कूलें सोमवार 12 जनवरी से खुलेगी। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किए है। यह अवकाश केवल छात्र-छात्राओं के लिए लागू रहेगा। कक्षा नौ से 12 तक की कक्षाएं पूर्ववत संचालित होंगी तथा विद्यालयों का समस्त स्टाफ विभागीय नियमानुसार विद्यालय में उपस्थित रहकर कार्य करेगा। जिला प्रशासन ने जिले के सभी संस्था प्रधानों को निर्देशित किया है कि आदेश की अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाए। आदेश की अवहेलना कर अवकाश अवधि में कक्षा संचालन पाए जाने पर संबंधित संस्था प्रधान के विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे स्टेशन को जंक्शन बनाने की मांग

झुंझुनूं, (निसं)। शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति के झुंझुनूं मांगे रेलवे जंक्शन जन संघर्ष अभियान के अंतर्गत मंगलवार को समिति अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल के नेतृत्व में समिति के महासचिव डॉ. मनोज सिंह, झुंझुनूं लॉयंस क्लब के अध्यक्ष डॉ. देवेंद्रसिंह शेखावत एवं समाजसेवी फैयाज अहमद खान नूआं के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग को उनका स्वयं का एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम अलग-अलग ज्ञापन सौंपकर झुंझुनूं रेलवे स्टेशन को जंक्शन बनाने की मांग की। समिति ने ज्ञापन में झुंझुनूं रेलवे स्टेशन से बिसाऊ, मंड्रेला, पिलानी, सादुलपुर, मंडावा, फतेहपुर शेखावाटी, रतनगढ़, सालासर, चनाना, जसरापुर, खेतड़ी, निजामपुर, गुढ़ा, उदयपुरवाटी, नीमकाथाना, शाकम्भरी एवं लोहार्गल आदि स्थानों तक नई रेल लाइनें बिछाकर झुंझुनूं को रेलवे जंक्शन बनाने की मांग के साथ ही झुंझुनूं से होकर अहमदाबाद, सूरत, पुणे, मुंबई, कोलकाता, गोवाहाटी, दिल्ली, हरिद्वार, श्रीमाता वैष्णों देवी कटरा, उदयपुर सिटी एवं श्रीगंगानगर के लिए नई रेल सेवाएं संचालित करने की मांग की है।

कृष्ण श्योराण को सम्मानित किया

झुंझुनूं, (निसं)। जिले की बुहाना तहसील के काजला ग्राम निवासी कृष्ण श्योराण ने जाट समाज के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जय यूनाइटेड संगठन दिल्ली द्वारा दिल्ली में आयोजित समारोह में देशभर से पधारे महानुभव की उपस्थिति में राजस्थान जाट समाज के प्रदेश सचिव व जेकेएसएफ के संस्थापक कृष्ण श्योराण को उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों के लिए लोक प्रेरणा उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार के यूनाइटेड द्वारा देश भर के 40 प्रतिभावान युवाओं में से एक को दिया जाता है। जिसने सामाजिक क्षेत्र में ऐसा धारण कार्य किया हो। कार्यक्रम में आईएएस युद्धवीर ख्यालिया, आईएएस ललित सिवाच, आईपीएस सीपी तेवतिया, कर्नल दिनेश चहल, कर्नल कैलाश समोता, मेजर प्रियव्रत सांगवान, कैप्टन प्रवीण दहिया आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

क्रिकेट खिलाड़ी गुनगुन सैनी का सम्मान

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान की महिला क्रिकेट टीम खिलाड़ी गुनगुन सैनी निवासी रेखावली ढाणी का एमपी में खेलकर लौटने पर स्वागत अभिनंदन किया गया। गुनगुन सैनी पूर्व संरपच मदनलाल सैनी की पोती हैं। मोतीसिंह की ढाणी स्थित गुरुकृपा शिक्षण संस्थान में राष्ट्रीय खिलाडी गुनगुन सैनी को पार्षद प्रदीप कुमार सैनी व संस्थान के संरक्षक सीताराम सतरावला ने मोमेंटो प्रदान किया। इस दौरान स्कूली बच्चों द्वारा खेल के लाभ जैसे सवाल पर खिलाड़ी गुनगुन ने कहा कि हम जितना पढ़ने में रुचि रखते हैं। उतना ही खेलों में रखना शुरू कर दो। दिमाग का विकास उतनी ही तेजी से विकास करेगा। गुरूकृपा शिक्षण संस्थान के संचालक राजेश सैनी ने बताया कि बच्चों ने गुनगुन को उत्साह से फूल मालाएं पहनाई। युवा अनिल सैनी ने आभार जताया।

सीकेआरडी आईटीआई में 67 का कैंपस प्लेसमेंट में चयन

झुंझुनूं, (निसं)। रिको स्थित सीकेआरडी आईटीआई में मंगलवार को कैंपस प्लेसमेंट शिविर आयोजित किया गया। जिसमें वायवा और बायोडेटा के आधार पर 67 अभ्यर्थियों को ऑफर लेटर दिए गए। जीनस पावर इंस्टाक्चर प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि सौरव राज एचआर मैनेजर ने नियुक्तियों के लिए आईटीआई में कैंपस का आयोजन किया। जिसमें 145 आईटीआई आवेदकों द्वारा अपना बायोडाटा कंपनी प्रतिनिधि के समक्ष पेश किए। इसमें से 67 को वायवा व बायोडाटा के आधार पर चयन कर कंपनी द्वारा ऑफर लेटर दिया गया।

जनसुनवाई आज

झुंझुनूं, (निसं)। विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों विद्युत सप्लाई, विद्युत कनेक्शन, विद्युत मीटर, विद्युत बिल में त्रुटि सुधार, विद्युत ट्रांसफॉर्मर व लाइन, गलत वीसीआर से संबंधी के समाधान के लिए सात जनवरी को जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। अजमेर डिस्कॉम के एसई एमके टीबड़ा ने बताया कि बुधवार को सुबह 11 बजे अजमेर डिस्कॉम के एसई कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा।

जरूरतमंदों को 120 कंबल बांटे

राजलदेसर (निसं)। राजलदेसर युवा विकास समिति की प्रेरणा से कस्बे के भामाशाह छत्रसिंह बोथरा ने अपनी माता स्वर्गीय किरण देवी बोथरा पिता स्वर्गीय बाबूलाल बोथरा की स्मृति में गांव पंचायत आबडसर, छाजूसर में जरूरतमंद महिलाओं एवं पुरुषों को 120 कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजलदेसर युवा विकास समिति के अध्यक्ष रतनलाल बारूपाल, उपसरपंच धनराज सारस्वत, वीर विक्रम सिंह, ईशर नाथ, अर्जुन नाथ के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कार्यक्रम में उपसरपंच धनराज सारस्वत ने कहा अपने माता-पिता की याद में जो पुत्र इस सर्दी के मौसम में जरूरतमंद परिवार जनों को जो कंबल वितरण का कार्यक्रम लगातार कर रहे हैं उसके लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं है।

भविष्य में भी इसी तरह छतर सिंह बोथरा परिवार जरूरतमंद परिवार जनों की सेवा करते रहे कार्यक्रम में युवा विकास समिति के अध्यक्ष रतनलाल बारूपाल ने समिति के द्वारा अब तक कराए गए कार्यों की जानकारी दी एवं भामाशाह छतर सिंह बोथरा का आभार प्रकट करते हुए कहा कि लगातार 3 वर्षों से प्रतिवर्ष जितनी कंबल जरूरतमंदों को चाहिए उनके द्वारा मदद की जा रही है।

आबडसर एवं छाजूसर में जरूरतमंद महिलाओं एवं पुरुषों को कंबल वितरित किये गये।

उन्होंने छतर सिंह बोथरा परिवार का आभार जताया। कार्यक्रम में वीर विक्रम सिंह ने कहा बोथरा परिवार के द्वारा आबडसर ,छाजूसर के अंदर पहली बार कंबल वितरण का जो कार्यक्रम आयोजित किया है उसके लिए पूरे ग्राम वासियों की ओर से आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का माला पहनाकर व तस्वीर देकर सम्मान किया।

जरूरतमंद महिला व पुरुषों ने छतर सिंह बोथरा का आभार जताया। कार्यक्रम में युवा विकास समिति के मंत्री मदन दाधीच, विनोद भाटिया, सीताराम गर्ग, शिव भगवान सोनी, हंसराज डेनवाल, रामसिंह, रामचंद्र सिंह, समुद्र सिंह, ईशर नाथ सिद्ध, मेघ नाथ सिद्ध राधेश्याम, कालू सिंह, पूर्ण सिंह, बद्री प्रसाद शर्मा, लालचंद शर्मा, हिरनाथ सिद्ध, रामप्रताप नाथ, सिद्ध, अर्जुन नाथ सिद्ध, कन्हैया लाल शर्मा, भागीरथ नाथ, रमेश गर्ग श्रवण सारस्वत सहित अनेकों ग्रामवासी उपस्थित थे।

तारानगर शहर में तेंदुआ दिखने से हड़कंप, सीसीटीवी फुटेज वायरल

- प्रशासन ने सर्च अभियान शुरू किया
- पद चिन्हों के आधार तेंदुए की तलाश जारी है

तारानगर (निसं)। तारानगर शहर में सोमवार देर रात्रि के समय तेंदुआ दिखाई देने से इलाके में दहशत का माहौल बन गया है।

तेंदुए की मौजूदगी का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फुटेज में तेंदुआ शहर की गलियों में घूमता नजर आ रहा है, जिससे लोगों में डर और सतर्कता दोनों बढ़ गई हैं।

सीसीटीवी सूचना मिलने पर चूरू उप वन सरंक्षक भवानीसिँह के निर्देशन में क्षेत्रीय वन अधिकारी सुरेन्द्र सिँह, सहायक वनपाल राजेंद्रसिँह, वनरक्षक सुनील बागड़ी सहित वन विभाग की टीम ने तुरंत सर्च अभियान शुरू कर दिया, संभावित इलाकों में गश्त बढ़ा दी गईऔर तेंदुए की लोकेशन ट्रैक करने के प्रयास किए गए।

वहीं शहर के लोग भी एक-दूसरे को सोशल मीडिया और मैसेज के जरिए सतर्क रहने की अपील की। कई मोहल्लों में लोगों ने रात में बाहर निकलने से बचने और बच्चों को घर के अंदर रखने की सलाह दी।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी तेंदुए की गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस या वन विभाग को सूचना दें और स्वयं किसी प्रकार का जोखिम न उठाएं।

प्रशासन ने यह भी कहा है कि अफवाहों से बचें और केवल आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करें। क्षेत्रीय वन अधिकारी सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि वन विभाग की टीम द्वारा पद चिन्हों के आधार तेंदुए की तलाश जारी है और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

नवनियुक्त कोषाध्यक्ष का स्वागत किया

झुंझुनूं, (निसं)। भाजपा जिला कार्यकारिणी की घोषणा हाल ही कुछ दिवस पूर्व की गई थी। जिसमें भाजपा जिला कोषाध्यक्ष पद पर नवल खंडेलिया को नियुक्ति किए जाने पर उनका मंगलवार को श्री गोपाल गौशाला झुंझुनूं द्वारा संचालित बगड रोड स्थित नंदीशाला में गौभक्तों द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। इस पर उपस्थित गौभक्त कमल केजडीवाल, सुनिल हलवाई चिडावा वाला, प्रदीप पाटोदिया, शंकरलाल जालान, श्यामसुंदर तुलस्यान एवं डॉ. डीएन तुलस्यान ने नवल खंडेलिया का माल्यार्पण के साथ शॉल, साफा एवं दुपट्टा ओढाकर अभिनन्दन किया।

चिड़ावा में अवैध परिवहन करते लकड़ियों से भरी पिकअप जब्त

चिड़ावा (निसं)। राजस्थान वन विभाग ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार, 5 जनवरी 2026 को एक महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम दिया। सीसीएफ जयपुर की फ्लाइंग टीम और चिड़ावा रेंज के क्षेत्रीय वन अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए सुल्ताना-अरडावता रोड से अवैध लकड़ी परिवहन कर रही एक पिकअप को जब्त किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वन विभाग को सूचना मिली थी कि नवलगढ़ से लकड़ी भरकर एक पिकअप अवैध रूप से हरियाणा ले जाई जा रही है। इस सूचना पर सीसीएफ फ्लाइंग के रेंजर सूरजमल और उनके स्टाफ के साथ चिड़ावा रेंजर सुमन व उनके स्टाफ ने सुल्ताना-अरडावता मार्ग पर नाकाबंदी की।

इस दौरान संदिग्ध पिकअप को रुकवाकर तलाशी ली गई, तो उसमें अवैध लकड़ियां भरी पाई गई। चालक कर्मवीर, जो कि नवलगढ़ का निवासी है, मौके पर लकड़ी के परिवहन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

टीम में शामिल सदस्यः- इस सफल कार्रवाई में विभाग के निम्नलिखित सदस्यों की मुख्य भूमिका रही। रेंजर सुमन (क्षेत्रीय वन अधिकारी, चिडावा) रेंजर सूरजमल (सीसीएफ फ्लाइंग, जयपुर) मुकेश कुमार (वनपाल) सुशीला रणवा (सहायक वनपाल) प्रकाश आनंद (फॉरेस्ट गार्ड) इस पूरी कार्रवाई के दौरान जिला विशेष टीम ( ) का भी विशेष सहयोग रहा, जिससे टीम को सफलता मिली।

सार-समाचार

चूरू में शीतलहर ने लोगों की धूजणी छुड़ाई

चूरू (निसं)। जिले में शीतलहर और घने कोहरे का प्रकोप जारी है। मंगलवार को मौसम ने फिर करवट ली है और सुबह से ही कड़ाके की ठंड का शितम जारी है। पिछले दो दिनों से चूरू जिले में शीतलहर का प्रकोप लगातार जारी है, जिससे जनजीवन अत्यधिक प्रभावित हुआ है। सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा, जिसके कारण सड़कों पर वाहनों की गति धीमी रही। कोहरे की दृश्यता 100 मीटर से भी कम दर्ज की गई। शीतलहर ने लोगों की धुजणी छुडाकर रख दी है। ठंड को देखते हुये जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार देर शाम कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों की 10 जनवरी और कक्षा 6 से 8 तक विद्यार्थियों की 7 जनवरी तक अवकाश के आदेश दिये। सभी शिक्षा अधिकारियों को इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा है। आपको बता दें कि सुबह छाने वाला यह कोहरा खेतों में बारानी चने की फसल के लिए फायदेमंद माना जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में आगामी एक सप्ताह तक कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसके साथ ही अगले दो-तीन दिनों में तापमान में और अधिक गिरावट आने की संभावना है। मंगलवार को पूरे दिन सूर्य देवता के दर्शन भी नहीं हुये। लोगों की रोजमर्रा की दिनचर्या भी काफी प्रभावित हुई। लोग दिनभर गर्म कपडों से लिपटे नजर आये। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान 12.1 डिग्री व न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया।

जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित

झुंझुनूं, (निसं)। श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था एवं लॉयंस क्लब झुंझुनूं के संयुक्त तत्वावधान में मान नगर एरिया के जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन स्वर्गीय महावीरप्रसाद तुलस्यान एवं स्वर्गीय पूर्णीदेवी तुलस्यान की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र मुंबई प्रवासी शंकरलाल तुलस्यान एवं परिवारजन की ओर से किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित बतौर अतिथि महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष सत्यदेव दडिया एवं एडवोकेट नरेश परसरामपुरिया का स्वागत श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान, सुनिल तुलस्यान, लॉयंस क्लब झुंझुनूं की ओर से सचिव गोपालकृष्ण गुप्ता एवं पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश जांगिड द्वारा दुपट्टा एवं साफा ओढाकर माल्यार्पण के साथ प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया गया।

जिला कलेक्टर का सम्मान किया

झुंझुनूं, (निसं)। राष्ट्रीय जाट महासंघ महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने नववर्ष स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया। राष्ट्रीय जाट महासंघ महिला मोर्चा की प्रदेश सचिव प्रेम कटेवा, जिलाध्यक्ष संतोष चौधरी एवं जिला संरक्षक सुभिता पूनियां के नेतृत्व में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग का साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर सम्मान किया गया। शहर ब्लॉक अध्यक्ष रेणू कस्वां, महासचिव मंजू महला, सचिव चंद्रकला भांबू, उपाध्यक्ष शारदा देवी, संयुक्त सचिव अन्नू चौधरी, महासचिव सपना बाबल, सचिव सुनिता देवी एवं उपाध्यक्ष सिलोचना जगतसिंह ने मिठाई खिलाकर नववर्ष की बधाई देकर जिला कलेक्टर डॉ. अरूण गर्ग को सम्मानित किया।

विभिन्न खेलों का आयोजन

झुंझुनूं, (निसं)। रामादेवी महिला पीजी महाविद्यालय हरनाथपुरा नूआं में चल रहे एनएसएस के सात दिवसीय शिविर कार्यक्रम के छठे दिन महाविद्यालय मे स्वयंसेविकाओं ने पुष्प गुच्छ बनाए और विभिन्न खेलों का आयोजन कर माहौल को खुशनुमा बना दिया।

बेटी सशक्त होगी तभी समाज समृद्ध बनेगा : डॉ. शंभू पंवार

- पौत्री के जन्मदिन पर गौ माताओं को गुड़ खिलाया

चिड़ावा, (निसं)। बेटियां ईश्वर की कोमल नेमत हैं। वे केवल परिवार की शान ही नहीं, बल्कि समाज की नैतिक और सांस्कृतिक शक्ति भी हैं। जिस घर में बेटी होती है, वहां संवेदना, संस्कार और समृद्धि स्वतः प्रवेश कर जाती है। इसलिए बेटियों को शिक्षा, सुरक्षा और संस्कार देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यह विचार वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, अंतरराष्ट्रीय लेखक, पत्रकार-विचारक एवं धरा गवर्नर डॉ. शंभू पंवार ने श्री कृष्ण गौशाला चिड़ावा में व्यक्त किए। वे अपनी सुपौत्री यशस्वी के जन्मदिन पर गौमाताओं को गुड खिलाने आए थे। उन्होंने कहा कि बेटी के शिक्षित होने से केवल एक परिवार नहीं, बल्कि दो पीढ़ियां सशक्त होती हैं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। डॉ. पंवार ने कहा कि आज का समय बदल चुका है। आधुनिक परिवेश में बेटियां शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, साहित्य, खेल, राजनीति और सामाजिक सेवा-हर क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। वे किसी भी दृष्टि से बेटों से कम नहीं हैं।

आवश्यकता इस बात की है कि समाज की सोच बदले और बेटियों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिले। साथ ही उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि वर्तमान समय में हमें अपने बेटों को भी नारी सम्मान, संवेदनशीलता और सामाजिक संस्कारों की शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है। डॉ. पंवार ने कहा कि संस्कार केवल उपदेश से नहीं, आचरण से पनपते हैं। जब परिवार स्वयं सामाजिक और मानवीय मूल्यों को अपनाता है। तभी नई पीढ़ी सही दिशा में आगे बढ़ती है।

उल्लेखनीय है कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े गौसेवक डॉ. शंभू पंवार अपने जीवन में सेवा, संवेदना और संस्कार को निरंतर व्यवहार में उतारते रहे हैं। वे अपने ओर परिवार के सदस्यों के जन्मदिन और अपने माता पिता की पुण्य तिथि के अवसर पर गौमाताओं को गुड़, दलिया, आहार खिलाते है। गौ सेवा एवं सामाजिक मूल्यों के संदेश के माध्यम से समाज को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास करते हैं। इस अवसर पर यशस्वी, यशु, सुभाष पंवार, अभिषेक पंवार, चंदन पंवार ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाई।

दो नाबालिग बच्चों को मिला संरक्षण

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के मुकुंदगढ़ थाना इलाके के चूड़ी चतरपुरा वार्ड संख्या तीन में दो नाबालिग भाई-बहन के साथ हो रही उपेक्षा एवं अमानवीय परिस्थितियों के मामले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झुंझुनूं ने संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की है। प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को जिला एवं सत्र न्यायालय झुंझुनूं द्वारा अग्रेषित किए जाने के पश्चात सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने मामले की गंभीरता को तुरंत संज्ञान में लिया। बिना किसी विलंब के प्रकरण को नियमानुसार चाइल्ड हैल्पलाइन व जिला बाल संरक्षण इकाई को अग्रेषित कर स्पष्ट निर्देश दिए कि नाबालिग बच्चों के हित में तत्काल कार्यवाही की जाए तथा अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। डालसा की इस पहल के परिणामस्वरूप बाल कल्याण समिति द्वारा किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के अंतर्गत आवश्यक आदेश पारित किए गए।

सीवरेज पाइप लीकेज से बुरा हाल

चिड़ावा (निसं)। कस्बे के अंबिका नगर क्षेत्र में पिछले काफी समय से सीवरेज की समस्या गहराती जा रही है। मंड्रेला रोड स्थित पानी की टंकी के पास सीवरेज पाइपलाइन से हो रहे गंदे पानी के रिसाव ने स्थानीय निवासियों और दुकानदारों का जीना मुहाल कर दिया है। समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर आज क्षेत्र के लोगों ने उपखंड अधिकारी और नगर पालिका अधिशासी अधिकारी को पत्र लिखकर गुहार लगाई है।

खेलकूद व सांस्कृतिक सप्ताह के तहत छात्राओं ने प्रतिभा दिखाई

झुंझुनूं, (निसं)। सेठ नेतराम मगराज टीबड़ेवाला राजकीय महिला महाविद्यालय में दो जनवरी से चल रहे खेलकूद एवं सांस्कृतिक सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को एकल नृत्य एवं समूह गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर रामकुमार सिंह ने की। प्राचार्य प्रो. रामकुमार सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से छात्राओं में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं रचनात्मक कौशल का विकास होता है। उन्होंने छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ सह शैक्षिणक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

सांस्कृतिक समिति की संयोजक डॉ. सिद्धी जोशी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता से व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है तथा मंच से जुड़ाव आत्म-अभिव्यक्ति को सशक्त बनाता है। एकल नृत्य प्रतियोगिता में पलक शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वंशिका एवं आरती ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा इशु, यतिका यादव एवं इशिता वर्मा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं समूह गायन प्रतियोगिता में चमन प्रकाश एवं खुशी सैनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मोनिका, यतिका, पायल एवं ज्योति समूह ने द्वितीय तथा जया एवं पल्लवी समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में सहायक आचार्य सुनिता, मनीषा यादव एवं अश्विनी वालिया ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

नगर कांग्रेस कमेटी नीमकाथाना की कार्यकारिणी घोषित

- विधायक सुरेश मोदी ने पदाधिकारियों का सम्मान किया

पाटन (निसं)। मंगलवार को नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी के आवास पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नगर कांग्रेस कमेटी नीमकाथाना की नवीन कार्यकारिणी के गठन के अवसर पर विधायक मोदी ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को माला एवं साफा पहनाकर स्वागत करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।घोषित कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर बलदेव यादव को नियुक्त किया गया।

महासचिव (संगठन) श्रवण शर्मा, उपाध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, शिवपाल भाटी, अशोक ढिलाण, रमेश जोशी, धनीराम भिहारा को बनाया गया।महासचिव पद पर ग्यारसीलाल बंजारा, राजेन्द्र वर्मा, कृष्ण कुमार सैनी, सुभाष सिंघल, आशिष कुमावत को जिम्मेदारी दी गई।सचिव पद पर रामजीलाल सैनी, नितेश कुमार गोयल, ईद मोहम्मद, राजेन्द्र मीणा, अजय कुमार गोयल, शेर सिंह सैनी, कैलाश चंद सैनी, रणजीत वर्मा, मदनलाल, जयचंद डांगी को नियुक्त किया गया।प्रवक्ता के रूप में लालचंद तथा सोशल मीडिया सदस्य के रूप में विष्णु कुमार अग्रवाल को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में इदु खां, रामसिंह जाट, शम्भू दयाल, जगदीश प्रसाद सैनी, रामस्वरूप मीणा, धर्मपाल सैनी, राकेश जांगिड़ को शामिल किया गया है।

इस अवसर पर विधायक मोदी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से कांग्रेस पार्टी को एकजुट रखते हुए संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर संघर्षरत रहने का आव्हान किया।

विधायक मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि नगर कांग्रेस कमेटी नीमकाथाना की नई कार्यकारिणी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए संघर्ष करती रही है और नई टीम से अपेक्षा है कि वह जनता की समस्याओं को पूरी मजबूती से उठाएगी।

उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आपसी समन्वय, अनुशासन और एकजुटता के साथ कार्य करते हुए पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने का आव्हान किया। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि यह नई कार्यकारिणी आने वाले समय में नगर कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगी।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने नव-नियुक्त कार्यकारिणी का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

वर्धमान स्कूल में खेल सप्ताह का आगाज

सीकर, (निसं)। वर्धमान विद्या विहार में 06 जनवरी से 10 जनवरी 2026 तक खेल सप्ताह का आयोजन किया जाएगा, जिसका शुभारंभ 6 जनवरी 2026 को संस्था की प्रबंध कार्यकारणी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया संस्था के सह सचिव रितेश रारा ने बताया कि इस खेल सप्ताह में विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगितायों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमे भाग लेकर बच्चे खेलो के प्रति रुचि एवं अपनी प्रतिभा दिखायेंगे।

संस्था सचिव संजय संगही ने बताया कि इस खेल आयोजन में खो-खो, कबड्डी, क्रिकेट, शतरंज, बेडमिंटन, 100 मीटर एवं 400 मीटर दौड, कैरम, बाधा दौड़ के साथ साथ विद्यार्थियों के लिए अन्य कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी। 10 जनवरी को खेल प्रतियोगिताओं का समापन समारोह मनाया जायेगा जिसमें विजेताओं को मेडल, ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित भी किया जायेगा।

राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
साधिकार प्रकाशित	Published by Authority

माघ 26, शनिवार, शाके 1946-फरवी 15, 2025
Magha 26, Saturday, Saka 1946-Fabruary 15, 2025

भाग-1(ख)
महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।
सार्वजनिक निर्माण विभाग (पथ) राजस्थान, जयपुर
(वृत चूरू)
अधिसूचना
चूरू, फरवरी 06, 2025
(अन्तर्गत भूमि अर्जन, पुनर्वासन, पुर्नव्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4(1))

राजकाज नम्बर 13404285- राजस्थान के राज्यपाल द्वारा भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शित अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4(1) के तहत राजस्थान भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार नियम 2016 के प्रावधानुसार एवं राजस्थान सरकार के राजस्व (ग्रुप-6) विभाग के परिपत्र क्रमांक पं. 1(150) राज-6/2016-02 दिनांक 27.01.2027 के निर्देशानुसार केन्द्रिय सडक एवं आधारभूत संरचना निधि (सी.आर.आई.एफ.) की परियोजना सेतु बंधन के अन्तर्गत स्वीकृत मोलीसर रतनगढ रेलवे स्टेशन (312/0-1) के मध्य आयुबी रतनगढ (चूरू) का निर्माण कार्य विकसित किये जाने के प्रयोजन से जिला चूरू की तहसील रतनगढ में निम्ननुसार प्रस्तावित गांव में भूमि अर्जन प्रस्तावित है-

क्र.सं.	जिला	तहसील	राजस्व-ग्राम/नगर का नाम
1	2	3	4
1.	चूरू	रतनगढ़	खारिया, हरिपुरा

परियोजना हेतु नियमानुसार सामाजिक समाघात निर्धारित हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा सामाजिक आर्थिक विकास समिति, अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड, रतनगढ जिला चूरू (राजस्थान) एजेंसी का चयन किया जाना है।
उपरोक्त चयनित संस्था द्वारा परियोजना हेतु प्रस्थावित भू-अर्जन से प्रभावित ग्राम में समाजिक समाघात निर्धारण राजस्थान भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिकार नियम 2016 के प्रावधानुसार किया जायेगा। सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रक्रिया निम्नानुसार होगी-
1. संस्था द्वारा परियोजना हेतु प्रस्थावित ग्राम भू-अर्जन से प्रभावित व्यक्तियों का विवरण तैयार कर सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रारूप रिपोर्ट तैयार की जायेगी।
2. प्रारूप रिपोर्ट की प्रति प्रभावित ग्राम में समचित सभा तत्पश्चात प्रभावित ग्राम में पर्याप्त प्रचार प्रसार के उपरान्त जानी जावेगी, जिसका कार्यवाही विवरण समुचित रूप से रिकार्ड किया जायेगा।
3. जन सुनवाई के दौरान आये सुझावों/आपत्तियों के समुचित समाधान को शामिल कर सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट एवं सामाजिक समाधन प्रबन्ध योजना तैसयार की जावेगी।
4. सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रक्रिया प्रभावित ग्राम में सम्बन्धित ग्राम पंचायत, नगर परिषद, नगर पालिका के परामर्श में की जावेगी।
5. सार्वजनिक निर्माण विभाग माध्यम के तहत विकसित किये जाने वाली परियोजनाओं हेतु अधिनियम की धारा 2¼2½¼a½¼ii½ के प्रावधानुसार प्रभावित परवारों की सहमति आवश्यक होगी।
6. सामाजिक समाघात मूल्यांकन के दौरान किसी भी प्रकार के बल प्रयोग या धमकी का प्रयत्न इस कवायद का अकृत और शून्य बना देगा।
7. सामाजिक समाघात निर्धारण प्रक्रिया को इस अधिसूचना की तिथि से अधिकतम 6 माह अवधि से पूर्व सम्पूर्ण कराया जाना आवश्यक है।

सम्पर्क सूत्र-सामाजिक समाघात निर्धारण ईकाई, कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड रतनगढ जिला चूरू
सामाजिक समाघात निर्धारण एजेन्सी, सा.नि.वि. उपखण्ड रतनगढ, मो.
अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड रतनगढ जिला चूरू, मो.
भूमि अवाप्ति अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी रतनगढ
संयुक्त सचिव (पथ) सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान, जयपुर

DIPR/C/89/2026

2 करोड़ 58 लाख से अधिक कॉपर की चोरी की वारदात का मात्र 10 घंटे में खुलासा

3 अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त दो कन्टेनर बरामद

कोटपूतली जिले की प्रागपुरा थाना पुलिस ने मात्र 10 घण्टे में 02 करोड 58 लाख 12 हजार 500 रुपये के कॉपर की चोरी की वारदात का खुलासा किया ।

- एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी घटना की जानकारी

कोटपूतली । जिले की प्रागपुरा थाना पुलिस ने मात्र 10 घण्टे में त्वरित कार्यवाही करते हुये 02 करोड 58 लाख 12 हजार 500 रुपये के मुल्य के कॉपर की चोरी की वारदात का खुलासा किया हैं। साथ ही घटना में शरीक 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया हैं। घटना में प्रयुक्त दो कन्टेनर नं. एचआर 55 एवाई 4639 व आरजे 02 जीबी 3929 मय 02 करोड़ 58 लाख 12 हजार 500 रुपये के मूल्य का कॉपर बरामद भी किया हैं। जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने प्रैस वार्ता आयोजित कर जानकारी देते हुये बताया कि प्रागपुरा थाने के प्रकरण की घटना की गम्भीरता को देखते हुये घटना का खुलासा व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु एएसपी नाजीम अली खान के सुपरविजन व विराटनगर डीएसपी उमेश निठारवाल के निर्देशन में थानाधिकारी भजनाराम के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

गत 04 जनवरी को परिवादी राजेश सिंह ने बताया कि मेरी गाड़ी ट्रक नं. आरजे 02 जीबी 3929 दिनांक 01 जनवरी को महशाना गुजरात से कॉपर कीमत बिल अनुसार 2,58,12500 रुपये का भरकर भिवाड़ी जाने के लिये निकली थी, जिससें मेरा ड्राईवर अनिल सिंह शेखावत पुत्र इन्द्र सिंह निवासी कैरोड़ी ढ्राणी नंदा जी मोबाइल नं. 9116929834 को लेकर चला था जो 03 जनवरी को रात 08 बजे शाहंजहांपुर टूल टैक्स पर पहुंचा था, जिसके टोल कटने का रुपयों का मेसेज मेरे पास आया, उसके बाद उसी रात करीब 12.12 बजे बर्डाद टोल टैक्स का मेसेज आया तो मुझे शक हुआ तो मैंने रात्रि को 01 बजे फोन किया तो ड्राईवर अनिल का फोन बंद आ रहा था। दिनांक 04 जनवरी को गाडी मेरे द्वारा तलाश करने पर गाडी प्रागपुरा ममता होटल से पहले खड़ी मिली तथा उसमे भरा माल कॉपर ना तो भिवाड़ी पार्टी के पास पहुंचा और ना ही गाड़ी में मिला गाड़ी मौके पर खाली थी होटल पर गाड़ी के पास गये तो होटल का गार्ड बता रहे थे की ये गाड़ी रात को 01.30 से 02 बजे के बीच आई थी व उसके पीछे एक सफेद रंग की कार आई थी जिसमें बैठकर ड्राईवर चला गया। मेरी गाड़ी से कॉपर चोरी हुआ जिसकी किमत 2,58,12500 रुपये थी। जिस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान व तलाश शुरु की गई। टीम द्वारा मुल्जिमानों की गिरफ्तारी को एक चैलेंज के रुप में स्वीकार कर अपने स्तर आसूचना संकलन व तकनीकी सुझबुझ के आधार से प्रकरण का खुलासा करते हुये प्रकरण की घटना में चोरी हुये 02 करोड 58 लाख 12 हजार 500 रुपये के मुल्य के कॉपर मय घटना प्रयुक्त वाहन कन्टेनर नं. एचआर 55 एवाई 4639 व आरजे 02 जीबी 3929 अभियुक्त इरफान (37) पुत्र साजिद अली जाति मुसलमान निवासी मकान नं. जे-02/140 वेलकम सिलमपुर दिल्ली, रिंकु बागड़ी (34) पुत्र श्रीपाल बागड़ी जाति खटीक निवासी अशोक विहार कालोनी रंगाला थाना तावडु जिला नुंह मेवात व मिन्टु उर्फ सुखबीर पुत्र श्री रामेश्वर गुर्जर निवासी बुरहेड़ा थाना खुशखेड़ा जिला भिवाड़ी को गिरफ्तार कर अनुसंधान किया जा रहा हैं।

रावला मंडी में विदेशी युवक-युवती डिटेन

अनूपगढ़। भारत - पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित श्री गंगानगर के रावला मंडी में गुरु गोविंद सिंह जयंती पर हो रहे नगर कीर्तन में एक विदेशी युवक और युवती को सीआईडी ने डिटेन किया है। कीर्तन में विदेशी होने की सूचना मिलने पर सीआईडी ने दोनों को नगर कीर्तन से ले जाकर रावला पुलिस के सुपुर्द कर दिया, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है।

एसपी अमृता दुहन ने बताया- प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि यह युवक और युवती चेकोस्लोवाकिया के निवासी हैं। शुरुआती जांच में उनसे किसी भी तरह की संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। पुलिस दोनों से गंभीरता से पूछताछ कर रही है। रावला भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित है। इस संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में किसी भी विदेशी नागरिक को बिना पूर्व अनुमति के प्रवेश की इजाजत नहीं है। इसी कारण पुलिस सभी पहलुओं से दोनों से पूछताछ कर रही है।सूत्रों के अनुसार, युवक और युवती रावला क्षेत्र में रह रहे अपने किसी दोस्त के घर आए हुए थे और आज नगर कीर्तन में शामिल हो गए थे। पुलिस अब उनके रावला आने के उद्देश्य और अनुमति संबंधी दस्तावेजों की जांच कर रही है। बिना वैध वीजा और जरूरी दस्तावेजों के बीकानेर में रह रही दो विदेशी महिलाओं को पुलिस ने पकड़ा है। दोनों महिलाएं कोटगेट थाना क्षेत्र में एक किराए के मकान में रह रही थीं, लेकिन उनके पास अनिवार्य सी-फॉर्म और अन्य वैध दस्तावेज नहीं मिले।

विदेशों में दवा रजिस्ट्रेशन के नाम पर अजमेर की फार्मा कंपनी से 1.5 लाख यूरो की ठगी

- सात देशों में पंजीकरण का झांसा, पुलिस जांच में जुटी

अजमेर । क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में विदेशों में दवा निर्यात के लिए अनिवार्य रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का हवाला देकर अजमेर की एक फार्मा कंपनी के डायरेक्टर से बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। पंचशील क्षेत्र स्थित मेलिरोन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर से सात देशों में 11 उत्पादों का रजिस्ट्रेशन कराने के नाम पर 1.5 लाख यूरो हड़पने का आरोप लगाया गया है।

पीड़ित की शिकायत पर क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सागर विहार कॉलोनी निवासी दिनेश ने रिपोर्ट में बताया कि उनकी कंपनी अफ्रीकी देशों में दवाओं की आपूर्ति करती है, जहां नियमानुसार उत्पाद बिक्री से पहले स्थानीय रेगुलेटरी रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होता है।

वर्ष 2023 में सेनेगल स्थित कंपनी फार्मा डिस अफ्रीका के एजेंट सौलेमाने म्बेंगुए ने संपर्क कर बुर्किना फासो, माली, नाइजर, कांगो ब्रजाविल, आइवरी कोस्ट, सेनेगल सहित अन्य देशों में तय समय में रजिस्ट्रेशन कराने का भरोसा दिलाया। इसके बदले दस्तावेज और फीस के नाम पर बैंकिंग चैनल से अलग-अलग किश्तों में एक लाख पांच हजार यूरो जमा करवा लिए गए। आरोप है कि करीब 18 महीने बीतने के बाद भी किसी भी देश में एक भी उत्पाद का रजिस्ट्रेशन नहीं कराया गया।

बोर्ड एग्जाम से पहले 100 से ज्यादा प्रिंसिपल का ट्रांसफर

शिक्षा विभाग ने 2 दो लिस्ट जारी की, अधिकांश का जिला बदला

- अधिकारियों को बीच सत्र में स्कूल छोड़कर अन्यत्र जाना पड़ा
- मंगलवार को निदेशक ने लिस्ट को जारी
- ट्रांसफर के बाद सिफारिश के दम पर कई शिक्षकों ने अपना तबादला कैंसिल करवा लिया है, वहीं कुछ को शिकायत के आधार पर इधर-उधर किया गया है।

बीकानेर । माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की दसवीं और बारहवीं क्लास के फाइनल एग्जाम 12 फरवरी से शुरू होने वाले है, इससे ठ्ठीक एक महीने पहले शिक्षा विभाग ने सौ से ज्यादा प्रिंसिपल के ट्रांसफर कर दिए हैं और करीब इतने ही प्रिंसिपल की लिस्ट अभी आनी शेष है। करीब दो महीने पहले हुए ट्रांसफर के बाद सिफारिश के दम पर कई शिक्षकों ने अपना तबादला कैंसिल करवा लिया है, वहीं कई प्रिंसिपल को शिकायत के आधार पर इधर-उधर किया गया है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट की ओर से जारी ये लिस्ट भी करीब एक महीने पहले ही शिक्षा निदेशालय से जयपुर सचिवालय पहुंच गई थी। इसके बाद 5 जनवरी को सचिवालय ने निदेशालय को ट्रांसफर की स्वीकृति दी। मंगलवार को निदेशक ने इस आशय की लिस्ट को जारी कर दिया। ये 2 लिस्ट है। एक में 39 प्रिंसिपल के नाम है, जबकि दूसरी लिस्ट में 78 प्रिंसिपल को इधर से उधर किया गया है। हालांकि इन 117 प्रिंसिपल के बाद भी बड़ी संख्या में प्रिंसिपल अपने ट्रांसफर की कवायद में जुटे हुए हैं।

लिस्ट की खास बात ये है कि इसमें 50 फीसदी से ज्यादा ट्रांसफर तो एक से दूसरे जिले में ही किए गए हैं। वहीं अधिकांश के ट्रांसफर उनके आवेदन पर हुए हैं, ऐसे में उन्हें टीए और डीए देय नहीं होगा। वहीं कुछ को ट्रांसफर होने पर टीए और डीए देय है, यानी उन्होंने ट्रांसफर के लिए आवेदन नहीं किया था। ऐसे में ऐसे अधिकारियों को बीच सत्र में स्कूल छोड़कर अन्यत्र जाना पड़ा है। जानकारी के अनुसार, जो प्रिंसिपल 31 जनवरी को रिटायर हो रहे हैं, उनकी पोस्ट पर एडवांस में ही दूसरे प्रिंसिपल का ट्रांसफर कर दिया गया है। ऐसे ट्रांसफर के आगे आदेश एक फरवरी से प्रभावी होने का रिमार्क लिखा गया है। ऐसे 5 से ज्यादा प्रिंसिपल के ट्रांसफर हैं। ट्रांसफर का सारा काम जयपुर स्थित शिक्षा संकुल से हुआ है, जबकि बीकानेर ये फाइल सिर्फ हस्ताक्षर के लिए ही आई। निदेशालय स्तर पर सिर्फ ये देखा गया कि लिस्ट में कोई खामी तो नहीं है। इस बार भी संबंधित अनुभाग से सिर्फ लिस्ट चैक ही करवाई गई। निदेशालय ने भी आदेश में साफ लिखा है कि राज्य सरकार से मिले पत्र के आधार पर ट्रांसफर किया जा रहा है।

फलोदी में जमीन विवाद में फायरिंग

जोधपुर, (कासं) । फलोदी क्षेत्र के रिण मलार में भूमि विवाद को लेकर फायरिंग की घटना सामने आई है। हमलावरों ने पीड़ित को जमीन की पैमाइश के बहाने बुलाकर हमला किया। पीड़ित ने समय रहते दरवाजा बंद कर लिया, जिससे बंदूक के छर्रे उसके हाथों में लगे और उसकी जान बच गई। घटना में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया।

अस्पताल में भर्ती युसुफ खान ने पुलिस को बताया कि मलार रिण क्षेत्र में हाफिज मार्केट के पीछे उनकी लगभग 50 बीघा जमीन है। इसी जमीन की पैमाइश को लेकर पड़ोसी अजीज ने उन्हें बातचीत के लिए बुलाया था। युसुफ खान अपने साथ इमामद्दीन, फारुख खान और हसन को लेकर अजीज की फैक्ट्री पहुंचे। पीड़ित के अनुसार, कुछ ही देर बाद कई कारों, जेसीबी और दो ट्रैक्टरों में सवार करीब 20 से 25 लोग हथियारों के साथ मौके पर पहुंच गए। इनमें कासम खान, फहीम, मकसूद, असलम उर्फ कालू, सलीम, रायदाम सहित अन्य लोग शामिल थे। हमलावरों ने पहले उनकी गाड़ी को पलटकर क्षितठास्त किया और मारपीट शुरू कर दी।

निवेशकों के करोड़ों रूपये डकारने वाला गिरफ्तार

आरोपी अब्दुल समद

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। गांधीनगर थाना पुलिस ने काफी समय से फरारी काट रहे वीआईपी ट्रेड घोटाले के मुख्य आरोपी को निम्बाहेड़ा से गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी गांधीनगर निवासी अब्दुल समद (63) पुत्र अनवर है। आरोपी अब्दुल समद व लोकेश चौधरी के खिलाफ गांधीनगर थाना व मदनगंज थाना में 30 पीड़ितों ने लगभग 80 करोड़ रूपये को लेकर मुकदमे दर्ज करा रखे है। थाना इंचार्ज संजय शर्मा ने बताया की पहले ही पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हरमाडा निवासी लोकेश चौधरी व अब्दुल समद ने वीआईपी ट्रेड कम्पनी के जरिये 10 माह में दो-तीन गुणा राशि देने का प्रलभोन देना शुरू कर दिया। कुछ लोगों द्वारा जिंदगी भर की कमाई इनके हवाले करने का सिलसिला शुरू हो गया, शुरूआती दौर में जमा रकम का बड़ा मुनाफा भी वितरण किया जाने लगा। लालच में आये निवेशकों की संख्या बढ़ती रही। पांच सितारा होटलों में सेमिनार करने के साथ बेशकीमती जमीने दिखाकर निवेशक इनके झांसे में फंसते गये और करोड़ों रूपये निवेश कर दिया। इस बीच सुनियोजित षड्यंत्र के तहत भुगतान में देरी होनी शुरू हो गई। मामले की नजाकत को भांप तकाजा बढ़ता हुआ देख लोकेश चौधरी व अब्दुल समद फरार हो गये। गांधीनगर थाना पुलिस ने काफी मशकक्त के बाद लोकेश चौधरी को पहले ही गिरफ्तार कर अदालत के आदेशानुसार जेल भेज दिया, जबकि मुख्य आरोपी चिकित्सा विभाग से सेवानिवृत अब्दुल समद को मंगलवार को धरदबोचा। इससे पहले लोकेश चौधरी, धीरज गहानी, बलवीर वैष्णव, हिदायत अली, नरेंद्र चौधरी व कैलाश चौधरी गिरफ्तार हो चुके है। पुलिस टीम में हैंड कॉस्टेबल सांवरलाल, प्रेमचंद मीणा, कांस्टेबल राजूराम गुर्जर, कालूराम मीणा व सिताराम शामिल रहे

साइबर फ्रॉड करने वाला गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं) । शहर की उदयमंदिर पुलिस ने एक साइबर फ्रॉड के केस में एक आरोपी को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ गत साल सितंबर में फ्रॉड का केस दर्ज हुआ था। एक मिठाई की दुकान में काम करने वाले युवक से यह ठगी हुई थी।

उदयमंदिर थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि नई सड़क पर एक मिठाई की दुकान में काम करने वाले अनोप सामंता की तरफ से गत 23 सितंबर को रिपोर्ट दी गई थी। उसने रिपोर्ट में बताया कि उसके पास में किसी शख्स ने दोस्त बनकर कॉल किया और मां के इलाज के नाम पर खाते में 40 हजार के आसपास रकम को डलवा दिया था। मगर बाद में पता लगा कि उसके साथ धोखा हुआ है। थानाधिकारी खोजा ने बताया कि प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की गई। इस पर अब एक आरोपी मध्यप्रदेश के अन्नासागर, गोविंदपुरा भोपाल निवासी आकाश पुत्र दिनेश बलाई को गिरफ्तार कर जोधपुर लाया गया है।

मजदूर महापंचायत आयोजित

कोटा । ब्यावर स्थित निजी होटल में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस की 24वें महा-अधिवेशन मजदूर महापंचायत में राजस्थान इंटक की प्रदेश कार्यसमिति बैङ्गक प्रदेश अध्यक्ष जगदीश राज श्रीमाली की अध्यक्षता में एवं केंद्रीय इंटक द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक झारखंड इंटक के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडे के मुख्य अतिथि में संपन्न हुई। बैङ्गक में 21 प्रस्ताव लिए गए जो महासम्मेलन में प्रतिनिधि सभा द्वारा अनुमोदन पश्चात केंद्र सरकार व राज्य सरकार को भेजे जाएंगे। इस अवसर पर श्रीमाली ने कहा कि 21वां अधिवेशन जयपुर में, 22वां अधिवेशन ब्रह्माकुमारी में, 23वां अधिवेशन उदयपुर में और 3 जनवरी को 24 वां अधिवेशन औद्योगिक ब्यावर में शुभारंभ हुआ।

शिक्षा निदेशालय में मारपीट पर 15 कर्मचारी तलब

- केंटीन के पास प्रदर्शन पर भी सवाल

बीकानेर । यहां शिक्षा निदेशालय परिसर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के साथ मारपीट और सोशल मीडिया कमेंट के मामले में जांच तेज हो गई है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक के आदेश पर संयुक्त निदेशक ने इस मामले से जुड़े 15 कर्मचारियों को नोटिस जारी कर दोपहर में तलब किया है। संयुक्त निदेशक जयदीप ने प्रारम्भिक और माध्यमिक शिक्षा से जुड़े कर्मचारियों को अलग अलग नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में 24 दिसंबर 2025 की दोपहर सहायक प्रशासनिक अधिकारी और समाज शिक्षा के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के बीच हुई गाली गलौच और मारपीट की घटना को लेकर जानकारी और साक्ष्य मांगे गए हैं।

सभी कर्मचारियों को दोपहर 2 बजे माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। उनसे पूछा जाएगा कि घटना के समय उन्होंने क्या देखा, क्या सुना और उनके पास क्या साक्ष्य हैं। जांच के दौरान केंटीन के पास कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रदर्शन को भी शामिल किया गया है।

ज्ञापन देने वाले कर्मचारियों से भी इस संबंध में पूछताछ की जा रही है। तलब किए गए कर्मचारियों में अधिकांश कर्मचारी नेता शामिल हैं। प्रारम्भिक शिक्षा में जिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोस्वामी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी जितेंद्र पडिहार, अनिल कुमार पुरोहित, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी उमेश आचार्य, मनीष कुमार रंगा और राजेश व्यास को नोटिस जारी कर बुलाया गया है।

कोहरे और शीतलहर से अजमेर ठिठुरा, यातायात प्रभावित

अजमेर । पिछले दिनों हुई बारिश के बाद अजमेर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में ठंड ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है।

मंगलवार सुबह शहर घने कोहरे और शीतलहर की चपेट में रहा। गलन भरी ठंड ने जनजीवन को खासा प्रभावित किया। शहर के प्रमुख मार्गों, रेलवे स्टेशन और रेल पटरियों के आसपास इतनी घनी धुंध छाई रही कि कुछ दूरी पर इमारतें, संकेतक और वाहन नजर नहीं आ रहे थे।

कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम हो गई, जिससे दोपहिया और चौपहिया वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर धीमी गति से वाहन चलाने पड़े। कई स्थानों पर सुबह के समय यातायात रेंगता नजर आया। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ दिनों तक इसी तरह का मौसम बने रहने और तापमान में और गिरावट की संभावना है।

कोहरे के कारण ब्रेकिंग डिस्टेंस बढ़ने से दुर्घटना की आशंका बनी रही। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से सावधानी बरतने की अपील की है। सुबह और शाम के व्यस्त समय में प्रमुख चौराहों पर हल्का जाम भी देखने को मिला।

ठंड का असर बाजारों पर भी पड़ा। नया बाजार, केसरगंज और दरगाह बाजार जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में दुकानों के खुलने में देरी रही। व्यापारियों के अनुसार ठंड और कोहरे के कारण ठााहक देर से घरों से निकल रहे हैं, जिससे सुबह की बिक्री प्रभावित हो रही है । अस्पतालों में बढ़े मरीज-ठंड बढ़ने के साथ ही अस्पतालों में सर्दी-जुकाम, खांसी और श्वसन संबंधी रोगों के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। चिकित्सकों ने बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

स्मैक तस्करी के दो आरोपी पकड़े

कोटा । नशे के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन गरूड़व्यूह के तहत उद्योग नगर पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्यवाही करते हुए एक लग्जरी कार से अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित महिला और एक आरोपी पुरूष को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों के पास से पुलिस टीम अवैध मादक पदार्थ 72.47 ग्राम स्मैक एवं 9 लाख 75 हजार नकद राशि बरामद की है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये ऑपरेशन गरूड्व्यूह अभियान चलाया जा रहा है।

शहर एसपी ने बताया कि उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह मय जाप्ता दांई मुख्य नहर फोरलेन के स्लीपलेन उम्मेदगंज रोड़ पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस की नाकाबंदी को देखकर एक कार चालक ने अचानक से ब्रेक लगाये और कार को वापस फोरलेन की तरफ घुमाया, मौके पर मौजूद पुलिस टीम को संदेह होने पर पुलिस टीम ने कार का पीछा कर आगे घेराबंदी कर कार को रूकवाया।

वन क्षेत्र में पेड़ काटने के मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

माण्डलगढ़ में वन क्षेत्र में पेड़ काटने के आरोप में 5 आरोपियों को वन विभाग ने पकड़ा हैं।

- 2.10 लाख की जुर्माना राशि वसूल की
- राजस्व भूमि में लम्बे समय से पेड़ काट कर मोटी कमाई कर रहा था गिरोह
- लकड़ियों से मिली राशि को मौज मस्ती में उड़ा रहे थे वन तस्कर

माण्डलगढ़ । माण्डलगढ़ में मोहनपुरा वन खण्ड में स्थित सतबड़ी आरक्षित वन क्षेत्र में खैर पेडों की अवैध कटान करने वालों पर वन विभाग ने शिकंजा कसते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। वन विभाग द्वारा अवैध पेड कटान एवं अवैध खनन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत माण्डलगढ़ के क्षेत्रीय वन अधिकारी मनेन्द्र पाल सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने वनपाल नाका मोहनपूरा में दबिश देकर खैर के पेडों की अवैध कटाई में लिप्त पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। वन विभाग ने गिरफ्तार तस्करों से 2.10 लाख का जुर्माना वसूला है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय तस्करों में हडकंप मच गया है। वन विभाग ने जंगल से लकडी काट कर बेचने ओर खरीददार को शिकंजे में लेकर कड़ाई से पूछताछ की। तस्करों ने अपना जुर्म स्वीकार किया हैं।

क्षेत्रीय वन अधिकारी विमल रैगर बिजौलिया ने बताया कि आरक्षित वनखंड सतबडी में 1 जनवरी को रात अंधेरे का फायदा उठाकर 2 कीमती खैर के पेड अवैध रूप से काटे गए थे। सूचना मिलते ही वन विभाग हरकत में आया और गहन जांच ओर मुखबिरी तंत्र से सुराग हाथ लगने के बाद मंगलवार को इस कार्रवाई को अंजाम देकर आरोपियों तक टीम पहुंची हैं। दिया। वन विभाग की टीम ने लकडी के खरीददार मोहम्मद आजम पिता मुबारिक निवासी बीगोद, वन क्षेत्र से अवैध पेड कटाई के आरोप में बाबू पिता फोरू दरोगा. रोशन पिता रामप्रसाद दरोगा, ईश्वर पिता उदा दरोगा एवं सोराज पिता गोपी मीणा निवासी मोहनपूरा को राजस्थान वन अधिनियम की धारा 1953 के तहत गिरफ्तार किया हैं।

वन विभाग ने पांचों आरोपियों से खैर के पेड काटने व तस्करी के मामले में 2 लाख 10 हजार राशि का जुर्माना वसूला किया हैं। माण्डलगढ़ रेंजर मनिंदरपाल सिंह ने कहा कि आरक्षित वन क्षेत्रों में अवैध पेड़ कटान किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा।

कैटरिंग स्टॉल का उद्घाटन

कोटा । रेल यात्रियों की सुविधा, स्वच्छता एवं बेहतर सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कोटा मंडल द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना एवं स्टेशन पुनर्विकास कार्यों के अंतर्गत यात्री सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में ई-टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से आवंटित कैटरिंग स्टॉलों का उद्घाटन किया गया। इन कैटरिंग स्टॉलों का उद्घाटन एक यात्री बालक द्वारा किया गया, जो रेलवे की यात्री-केंद्रित एवं मानवीय सोच को दर्शाता है। इस अवसर पर वरिष्ठ्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन एवं मंडल वाणिज्य प्रबंधक किशोर कुमार पटेल उपस्थित रहे। यात्रियों की दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कोटा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कुल 12 कैटरिंग स्टॉलों का आवंटन किया गया है। इनमें कोटा स्टेशन पर 5, सवाई माधोपुर स्टेशन पर 2, भरतपुर स्टेशन पर 1, रामगंजमंडी स्टेशन पर 1, भवानीमंडी स्टेशन पर 2 तथा बूंदी स्टेशन पर 1 कैटरिंग स्टॉल शामिल है। इन स्टॉलों के माध्यम से प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण एवं सुविधाजनक खानपान सेवा उपलब्ध होगी।

कार्यालय नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर (राज.)
Ph. 01422-272066 Email- shahpura.jaipur@gmail.com
क्रमांक :-न0प0शा0 / 2025-26 / 850 दिनांक :- 02.01.2026
निविदा सुचना वर्ष 2025-26
नगर परिषद शाहपुरा जयपुर द्वारा निम्नानुसार कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है विस्तुत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर कार्यालय समय सूचना बोर्ड पर देखा जा सकता है।

NIB CODE	SPPP UBN
DLB2526A9805	DLB2526WSOB29179, DLB2526WSOB29181, DLB2526WSOB29182, DLB2526WSOB29184

आयुक्त
नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर
राज.संवाद / सी / 25 / 17169

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- अ.अ./जोविप्रा/जोन-एमपीएमएलए लैड/2025-26/राजकाज 19759384 दिनांक :- 06/01/2026
ई-निविदा सूचना संख्या :- 07 जोन-MLALAD/2025-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत ठेकेदार से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद एवं ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। NIB CODE:- JOD2526A0228
UBN No. :- JOD2526WSOB00510
राज.संवाद/सी/25/17197 अधिशाषी अभियंता (MP-MLALAD)

DIRECTOR WORKS (EO)
Rajasthan University Of Veterinary & Animal Science, Bikaner
क्रमांक : F( )/DW(EO)/RAJUVAS/2025-26/923 - 933 दिनांक :- 05/01/2026
निविदा सूचना संख्या 08 वर्ष 2025-2026
राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदको से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.rajuvas.org, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। UBN No.: VAU2526WLOB00094
राज.संवाद/सी/25/17203 भू-सम्पदा अधिकारी

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक / निर्माण / 2025-26 / 141 दिनांक 05.01.2026
ई- निविदा-सूचना सं0 171/2025-26
नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत 35.00 लाख
UBN Number DLB2526WSOB29390
आयुक्त
नगर निगम, बीकानेर
राज.संवाद / सी / 25 / 17179

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स.0294-2414165, 2421255, 2420013 Helpline no. 0294 2426262 ई.मेल commudr@gmail.com, garage.umc21@gmail.com
क्रमांकः- गैराज / ननिउ / 2025-26 / 1107 दिनांक :- 05.01.2026
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 09 /2025-2026
नगर निगम के विभिन्न कार्यो हेतु ट्रेक्टर मय वाटर टेंकर एक वर्ष के लिए उपलब्ध कराने का कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसकी अनुमानित लागत 25.00 लाख रू. है। बिड से संबंधित विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदा की प्रारंभ तिथि 06.01.2026, अंतिम तिथि 13.01.2026 एवं निविदा खुलने की तिथि 14.01.2026 है।
UBN NO. UNP2526GLRC00130
अधिशाषी अभियन्ता (यांत्रिक) नगर निगम उदयपुर
आयुक्त नगर निगम उदयपुर
राज.संवाद / सी / 25 / 17185

गरीब को रोजगार और गांव का विकास भाजपा का लक्ष्य : मदन राठौड़

गरीब के 1 रूपए के हक में से 85 पैसे खाने वाले मचा रहे है हाय-तौबा : मदन राठौड़

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस के सांसदों के द्वारा सांसद निधि को हरियाणा में खर्च करने के मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ व भाजपा के राष्ट्रीय आईटी संयोजक अमित मालवीय दोनों के बयान एक दूसरे के विरोधाभासी है। वही प्रदेश में भाजपा की सरकार के द्वारा सोमवार को गृह राज्य मंत्री जवाहर मैडम के

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बीबी राम जी के मामले में प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

- **प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का कहना है कि सांसद निधि कहीं भी दे सकते हैं जबकि आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय का कहना है कि सांसद निधि कही भी नहीं दे सकते**

द्वारा कांग्रेस के सांसदों के द्वारा सांसद निधि को खर्च करने पर एक बयान दिलाया गया। जिसमें कहलवाया गया कि यह गलत है लेकिन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सांसद निधि को हरियाणा में खर्च करने के मामले गलत नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि वे भी एक सांसद है और अपनी सांसद निधि को कहीं भी खर्च कर सकते हैं।

वही भाजपा के राष्ट्रीय आईटी के संयोजक अमित मालवीय सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस से बड़ी कोई धोखेबाज़ पार्टी नहीं हो सकती। इस बार निशाने पर हैं राजस्थान के लोग। राजस्थान के करदाताओं के पैसे का खुला दुरुपयोग करते हुए कांग्रेस के तीन सांसद - संजना जाटव (भरतपुर), राहुल कसवां (चूरू) और बृजेंद्र सिंह ओला (झुंझुनूं) ने अपने एमपीएलएडी फंड हरियाणा के कैथल विधानसभा क्षेत्र में खर्च करने की सिफारिश की है, जो कि कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के बेटे का निर्वाचन क्षेत्र है। यह सब केवल पिछले 3-4 महीनों में हुआ है।

यह विकास नहीं,यह वंशवाद और जनता के पैसे की खुली लूट है। राजस्थान के लोगों का पैसा सुरजेवाला जूनियर को हरियाणा में क्यों दिया जा रहा है?

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बीबी राम जी के मामले में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पत्रकारों के सवाल पर कहा था कि सांसद कहीं भी अपने सांसद निधि का उपयोग कर सकते हैं हालांकि भाजपा की ओर से प्रेस नोट जारी हुआ जिसमें कहीं भी राठौड़ की इस बात का जिक्र नही किया।

विपक्ष द्वारा विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (वीबी-जी रामजी) के नाम को लेकर किए जा रहे विरोध पर कड़ी प्रतिकिया दी। राठौड़ ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस को राम नाम से ही आपत्ति है, भाजपा ने रोजगार और आजीविका मिशन में विकसित भारत जोड़ते हुए नया कानून बनाया, तो इसमें विपक्ष को ऐतराज नहीं होना चाहिए। योजनाओं के नाम तो कांग्रेसियों ने स्वयं ने बदला और अपने एक ही परिवार के लोगों को खुश करने के लिए उनके नाम से योजनाएं शुरू कर दी। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम योजना का नाम राजीव गांधी ने जवाहर रोजगार योजना किया, फिर मनमोहन सरकार ने नरेगा और मनरेगा किया। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने आवास योजना का नाम ग्रामीण आवास योजना से बदल कर इंदिरा आवास योजना कर दिया, ग्रामीण विद्युतीकरण योजना का नाम राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना कर दिया, इन्होंने हर योजना में गांधी-नेहरू परिवार का नाम जोड़ने का काम किया, करीबन 600 योजनाओं के नाम इन कांग्रेसियों ने बदले, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी भी योजना का नाम अपने या किसी के नाम पर जोड़ने की बजाए सेवा, सनातन से जोड़ने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजभवन को लोकभवन, राजपथ को कर्तव्य पथ, रेसकोर्स रोड को लोक कल्याण मार्ग और प्रधानमंत्री कार्यालय को सेवा तीर्थ नाम करने का काम किया है। मोदी ने भारतीय दंड संहिता को भारतीय न्याय संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता करने का काम किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि वीबी-जी रामजी के माध्यम से 125 दिन की रोजगार गारंटी मिलेगी, वहीं पहले 100 दिन की मिलती थी। अब ग्राम सभा गांव के विकास के लिए काम को तय करेगी और उसके आधार पर जल संरक्षण संबंधित कार्य, बुनियादी ढ़ांचा विकसित करने, आजीविका सरंचना निर्माण और आपदा से लड़ने की तेयारियों के काम किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का किया निरीक्षण

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 के माध्यम से आमजन की परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्तर पर इसकी नियमित रूप से मॉनिटरिंग भी की जाती है। इसी कडी में शर्मा मंगलवार को शासन सचिवालय परिसर स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पहुंचे और परिवादियों से बात कर अधिकारियों को उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु निर्देश दिए। शर्मा से जोधपुर जिले के ग्राम सुराणी निवासी छगनलाल ने उनके गांव में विद्युत वोल्टेज की समस्या का जिक्र करते हुए ट्रांसफॉर्मर लगाने का निवेदन किया। इस संबंध में मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने ट्रांसफार्मर लगा दिया है। साथ ही, विद्युत

- **शिकायतों का हुआ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, आमजन को मिली त्वरित राहत**

आपूर्ति भी शुरू हो चुकी है।

करौली जिले के नादौती के ग्राम बरदाला निवासी नवल किशोर शर्मा ने मुख्यमंत्री से हैंडपंप के संबंध में निवेदन किया। जिस पर मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को परिवाद के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। देर शाम तक परिवादी के नजदीकी स्थान पर पीएचईडी अभियंताओं ने हैंडपंप को दुरुस्त कर पुन: शुरू कर दिया।

आसींद, भीलवाड़ा के ग्राम बाराखेड़ा निवासी विष्णु ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी में लंबित भुगतान के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उनकी समस्या को भारत सरकार के अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली, परिवादी की शिकायत पंजीकरण तथा फॉलो-अप प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया।राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन राज्य सरकार और आमजन के बीच संवाद का एक प्रभावी माध्यम है। इसके माध्यम से प्रत्येक नागरिक अपनी परिवेदना राज्य सरकार तक पहुंचा सकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि सेंटर में दर्ज प्रत्येक समस्या का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान हो जिससे नागरिकों को संतुष्टि मिले।

प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचने वाला युवक गिरफ्तार

जयपुर। गलता गेट पुलिस ने जनहानि का कारण बन रहे प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री और उपयोग पर रोक लगाने के लिए कार्रवाई करते हुए चाइनीज मांझा बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने चाइनीज मांझे के पांच गट्टे बरामद कर जब्त किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि खतरनाक और जनहानि कारित करने वाले मांझे के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इस संबंध में निषेधाज्ञा जारी कर आमजन को सचेत किया गया था। इसके चलते गलता गेट थाना क्षेत्र में खतरनाक प्लास्टिक युक्त चाइनीज मांझे की बिक्री और उपयोग से मानव जीवन, पशु-पक्षियों को होने वाले नुकसान को लेकर सतत निगरानी रखी जा रही थी।

अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। गलता गेट थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है और साथ ही उसके पास से 04.24 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक भी बरामद की है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि गलता गेट थाना पुलिस ने जयपुर शहर में चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाली महिला तस्कर श्यामा देवी (57) निवासी दिल्ली बाईपास रोड गलता गेट जयपुर को गिरफ्तार किया गया। साथ ही आरोपी के कब्जे से 04.24 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद कर जब्त की गई। पुलिस आरोपित महिला तस्कर अवैध मादक पदार्थ स्मैक की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

भाषा, अनुवाद, तकनीक और नवाचार पर वैश्विक संवाद

जयपुर। दक्षिण एशिया के अग्रणी बी2बी प्रकाशन मंच जयपुर बुकमार्क (जेबीएम) का 13वाँ संस्करण 15 से 19 जनवरी 2026 के बीच जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल के साथ आयोजित किया जाएगा। यह मंच भारत और दुनिया भर से प्रकाशकों, लेखकों, अनुवादकों, साहित्यिक एजेंटों, पुस्तकों के विक्रेताओं और प्रकाशन उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों को एक साथ लाता है, ताकि समकालीन प्रकाशन जगत में उभरते रुझानों, अंतरराष्ट्रीय सहयोगों और प्रकाशन-जगत के नये विचारों पर चर्चा की जा सके।

- **जेबीएम का 13वाँ संस्करण 15 से 19 जनवरी 2026 के बीच जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल के साथ आयोजित किया जाएगा**

आगामी संस्करण के बारे में बोलते हुए जयपुर बुकमार्क की निदेशक, मनीषा चौधरी ने कहा, जयपुर बुकमार्क 2026 का पूरा कार्यक्रम गहन सोच-विचार के साथ तैयार किया गया है जो प्रकाशन उद्योग की गतिशील और निरंतर विकसित होती प्रकृति को प्रतिबिंबित करता है। उभरते रुझानों और नई कथात्मक विधाओं की पड़ताल से लेकर भारतीय भाषाओं में प्रकाशन का उत्सव मनाने और तकनीक के प्रभाव को समझने तक-इस वर्ष का संस्करण सभी प्रतिभागियों को प्रेरित करने, जानकारी प्रदान करने और सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल की सह-संस्थापक एवं सह-निदेशक तथा जयपुर बुकमार्क की निदेशक नमिता गोखले ने कहाजयपुर बुकमार्क की स्थापना 2014 में प्रकाशन के मूल्यों का उत्सव मनाने और पुस्तक व्यापार के पेशेवर पहलुओं से संवाद के उद्देश्य से की गई थी। कथाओं और संस्कृति के संरक्षक के रूप में प्रकाशन उद्योग साहित्य तथा विचारों की अभिव्यक्ति और प्रसार की बुनियाद बना हुआ है। हम भाषाओं और मंचों के पार प्रकाशन की दुनिया का एक समुदाय बना रहे हैं, जो नई और पारंपरिक-दोनों तकनीकों के माध्यम से अपनी कहानियाँ साझा कर रहा है।

जयपुर बुकमार्क एक समृद्ध और व्यापक कार्यक्रम प्रस्तुत करेगा, जो वैश्विक प्रकाशन परिदृश्य में हो रहे परिवर्तनों को दर्शाता है। सम्मेलन का उद्घाटन प्रख्यात कवि, सांस्कृतिक विचारक और क्यूरेटर रणजीत होस्कोटे के भाषण से होगा, जो बौद्धिक विमर्श की दिशा तय करेगा।

'इल्यूमिनेटिंग ट्रांसलेशंस' सत्र में कनिष्क गुप्ता, पुरस्कार-विजेता अनुवादक दीपा भस्थी और संपादक मौतुशी मुखर्जी बानू मुश्ताक के बुकर पुरस्कार-विजेता संग्रह हार्ट लैम्प (दीपा भस्थी द्वारा अनूदित) के संदर्भ में अनुवाद और पुस्तक-विविधता की संभावनाओं पर संवाद करेंगी।

कुरैशी समाज की नो दहेज, नो गार्डन मुहिम का दिख रहा असर

जयपुर। कुरैशी समाज की ओर से शुरू की गई नो दहेज, नो डिनर, नो गार्डन मुहिम का असर राजस्थान के विभिन्न शहरों में नजर आ रहा है। वहीं इस मुहिम में अब इस्लाहे मआशरा कमेटी ने बागडोर संभाली है और कदम आगे बढ़ाते हुए अपना अहम रोल अदा कर रही है।

इस मुहिम का आगाज राजधानी जयपुर से वरिष्ठ समाजसेवी एवं बिजनेसमैन झोटवाड़ा निवासी छुट्टन कुरैशी ने अपनी पुत्री एवं ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष नईम कुरैशी के लड़के की सादगी के साथ संपन्न हुई निकाह की रस्म अदायगी से 24 दिसम्बर 2024 झोटवाड़ा से हुई थी। जिसमें बिजनेसमैन छुट्टन कुरैशी ने अपनी पुत्री आलिमा का निकाह नईम कुरैशी के लड़के के साथ झोटवाड़ा की नूरानी मस्जिद में सादगी के साथ कराया था। इस कार्यक्रम में ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिराज अहमद कुरैशी सहित समाज के कई वरिष्ठजन शामिल हुए थे। सादगी के साथ संपन्न हुए इस निकाह अदायगी रस्म की सभी ने प्रशंसा की। तत्पश्चात

- **मस्जिद कुरैशियान में सादगी के साथ हुई निकाह की रस्म अदायगी**

जयपुर सहित राजस्थान के विभिन्न शहरों में इस प्रकार के आयोजनों का शुभारंभ हुआ। इसी कड़ी में अब मंगलवार 6 जनवरी को झोटवाड़ा निवासी मेराज कुरैशी के पुत्र सोहेल का निकाह एमडी रोड निवासी नासिर कुरैशी की लड़की अंजुम के साथ मस्जिद कुरैशियान में सादगी के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर सभी आगंतुकों को खिजूर पेश की गई।

इसी सिलसिले की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए 8 जनवरी 2026 को झोटवाड़ा निवासी मेराज कुरैशी की पुत्री शहनाज का निकाह रामनगर, शास्त्री नगर निवासी जहीरूद्दीन के पुत्र जुनैद के साथ झोटवाड़ा स्थित नूरानी मस्जिद में बाद नमाजे जोहर दोपहर करीब ढाई बजे शरीयत के मुताबिक होगा। इस दौरान निकाह की रस्म सादगी के साथ अदा की जाएगी और सभी आगंतुकों को खिजूर पेश की जाएगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की

जयपुर। इस दौरान राजस्थान की दो अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, उत्तरी जयपुर रिंग रोड (99.35 किमी) एवं जयपुर से अमृतसर तथा जामनगर कॉरिडोर (394 किमी) के क्रियान्वयन पर चर्चा हुई।

साथ ही वर्षों से लम्बित भिवाड़ी

- **इस अवसर पर वन परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव , राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत जी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे**

में जल भराव की समस्या के समाधान पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव , राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत जी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

चेयरमैन डिस्कॉम्स ने डवलपरों एवं किसानों से किया संवाद

चेयरमैन डिस्कॉम सुआरती डोगरा ने सोलर पॉवर डवलपरों तथा किसानों से संवाद किया।

जयपुर। चेयरमैन डिस्कॉम सुआरती डोगरा ने मंगलवार को विद्युत भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में कुसुम योजना के अन्तर्गत सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित करने वाले सोलर पॉवर डवलपरों तथा किसानों से संवाद किया। इस दौरान जयपुर डिस्कॉम के सभी वृत्तों के अधीक्षण अभियन्ता वी.सी के माध्यम से जुड़े।

सुडोगरा ने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में कुसुम योजना के प्लांट स्थापित हैं वहां दिन के समय ट्रिपिंग न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। इससे प्लांट के एकाएक बंद होने तथा पुन: प्रारम्भ होने के दौरान जनरेशन की हानि को रोका जा सके। जहां तक संभव हो जीएसएस, फीडर अथवा लाइनों की नियमित मेंटेनेंस के कार्य को इस प्रकार सम्पादित किया जाए ताकि सौर ऊर्जा उत्पादन की हानि न्यूनतम हो। उन्होंने डवलपरों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय से उचित समन्वय किया जा सके।

बैठक में सोलर पॉवर जनरेटरों तथा किसानों ने डिस्कॉम्स चेयरमैन को अपनी समस्याएं बताईं। सुडोगरा ने संबंधित अभियन्ताओं को इन समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए।

प्रांतीय कार्यकारिणी का 36 घंटे का उपवास प्रारंभ

जयपुर। राज्य सरकार की संवाद हीनता एवं संवेदनहीनता के विरोध में आज अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य शहीद स्मारक पर 36 घंटे के उपवास पर बैठे एवं राज्य सरकार से महासंघ के सात संकल्पों एवं 11 सूत्री मांग पत्र पर सकारात्मक कार्यवाही की मांग की गई ।

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष महावीर शर्मा ने बताया कि अधिवेशन में बजट घोषणा के बाद भी राज्य सरकार द्वारा अधीनस्थ सेवाओं के कर्मचारियों का कैडर पुनर्गठन नहीं करने , वेतन विसंगति दूर नहीं करने, संविदा कार्मिकों का नियमितिकरण नहीं करने एवं पारदर्शी स्थानांतरण नीति जारी नहीं करने तथा पुरानी पेंशन से छेड़छाड़ करने के विरोध में संघर्ष को तेज करने का निर्णय किया गया , जिसके तहत प्रदेश में भर चरणबद्ध आंदोलन करते हुए आज शहीद स्मारक पर उपवास प्रारंभ किया गया।

इसके बाद भी यदि राज्य सरकार द्वारा मांगो पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई तो 12 जनवरी को राजधानी जयपुर में विशाल चेतावनी महारैली आयोजित की जाएगी ।

सार-समाचार

बॉलीवुड अभिनेता हीमैन धर्मेन्द्र को संगीतमय ट्रिब्यूट देंगे अनेक कलाकार

जयपुर। बॉलीवुड फिल्मों के ही मैन धर्मेन्द्र को समर्पित लाइव बैंड म्यूजिकल कार्यक्रम म्यूजिक दीवाने 10 जनवरी, शनिवार को शाम 5.30 बजे यहां महाराणा प्रताप सभागार में होगा। एएमजी जयपुर की ओर से होने वाले इस कार्यक्रम में अनेक चर्चित सिंगर्स मरहूम सुपरस्टार धर्मेन्द्र को संगीतमय ट्रिब्यूट देंगे। इस बारम्यूजिक दीवानेके मंच पर एएमजी जयपुर कुछ एकदम फ्रेश और उभरते हुए कलाकारों को लंबे समय की कड़ी रिहर्सल और मेहनत के बाद प्रस्तुत कर रहा है। जयपुर के कुछ जाने-पहचाने और अनुभवी कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियां भी दर्शकों के दिलों को छूएगी। एएमजी जयपुर के मेंटर्स केपी सक्सेना, गीतिका चतुर्वेदी एवं लक्ष्मण वाधवानी के मार्गदर्शन में सभी रिहर्सल पुरजोश रही हैं। संस्था संरक्षक राजीव कुमार, लक्की कपूर, उत्तम डुंडलोदिया एवं सुधीर शर्मा ने बताया किम्यूजिक दीवाने का अहम मकसद स्थानीय नए कलाकारों का आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें लाइव बैंड संगीत का अनुभव देना तथा भविष्य के सितारों को तैयार करना है। संस्था प्रेजिडेंट भारत जोशी ने बताया कि इस बार भी मेलोडियस सिंगिंग कार्यक्रम दर्शकों को लुभाएगा। संस्था फाउंडर अभिषेक माथुर ने बताया कि इस कार्यक्रम में संजय माथुर का ऑर्केस्ट्रा लाइव बैंड संगीतमय शाम को और भी खूबसूरत बनाएगा। केवल पास से ही कार्यक्रम में एंट्री होगी।

राष्ट्रीय पक्षी दिवस के पर युवाओं ने पक्षियों को बचाने की शपथ ली

जयपुर। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट पक्षी चिकित्सालय मालवीय नगर जयपुर में राष्ट्रीय पक्षी दिवस के अवसर पर युवाओं की एक सभा आयोजित हुई। इस अवसर पर पक्षी चिकित्सालय के संस्थापक कमल लोचन ने युवाओं से आव्हान किया कि पक्षी बचेंगे, पर्यावरण बचेगा तभी पृथ्वी बचेंगे। युवाओं ने इस अवसर पर पक्षियों को बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मकर संक्रांति पर पतंग की डोर से घायल होने वाले पक्षियों की मदद के लिए जयपुर में अलग-अलग स्थान पर 25 कैंप लगाने का निर्णय लिया गया द्य कमल लोचन ने बताया कि कोई भी व्यक्ति घायल पक्षियों को संस्थान के मालवीय नगर स्थित पक्षी चिकित्सालय में पहुंच कर सेवा कर सकते हैं। यहां पक्षियों का चिकित्सा रखना, खाना पीना सभी सुविधा निशुल्क है। युवाओं ने पक्षियों को बचाने की शपथ ली और आम शहरवासी से घायल बीमा पक्षियों को पहुंचाने की अपील की।

पुलिस दिवस का आयोजन 16 अप्रैल को

जयपुर। राजस्थान पुलिस द्वारा पुलिस दिवस 2026 का आयोजन 16 अप्रैल 2026 को राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर सहित समस्त रेंज एवं जिला मुख्यालयों पर किया जाएगा। कार्यक्रमों की श्रृंखला 15 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगी। पुलिस दिवस के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन के लिए विभिन्न समन्वय एवं आयोजन समितियों का गठन किया गया है। जो परेड, सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्विज प्रतियोगिता, बैंड प्रदर्शन, प्रचार-प्रसार एवं अतिथि प्रबंधन सहित सभी गतिविधियों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करेंगी। इस मौके पर राजस्थान पुलिस अनुशासन, सेवा और जन सुरक्षा के प्रति अपने अडिग संकल्प के साथ पुलिस दिवस का आयोजन कर पुलिस बल के योगदान को सम्मानित करेगी।

अवैध गांजे मय बाईक जब्त

जयपुर/उदयपुर। जिले के बैकरिया थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान बाइक सवार दो युवकों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से अवैध गांजा मय बाईक जब्त की। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक डूंगरसिंह के सुपरवीजन में बैकरिया थानाधिकारी उत्तमसिंह मय टीम ने नाकाबंदी के दौरान बाइक सवार दो युवकों को रोड़ तलाशी ली तो उनके पास रखे 5 किलों 400 ग्राम अवैध गांजा मिला। इस पर पूछताछ की तो बाइक चालक ने अपना नाम ईश्वरसिंह पुत्र भेरूसिंह निवासी प्रेमपुरा कुवारिया राजसमन्द तथा पिछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम ईश्वरसिंह पुत्र भुरसिंह निवासी प्रेमपुरा कुवारिया राजसमन्द निवासी होना बताया। इस पर दोनों को गिरफ्तार कर अवैध गांजा मय बाईक जब्त कर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

पीएम विद्यालयों को जारी राशि के व्यय की समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर। पीएम योजनांतर्गत संचालित पीएम विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों हेतु राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् की ओर से गत माहों में जारी की गई राशि के व्यय की समीक्षा के लिए मंगलवार

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् की ओर से गत माहों में जारी की गई राशि के व्यय की समीक्षा के लिए मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक का आयोजन किया ।

- **शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने बैठक में जुड़े सभी जिलों के प्रतिनिधियों को पीएम विद्यालयों में सभी गतिविधियां संचालित करने व आवंटित राशि का समयबद्ध रूप से पूर्ण व्यय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए**

को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक का आयोजन किया गया।

शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने बैठक में जुड़े सभी जिलों के प्रतिनिधियों को पीएम विद्यालयों में सभी गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित करने व आवंटित राशि का समयबद्ध रूप से पूर्ण व्यय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद मुख्यालय से राज्य परियोजना निदेशक व आयुक्त अनुपमा जोरवाल ने सभी जिला प्रतिनिधियों से व्यय में हो रही देरी के कारणों की जानकारी ली व बकाया व्यय समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

बैठक में परिषद मुख्यालय से उपायुक्त सुमन देवी, आकाशदीप अरोड़ा, निधि सिंह सहित संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

सभी जिलों के एडीपीसी, सीबीईओ, प्रभारी पीईईओ, पीएम विद्यालयों के संस्था प्रधान व अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

गौरतलब है कि मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने सोमवार को शिक्षा संकुल में शिक्षा अधिकारियों की बैठक लेकर पीएम विद्यालयों की स्थिति व उनमें संचालित गतिविधियों की जानकारी ली थी। मुख्य सचिव के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग पीएम विद्यालयों के गहन निरीक्षण की तैयारी कर रहा है।

ज्वेलरी शॉप से लाखों की पायलें चोरी

जयपुर। एयरपोर्ट थाना इलाके में स्थित एक ज्वेलरी शॉप से लाखों रुपए की चांदी की पायलें चोरी होने का मामला सामने आया है। ग्राहक बनकर आईं तीन अज्ञात महिलाओं ने ज्वेलर की नजर बचाकर पूरी ट्रे चोरी कर ली और मौके से फरार हो गईं। चोरी की यह वारदात शॉप में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

जांच अधिकारी पुलिस हेड कांस्टेबल गिर्राज प्रसाद ने बताया कि जवाहर सर्किल क्षेत्र निवासी नरेंद्र सोनी (31) ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी जगतपुरा बाजार में श्याम ज्वैलर्स नाम से दुकान है। जहां तीन महिलाएं ग्राहक बनकर दुकान पर आईं और चांदी की पायलें दिखाने को कहा और महिलाएं करीब आधे घंटे तक पायलें देखती रहीं। वे पायलों को एक ट्रे से दूसरी ट्रे में बदल-बदल कर अपने पैरों में पहनकर देखती रहीं। इसी दौरान शॉप पर मौजूद ज्वेलर रामजीलाल की नजर बचाकर तीनों महिलाओं ने चांदी की पायलों से भरी एक पूरी ट्रे अपनी शॉल में छिपा ली। इसके बाद एक पायल का डिजाइन पसंद करने का बहाना बनाकर वे दुकान से निकल गईं।

महिलाओं के जाने के बाद जब

- **ज्वेलर रामजीलाल की नजर बचाकर तीनों महिलाओं ने चांदी की पायलों से भरी एक पूरी ट्रे अपनी शॉल में छिपा ली। इसके बाद एक पायल का डिजाइन पसंद करने का बहाना बनाकर वे दुकान से निकल गई**

पायलें वापस रखी गईं तो एक ट्रे गायब मिली। इसके बाद शॉप में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, जिसमें तीनों महिलाओं की चोरी की करतूत साफ तौर पर रिकॉर्ड पाई गई। सूचना मिलने पर एयरपोर्ट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फुटेज अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार फिलहाल आरोपी महिलाओं की पहचान नहीं हो सकी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिला चोर गैंग की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान होते ही उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

कलेक्टर की आधी रात ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई

6 वाहनों को मौके पर ही सीज किया, जुर्माना वसूला

डीडवाना। सड़क सुरक्षा माह के तहत डीडवाना-कुचामन जिले में अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खडगावत के नेतृत्व में चली इस विशेष मुहिम में प्रशासन ने 37 वाहनों के चालान काटकर 9 लाख 23 हजार रुपये का जुर्माना वसूला, वहीं 6 वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया गया।

मैदान में उतरे खुद कलक्टर: रात 2 बजे तक टोल पर डटे रहे। अमूमन सरकारी कार्रवाई के निर्देश वातानुकूलित कमरों से जारी होते हैं, लेकिन इस बार नजारा बदला हुआ था। जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खडगावत और अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया खुद छापरी टोल प्लाजा पर मोर्चा संभाले नजर आए। कलक्टर को अचानक सड़क पर देखकर ओवरलोड वाहन चालकों और माफियाओं के पसीने छूट गए। कलक्टर की मौजूदगी में टीम ने एक-एक वाहन के भार और दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। यह कार्रवाई देर रात करीब 2:00 बजे तक चलती रही।

जिला कलक्टर डॉ खडगावत के निर्देशन में प्रशासन ने रणनीतिक तरीके से जिले के उन सभी रास्तों पर चेक प्वाइंट्स बनाए थे, जहाँ से ओवरलोड वाहनों के गुजरने की संभावना रहती है। संयुक्त टीमों ने निम्नलिखित क्षेत्रों में सघन जांच की जिसमें छापरी टोल प्लाजा मुख्य केंद्र छोटी खाटू और निंबी जोधा कोलिया और तवरा लाडनूं रोड और रहमान गेट रहे। जांच के दौरान नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले वाहनों पर प्रशासन ने कड़ी सख्ती दिखाई। ओवर लोडिंग की गंभीरता के आधार पर न्यूनतम 5,000 रुपये से लेकर 1,00,000 रुपये तक के भारी-भरकम चालान काटे गए। जिला कलक्टर के निर्देश पर प्रशासन, परिवहन विभाग और पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई का उद्देश्य आर्थिक दंड के जरिए जिले में अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग वाहनों की रोकथाम करना है। जिला कलक्टर डॉ खडगावत ने बताया कि हमारा मकसद केवल चालान काटना नहीं, बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना है। ओवरलोड वाहन न केवल सड़कों को नुकसान पहुँचाते हैं, बल्कि ये जानलेवा दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण हैं। यह अभियान आगे भी इसी सख्ती के साथ जारी रहेगा। इस पूरी कार्रवाई में उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और जिला परिवहन अधिकारी सहित भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

सड़क सुरक्षा माह के तहत डीडवाना-कुचामन जिले में अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की।

- 37 ओवरलोड वाहनों पर 9.23 लाख का जुर्माना लगाया 6 वाहन सीज किये

उदयपुर में यूरिया उर्वरक की रिकॉर्ड आपूर्ति

उदयपुर। उदयपुर जिले में रबी मौसम 2025-26 के दौरान किसानों द्वारा फसलों की बुवाई का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस वर्ष जिले में बुवाई का कुल रकबा लक्ष्य से भी अधिक रहा है। निर्धारित 1,36,000 हेक्टेयर के लक्ष्य के विरुद्ध 1,40,295 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फसल बुवाईदर्ज की गई है, जो कृषि क्षेत्र में सकारात्मक प्रगति का संकेत है।

संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सुधीर वर्मा ने बताया कि जिले में सर्वाधिक 91,210 हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की बुवाई हुई है। इसके अतिरिक्त चना फसल 21,410 हेक्टेयर, सरसों 11,320 हेक्टेयर तथा जौ 10,250 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बोई गई है। बुवाई का कार्य पूर्ण होने के साथ ही अब फसलों की बढ़ वार एवं संतुलित पोषण के लिये यूरिया उर्वरक की मांग निरंतर बनी हुई है। वर्मा ने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में यूरिया उर्वरक की आपूर्ति माह अक्टूबर 2025 से लगातार की जा रही है। सहकारी एवं निजी क्षेत्र के अधिकृत प्राधिकार पत्र प्राप्त संस्थानों पर रेलमार्ग एवं सड़क मार्ग से यूरिया का नियमित परिवहन एवं विक्रय सुचारू रूप से संचालित है।

रबी मौसम के दौरान अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 की अवधि में उदयपुर जिले में यूरिया की कुल मांग 23,600 मेट्रिक टन आंकी गई थी। इसके विरुद्ध अब तक 27,780 मेट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति की जा चुकी है, जो मांग से लगभग 4,000 टन अधिक है। विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि पूरे जनवरी माह में यूरिया उर्वरक की आपूर्ति आगे भी जारी रहेगी।

रतनपुर बॉर्डर पर अवैध शराब पकड़ी

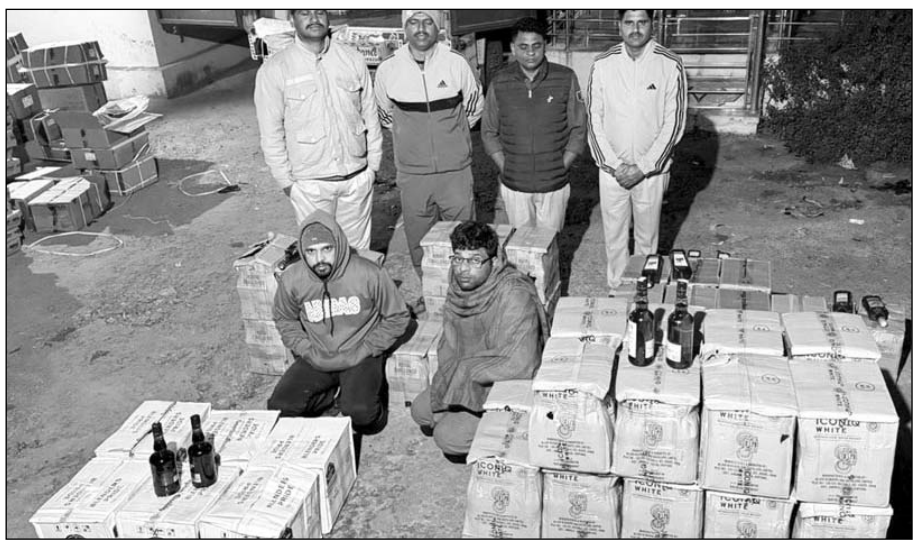

बिछीवाड़ा पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शराब को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। सुधीर जैन

डूंगरपुर। जिले में बिछीवाडा थाना पुलिस ने राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर बडी कार्यवाही करते हुए इलेक्ट्रिक उपकरणों की आड में गुजरात ले जाई जा रही 8 लाख रुपए मूल्य की हरियाणा निर्मित अवैध शराब जब्त की है। इस मामले में कंटेनर ड्राइवर सहित 2 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

बिछीवाडा थानाधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध शराब तस्करी रोकने के लिए ऑपरेशन स्वच्छता चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत नेशनल हाईवे 48 के जरिए शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर नाकाबंदी कर वाहनों की तलाशी शुरू की।

- इलेक्ट्रिक सामान की आड में हो रही थी तस्करी
- कंटेनर से 8 लाख की शराब जब्त

नाकाबंदी में पकड़ा कंटेनर : तलाशी के दौरान उदयपुर की ओर से आ रहे एक बंद बॉडी कंटेनर को रोका गया। ड्राइवर से पूछताछ करने पर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली तो उसमें इलेक्ट्रिक उपकरणों के पीछे हरियाणा निर्मित अवैध शराब की पेटियां भरी हुई मिलीं। जिनके कोई वैध कागजात नहीं थे। पुलिस ने तत्काल कंटेनर को जब्त कर शराब की पेटियों को उतरवाया। कंटेनर से विभिन्न ब्रांड की कुल 74 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की गईं। जिसकी बाजार कीमत लगभग 8 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में प्रदीप पुत्र सुरेश कुमार अग्रवाल निवासी घंगाला,भिवानी हरियाणा और अजय पुत्र फूलसिंह सुनार निवासी गुडा कैमला, महेंद्रगढ हरियाणा को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में तस्करों ने बताया कि वे शराब को गुजरात ले जा रहे थे।

गैस तापिय विद्युत गृह में 50 फीट की ऊंचाई से मजदूर गिरा, मौत

मुआवजे व नौकरी की मांग को लेकर रामगढ़ बंद रहा

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के रामगढ़ स्थित गैस तापीय विद्युत गृह में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। ड्यूटी के दौरान करीब 50 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण एक ठेका श्रमिक नथमल की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण हो गया। मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे व नौकरी की मांग को लेकर मंगलवार को रामगढ़ बंद रखा और बिजलीघर प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने मॉर्च्यूरी के बाहर धरना दिया। उनकी मांग है कि मृतक के आश्रित को तुरंत सरकारी नौकरी दी जाए व पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपए का नकद मुआवजा मिले। साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो। जानकारी के अनुसार रामगढ़ निवासी नथमल (50) पुत्र आदूराम सुथार पिछले 6 वर्षों से बिजलीघर में ठेका श्रमिक के रूप में काम कर रहा था। सोमवार दोपहर करीब 3 बजे वह यार्ड क्षेत्र में अपने काम पर तैनात था। इसी दौरान वह संदिग्ध परिस्थितियों में लगभग 50 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गया। कुछ समय बाद वहां से गुजर रहे एक सुरक्षा गार्ड ने नथमल को लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़ा देखा। आनन-फानन में उसे रामगढ़ हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही सुथार समाज सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण हॉस्पिटल और बिजलीघर के बाहर जमा हो गए। ग्रामीणों ने मंगलवार को रामगढ़ कस्बा बंद रखने का आ ान किया, जिसका व्यापक असर दिखा। चाय की थड़ियों से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान तक पूरी तरह बंद रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजलीघर में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है, जिसके कारण आए दिन श्रमिकों की जान जोखिम में रहती है।

- अस्पताल प्र रार या कमजोरी नजर नहीं आ रही थी
- ग्रामीणों का आरोप है कि बिजलीघर में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है

एक ही टाइम में धोखाधड़ी से दो डिग्री लेने का खुलासा

जोधपुर, (कासं)। करवड़ थाना इलाके में फर्जी तरीके से डिग्री लेने का एक मामला सामने आया है। इसमें मंडलनाथ स्थित निजी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज प्रबंधन पर आरोप है कि उसने नियमों को ताक पर रखकर एक छात्रा को जाली दस्तावेजों के आधार पर बीएड करवाई। छात्रा ने एक ही समय में दो अलग-अलग कॉलेजों से नियमित स्टूडेंट के तौर पर पढ़ाई पूरी कर ली, जो कि शारीरिक रूप से संभव नहीं है।

सूरसागर के सोढ़ों की ढाणी, तिलजी का बेरा निवासी विनोद सोलंकी की शिकायत पर घटना के करीब 10 साल बाद, कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी युवती और कॉलेज प्रशासन के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया है।

- दस साल बाद युवती व कॉलेज प्रबंधन पर एफआईआर दर्ज

एफआईआर के अनुसार महामंदिर निवासी आरोपी मोनिका ने साल 2014 में राजकीय आवासीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज जोधपुर में टेक्सटाइल डिजाइन कोर्स में एडमिशन लिया। यह एक पूर्णकालिक नियमित कोर्स था। उसने वर्ष 2015 में प्रथम वर्ष पास किया, जिसकी मार्कशीट 7 जुलाई 2015 को जारी हुई। जबकि, वर्ष 2016 में द्वितीय वर्ष पास किया, जिसकी मार्कशीट 28 जून 2016 को जारी होना बताया गया है।

परिवादी विनोद सोलंकी ने आरोप लगाया कि जिस समय मोनिका पॉलिटेक्निक कॉलेज में नियमित छात्रा थी, ठीक उसी दौरान उसने निजी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज, मंडलनाथ से बीएड का कोर्स भी रेगुलर स्टूडेंट के तौर पर कर लिया। इसके उत्तीर्ण करने की मार्कशीट 6 फरवरी 2016 को जारी हो गई। यानी 2014 से 2016 के बीच वह एक ही समय पर दो अलग-अलग परिसरों में पढ़ाई कर रही थी।

एफआईआर में निजी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज प्रबंधन को भी आरोपी बनाया गया है। आरोप है कि कॉलेज प्रशासन ने आरोपी मोनिका के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचा। कॉलेज ने जानबूझकर उपस्थिति रजिस्टर में कूटरचना की और फर्जी हाजिरी भरकर उसे परीक्षा के लिए पात्र बताया। परिवादी ने आशंका जताई है कि मोनिका कभी कॉलेज गई ही नहीं, और हो सकता है कि परीक्षा में उसकी जगह किसी और (डमी कैंडिडेट) को बैठाया गया हो। परिवादी विनोद सोलंकी ने बताया कि उसने पहले पुलिस थाना करवड़ और पुलिस कमिश्नर को 23 सितंबर 2025 को शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। हारकर उसने 14 अक्टूबर 2025 को न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 9, जोधपुर महानगर की कोर्ट में इस्तगासा पेश किया।

जैसलमेर शहर के नाले में मिला नहर परियोजना के रिटायर अधिकारी का शव

जैसलमेर, (नि.सं.)। शहर के नाले में रिटायर्ड अधिकारी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक संपतलाल भार्गव (60) इंदिरा गांधी नहर परियोजना में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पोस्टेड थे। वे 6 महीने पहले ही रिटायर्ट हुए थे।

मामला शहर के कोतवाली थाना इलाके के रेलवे कॉलोनी में देर रात डेढ़ बजे का है। कॉलोनी के पास बने एक नाले में उनका शव ऑटो ड्राइवर ने देखा था, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला।

- टीम मौके पर पहुंची और शव को निकालने का प्रयास शुरू किया

शहर कोतवाली के एएसआई श्रवण विश्नोई ने बताया कि मृतक संपत लाल भार्गव शहर के सूली डूंगर में रहते थे। नाले के पास ही ऑटो स्टैंड है। एक ऑटो वाले ने नाले में जब व्यक्ति को गिरे हुए देखा तो उसने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची और शव को निकालने का प्रयास शुरू किया। उन्होंने बताया कि अंधेरा और नाला गहरा होने के कारण संपत लाल को निकालने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इस दौरान वहां मौजूद ऑटो रिक्शा के ड्राइवरों की मदद से करीब करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाल शहर के जवाहिर हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

21 प्रतिभाएं सम्मानित

बूंदी। कोटा शहर के अग्रवाल सेवा सदन में हाडोती गौरव सम्मान 2026 का आयोजन न्यू कोटा इंटरनेशनल सोसाइटी के तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला थे।

अध्यक्षता संभागीय आयुक्त अनिल अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश जैन युवा व्यवसायि सुरेश, संरक्षक परमानंद गोयल, संभागीय संयोजक लोकेश शर्मा रहे। जिला संयोजक भरत शर्मा व कार्यक्रम संयोजक केके शर्मा ने यह जानकारी दी।

बेटे ने मां का गला घोंटा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती जाजीवाल खिंचियान गांव में बेटे ने अपनी वृद्ध मां की हत्या कर दी। प्लास्टिक रस्सी से गला घोंटकर मां को मार दिया। बाद में कान की टोटियां और कंठी आदि जेवरात चोरीकर छुपा दिए। घर पर पोता आया तो वृद्ध दादी का शव चारपाई पर पड़ा पाया। आरोपी को पुलिस ने दस्यताब कर अब गिरफ्तार कर लिया है। उससे सोने के जेवरात बरामद किए जाने के साथ शव का भी मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है।

बनाड़ थानाधिकारी लेखराज सिहाग ने बताया कि जाजीवाल खिंचियान गांव में रहने वाली 75 साल की परमादेवी उर्फ परमुड़ी की हत्या उसके पुत्र ओमप्रकाश जाट ने कर दी। ओमप्रकाश नशे का आदी है। 4 जनवरी की शाम को मां बेटा दोनों ही घर पर थे। परमादेवी चारपाई पर सो रही थी।

उसके दो पोते जितेंद्र और रविंद्र बाहर गए हुए थे। शाम छह बजे छोटा पोता रविंद्र घर आया तब पता लगा कि दादी परमादेवी का शव चारपाई पर पड़ा है। वह मृत पाई गई। इस पर बाद में पुलिस को सूचना दी गई। मौका तस्दीक और जांच में पता लगा कि ओमप्रकाश ने अपनी मां परमादेवी का प्लास्टिक की छोटी रस्सी से गला घोंट कर मार दिया और फरार हो गया। थानाधिकारी लेखराज सिहाग ने बताया कि मौका तस्दीक और आसपास साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया। बाद में आरोपी की तलाश करने पर वह मिल गया।

आरोपी ओमप्रकाश ने अपनी मां की हत्या किए जाना कबूल कर लिया। उसने हत्या के बाद मां के पहने गहने टोटियां, कंठी आदि तोड़ कर छुपा दिए। पुलिस ने गहनों को जब्त कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर अभिरक्षा में लिया गया है।

लोकार्पण समारोह

कोटा, (निसं)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के तत्वावधान में पल्लवी दरक न्याती की तीन पुस्तकों का लोकार्पण मौजी बाबा धाम पर किया गया। उनकी तीनों पुस्तकों नमक मीङ्गा चीनी खारी (काव्य संग्रह), दर्शन वंदन (भक्ति गीत संग्रह)और सागर सीप (आलेख संग्रह)को सभी साहित्यकारों ने सराहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व महापौर महेश विजय (अध्यक्ष अखिल भारतीय साहित्य परिषद कोटा इकाई) ने की। डॉक्टर बी.सी.तेलंग (इथोस हास्पिटल) मुख्य अतिथि रहे व डॉक्टर आदित्य कुमार गुप्ता (प्रोफेसर कोटा यूनिवर्सिटी) विशिष्ट अतिथि रहे।

चौथमाता के दर्शनों को श्रद्धालुओं की भीड़ रही

बूंदी। श्रद्धा के आगे सुबह की गलनभरी सर्दी बौनी नजर आई। बाणगंगा में पहाड़ी पर स्थित चौथ माता का पांच दिवसीय मेले के दूसरें दिन संकट चतुर्थी के अवसर पर माता के दर्शन और अपनी मनोकामना के लिए बून्दी सहित आसपास के सभी क्षेत्रों से श्रद्धालु माता के दरबार में मत्था टेकने पहुंचे। अलसुबह से ही चौथ माता मंदिर के रास्ते में श्रद्धालुओं का रेला लगा रहा। शहर के हर मार्ग पर पैदल जाने वाले श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए नजर आए। इस दौरान कई श्रद्धालु नंगे पैर भी दिखाई दिए। शीतलहर के बावजूद आज सुबह से महिलाएं व युवतियों का समूह के रूप में माताजी के जयकारे लगाते हुए चौथ माता मंदिर के लिए जाना शुरू हो गया था। दोपहर को धूप खिलने से श्रद्धालुओं को राहत मिली और उनकी संख्या लगातार बढ़ती गई। बाणगंगा में स्थित चौथमाता मंदिर में श्रद्धालुओं का आना बीती रात से ही शुरू हो गया। अलसुबह से ही शहर से बाणगंगा जाने वाले सभी रास्तों में श्रद्धालुओं के समूह नजर आने लगे थे। दर्शन को आने वाले सभी श्रद्धालु माता के जयकारे लगाकर नाचते गाते हुए मंदिर प्रांगण में पहुँचे। जहाँ आंकड़े के अनुसार 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर परिवार और विश्व की सुख समृद्धि की कामना की ढोक लगाई।

विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर दंपती से 13.75 लाख की धोखाधड़ी

जोधपुर, (कासं)। विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी और अमानवीय प्रताड़ना का एक मामला पुलिस में दर्ज हुआ है। इस घटना ने एक बार फिर 'डंकी रूट'(अवैध तरीके से विदेश जाना) के खतरों को उजागर कर दिया है। शातिर ठगों ने एक दंपती को अमेरिका और जापान में नौकरी का सपना दिखाया, लेकिन ट्रंप सरकार का बहाना बनाकर अचानक प्लान बदल दिया और हकीकत में अमेरिका-जापान की बजाय उन्हें बैंकॉक, मकाऊ और कोरिया जैसे देशों में भटकने पर मजबूर कर दिया, जहां उन्हें मानसिक और शारीरिक यातनाएं झेलनी पड़ीं। इस बीच में पीड़िता और उसके पति को विदेशी जेल में रहना पड़ा, भूखे-प्यासे दिन गुजारने पड़े और अंत में दुबई में बंधक बनाकर रखा गया। पीड़ित दंपती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर में कुल 13 लाख 75 हजार रुपए की ठगी और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।

- दुबई में पक्की नौकरी के लिए फिर से फांसा
- दुबई से भाग कर जोधपुर पहुंचे

चौहाबो पुलिस ने बताया कि बीआर बिड़ला स्कूल के पास आदेश्वर नगर निवासी एक दंपती विदेश में नौकरी करना चाहते थे। अप्रैल 2025 में उनकी बात कुचामन के डीडवाना निवासी इशा अग्रवाल और बाबूलाल पंवार से हुई। आरोपियों ने दंपती को भरोसे में लेने के लिए विदेश भेजने के कई झूठे किस्से सुनाए। शुरुआत में आरोपियों ने यूएसए या जापान में नौकरी दिलाने का वादा किया और इसके बदले 21 लाख रुपए की मांग की। भरोसे के तौर पर 50 हजार रुपए एडवांस ले लिए। कुछ दिन बाद आरोपियों ने कहा कि अभी यूएसए में ट्रंप सरकार है और वहां काम की अनिश्चितता है, इसलिए वे उन्हें यूके या जापान भेज देंगे। अंत में कोरिया (जेजू) में अच्छी नौकरी और रहने-खाने की सुविधा का झांसा देकर डील पक्की की गई।

आरोपियों ने दंपती को दिल्ली बुलाया। वहां दो दिन रोका और कोरिया भेजने के नाम पर 4 हजार यूएस डॉलर एक्सचेंज करवाए। साथ ही एक लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। दिल्ली एयरपोर्ट पर आरोपियों ने दंपती को सीधे कोरिया के बजाय बैंकॉक का टिकट थमा दिया। कहा गया कि यह रूट है- बैंकॉक से मकाऊ, फिर सिंगापुर होते हुए कोरिया। जैसे ही दंपती बैंकॉक पहुंचे, इमिठोशन ने उन्हें रोक लिया। घबराकर उन्होंने आरोपियों को कॉल किया तो आरोपियों ने कहा कि 3 लाख रुपए भेजो तभी एंट्री मिलेगी। मजबूरी में पैसे ट्रांसफर किए गए। वहां खाने-पीने का खर्च भी खुद उठाना पड़ा। बैंकॉक से उन्हें मकाऊ भेजा गया। वहां फिर वही कहानी दोहराई गई। इमिठोशन ने रोका और आरोपियों ने छोड़ने के नाम पर फिर 3 लाख रुपए ठग लिए। मकाऊ से उन्हें शिप (जहाज) के जरिए हांगकांग भेजा गया। वहां दो दिन अपने खर्च पर रुकने के बाद वे कोरिया के लिए रवाना हुए। कोरिया (जेजू) एयरपोर्ट पहुंचते ही इमिठोशन अधिकारियों ने दंपती को हिरासत में ले लिया। उन्हें चार दिन तक जेल में रहना पड़ा। आरोपियों ने यहां भी खेल खेला और वकील करने के नाम पर 25 हजार रुपए ऐंठ लिए, लेकिन कोई वकील नहीं आया। दंपती जेल में भूखे-प्यासे रहे और अंतत: उन्हें भारत डिपोर्ट कर दिया गया।

भारत लौटने पर जब पीड़ितों ने आरोपियों से अपने पैसे वापस मांगे और नाराजगी जताई, तो आरोपी उनके पैरों में गिर गए। उन्होंने माफी मांगी और कहा कि पिछला काम बिगड़ गया था, लेकिन अब वे दुबई में पक्की नौकरी लगवा देंगे। फिर दंपती उनके झांसे में आ गया। आरोपी उन्हें साथ लेकर दुबई गए। वहां दो लाख रुपए नकद लिए और एक ऑफिस में ले जाकर परमानेंट जॉब का भरोसा दिलाकर 6 लाख रुपए और ट्रांसफर करवा लिए।

जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस अब ढींढा स्टेशन पर रुकेगी

कोटा, (निसं)। यात्रियों की सुविधा, स्थानीय आवागमन की आवश्यकताओं एवं क्षेत्रीय संपर्क को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल से होकर गुजरने वाली जोधपुर-भोपाल-जोधपुर प्रतिदिन एक्सप्रेस ट्रेन का जयपुर मंडल के ढींढा स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर आगामी आदेशों तक ठहराव प्रदान किया गया है।

इस निर्णय से ढींढा स्टेशन सहित आसपास के ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों के यात्रियों को सीधी रेल सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे उनकी यात्रा अधिक सुगम, समयबद्ध एवं सुविधाजनक बन सकेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल प्रतिदिन एक्सप्रेस 7 जनवरी से जोधपुर से प्रस्थान कर ढींढा स्टेशन पर सायं 4.01 बजे पहुंचेगी तथा 4.02 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर प्रतिदिन एक्सप्रेस 7 जनवरी से भोपाल से प्रस्थान कर ढींढा स्टेशन पर प्रात: 10.53 बजे पहुंचेगी तथा 10.54 बजे आगे के लिए रवाना होगी। रेल प्रशासन द्वारा यह ठहराव यात्रियों की मांग एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए प्रायोगिक रूप से प्रदान किया गया है।

चोरी का माल खरीदने वाला गिरफ्तार

ज्वैलरी शॉप में हुई चोरी के मामले में चोरी का माल खरीदने वाले एक व्यापारी को गिरफ्तार किया।

डूंगरपुर। चितरी थाना पुलिस ने एक ज्वेलरी शॉप में हुई चोरी के मामले में चोरी का माल खरीदने वाले एक व्यापारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी व्यापारी के कब्जे से चोरी की गई 2 किलो 55० ग्राम चांदी भी बरामद की है। इससे पहले, पुलिस इस मामले में चोरी करने वाले 2 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि एक बाल अपचारी को भी हिरासत में लिया गया था।

चितरी थाने के एएसआई ने बताया कि चितरी निवासी मोहिता जैन ने 3 अप्रैल 2025 को एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि 2 अप्रैल की रात को चितरी स्थित उनकी ज्वेलरी शॉप से 2 किलो 550 ग्राम चांदी के आभूषण चोरी हो गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने बताया कि उन्होंने चोरी किए गए चांदी के जेवर घाटा का गांव निवासी व्यापारी नितिन जैन को बेचे थे। इसके बाद पुलिस ने नितिन जैन की तलाश शुरू कीए लेकिन वह फरार हो गया था।

कपिल गुप्ता ने डोनेट की एसडीपी

कोटा। टीम जीवन दाता ने अपने सेवा कार्यों में विस्तार करते हुए समय रहते एसडीपी उपलब्ध कराने का सेवा संकल्प लिया हैं, उसी के तहत गंभीर बीमारी से पीड़ित ज्ञानेंद्र विजय को समय पर एसडीपी उपलब्ध कराई जिससे उन्हें काफी राहत मिली। लायंस क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक व टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि ज्ञानेंद्र को बी पॉजिटिव एसडीपी की आवश्यकता थी, उनके पुत्र आदित्य विजय जो की शिक्षा विभाग में अधिकारी हैं, उन्होंने भी काफी प्रयास किया लेकिन वह एसडीपी के लिए डोनर्स नहीं ढूंढ पाए, ऐसे में वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष दिनेश विजय ने एसडीपी के लिए आदित्य विजय को आश्वस्त किया और भुवनेश गुप्ता को कॉल किया, तत्काल ही कपिल गुप्ता को कॉल किया गया। कपिल गुप्ता हमेशा मानवता की सेवा के लिए तैयार रहते हैं और वह शीघ्र ही अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे उनके साथ उनकी पत्नी ज्योति गुप्ता भी रही, कपिल ने एसडीपी डोनेट कर ज्ञानेंद्र विजय के जीवन में नई रोशनी लाने का प्रयास किया। कपिल गुप्ता का कहना है कि वह मानवता के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और लोगों को भी प्रेरित करते हैं। गुप्ता के अनुसार कपिल 30 बार रक्तदान व 40 बार एसडीपी डोनेट कर चुके है।

यह चर्चा फिर कभी हो सकती है कि विराट क्या बेहतर कर सकते थे लेकिन मुझे सिर्फ इस बात का दुख है कि जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन जैसे खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं वहीं कोहली ने इस फॉर्मेट से दूरी बना ली। - **संजय मांजरेकर**

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, विराट कोहली के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **आर्यना सबालेंका**

दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने मंगलवार को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट में शानदार जीत के साथ अपने 2026 सीजन की शुरुआत की। सबालेंका ने दूसरे राउंड के मैच में स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 48 मिनट में 6-0, 6-1 से हराया। बेलारूस की खिलाड़ी, जो ब्रिस्बेन में डिफेंडिंग चैंपियन हैं, को पहले राउंड में बाई मिली थी। नवंबर 2025 में डब्ल्यूटीए फ़ाइनल के बाद अपने पहले प्रतिस्पर्धी सिंगल्स मैच में खेलते हुए, सबालेंका ने शुरू से ही मैच पर कंट्रोल रखा, पहला सेट 22 मिनट में जीता और दूसरे सेट में 5-0 की बढ़त बना ली।

क्या आप जानते हैं ?... वनडे इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक (16 गेंदों में) एबी डिविलियर्स ने बनाया है, उन्होंने 2014-15 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

68वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

जयपुर, 6 जनवरी। 68वी नेशनल शूटिंग चौंपियनशिप प्रतियोगिता-2025 की दिल्ली में 1 दिसम्बर से 06 जनवरी तक आयोजित शॉटगन डबल ट्रैप प्रतियोगिता का आज समापन हुआ। जिसमें राजस्थान के खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनुष्का सिंह भाटी ने महिला व्यक्तिगत सीनियर वर्ग में गोल्ड मेडल पर अपना कब्ज़ा जमाया। साथ ही पुरूष जूनियर एवं सीनियर टीम वर्ग में सिल्वर मेडल तथा महिला जूनियर एवं सीनियर टीम वर्ग में सिल्वर मेडल हासिल किये। उक्त खिलाड़ी जयपुर में स्थित ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर में अभ्यासरत है। जगतपुरा शूटिंग रेंज ने राज्य व देश को कई राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय एवं ओलम्पिक स्तर के उत्कृष्ठ खिलाड़ी दिये है। आगे भी राजस्थान राईफल एसोसिएशन का प्रयास रहेगा की आगामी प्रतियोगिताओ में भी राज्य व देश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक दिलाकर राज्य व देश को गौरवान्वित करेंगे। राजस्थान राईफल एसोसिएशन पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देती है साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

अंडर-15 वीमेन ट्रॉफी : राजस्थान और कर्णाटक जीती

जयपुर 6 जनवरी। कलकत्ता में खेली जा रहे बीसीसीआई अंडर 15 वीमेन ट्रॉफी के आज खेले गए राजस्थान - यूपी मैच को राजस्थान ने 7 विकेट से जीता। राजस्थान के लिए आरती, माहिरा, रोचलेयादव, काव्या बिश्नोई का शानदार प्रदर्शन।

उत्तर प्रदेश पारी 137 / 9, टीम के लिए अनुश्री 23, मीनाक्षी 22 व गरिमा 21 रन, राजस्थान की गेंदबाज आरती 38 / 2, माहिरा 21 / 2, रोचले यादव, दर्शिता 1 - 1 विकेट, राजस्थान पारी 138 / 3, टीम के लिए काव्याबिश्नोई 32, रोचलेयादव नाबाद 30, सारिका 23 व आरती नाबाद 20 रन।, विजय हजारे टॉफी राजस्थान - कर्णाटक मैच (कर्णाटक जीता), कर्णाटक पारी 324 / 7, टीम के लिए मयंक 100, देवदत्त 91 रन, राजस्थान के गेंदबाज मानव सुथार 51 / 2, अजय कुकना 66 / 2, अशोक शर्मा, अमन सिंह, खलील अहमद 1 - 1 विकेट, राजस्थान पारी 174 आल आउट, टीम के लिए करण लाम्बा 55, दीपक हुड्डा 29 व अजय कुकना 25 रन, कर्णाटक के गेंदबाज प्रसिद्ध 36 / 5 विकेट, राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही विजय हजारे ट्रॉफी के आज खेले गए मैचों का परिणाम : - सोनी स्टेडियम सिक्किम - उत्तराखंड मैच (उत्तराखंड जीती), सिक्किम पारी 219 / 8, उत्तराखंड पारी 223 / 4, के एल सैनी स्टेडियम पंजाब - गोआ मैच (पंजाब जीती), गोवा पारी 211 आल आउट, पंजाब पारी 212/ 4, जयपुरिया ग्रेाउंड मुंबई - हिमाचल मैच (मुंबई जीती), मुंबई पारी 299 / 9, हिमाचल पारी 292 आल आउट, अनंतम ग्राउंड छत्तीसगढ़ - महाराष्ट्र मैच (छत्तीसगढ़ जीती), छत्तीसगढ़ पारी 166 आल आउट, महाराष्ट्र पारी 160 / 8

स्टीव स्मिथ शतक लगाकर एशेज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

सिडनी, 6 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने मंगलवार को एक शानदार शतक लगाकर एशेज के इतिहास में अपना नाम और मजबूती से दर्ज कराया। वह इंग्लैंड के महान खिलाड़ी जैक हॉब्स को पीछे छोड़कर एशेज इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने अपना 37वां टेस्ट शतक बनाया, जब उन्होंने ट्रैविस हेड के शानदार 163 रनों की बदौलत मिली मजबूत नींव पर पारी को आगे बढ़ाया। इससे मेजबान टीम इंग्लैंड के पहली पारी के कुल स्कोर को पार करने में सफल रही और सीरीज़ के आखिरी टेस्ट में एक महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। इस प्रक्रिया में, स्मिथ ने हॉब्स के 3,636 एशेज रनों के आंकड़े को पार कर लिया और अब वह ऑल-टाइम लिस्ट में सर डॉन ब्रैडमैन के बाद दूसरे स्थान पर हैं। 36 वर्षीय खिलाड़ी एशेज शतकों की सूची में भी दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, इंग्लैंड के खिलाफ उनके 13 शतकों से ज़्यादा सिर्फ ब्रैडमैन के 19 शतक हैं। स्मिथ का एशेज का सफर 2010 में पर्थ में शुरू हुआ था, हालांकि इस मशहूर प्रतिद्वंद्विता में अपना पहला शतक लगाने में उन्हें 15 पारियां लगीं, जो 2013 में द ओवल में आया था। तब से, वह इंग्लैंड के गेंदबाजों के लिए लगातार परेशानी का सबब बने हुए हैं, उनका सबसे शानदार प्रदर्शन 2019 में इंग्लैंड में हुए एशेज के दौरान आया था, जहां उन्होंने 110.57 के शानदार औसत से 774 रन बनाए थे।

डी कॉक और बेयरस्टो की तूफानी पारियां, सनराइजर्स की सेंचुरियन में रिकॉर्ड जीत

प्रिटोरिया, 6 जनवरी। बेटवे एसए20 सीजन 4 रिकॉर्ड्स का सीजन बनता जा रहा है और सोमवार शाम सेंचुरियन में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ पहली ऐतिहासिक जीत दर्ज कर इसका ताज़ा उदाहरण पेश किया। सनराइजर्स ने कैपिटल्स के 176/7 के स्कोर को बिना कोई विकेट गंवाए पार कर लिया, जो बेटवे एसए20 इतिहास में उनका सबसे बड़ा सफल रन-चेज है। इस शानदार जीत के साथ ट्रिस्टन स्टब्स की टीम 17 अंकों के साथ अंकतालिका में फिर से शीर्ष पर पहुँच गई।

हेड, स्मिथ के शतकों से ऑस्ट्रेलिया मजबूत

सिडनी, 6 जनवरी। ट्रैविस हेड (163) और स्टीवन स्मिथ (नाबाद 129) के शतकों ने सुनिश्चित किया कि ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचक तीसरे दिन सिडनी टेस्ट पर नियंत्रण कर लिया। मेजबान टीम ने पूरे दिन में 352 रन बनाए, और खेल खत्म होने तक 134 रनों की बढ़त ले ली। स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 7 विकेट पर 518 रन था, जिससे इंग्लैंड के लिए टेस्ट मैच बचाने के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर गुलाबी दिन पर, इंग्लैंड ने अपना दूसरा रिव्यू जल्दी ही गंवा दिया, जब नाइटवॉचमैन माइकल नेसर के कैच-बिहाइंड की अपील में सिर्फ बल्ले का जमीन से टकराना दिखा। हेड, जो 91 रन पर बल्लेबाजी करने आए थे, ने एक शॉट बाउंड्री के पार मारकर अपना स्कोर 96 तक पहुंचाया, फिर जोश टंग को कवर्स के ऊपर से मारकर सीरीज का तीसरा और कुल मिलाकर टेस्ट में 12वां शतक पूरा किया।

मैथ्यू पॉट्स, जो दूसरे दिन लय से बाहर दिख रहे थे, का हेड ने आक्रामक बल्लेबाजी के साथ स्वागत किया, जब उन्होंने दिन की अपनी पहली तीन गेंदों पर लगातार तीन चौके जड़े। हालांकि, हेड को शॉर्ट गेंदें फेंकने की रणनीति लगभग तुरंत काम कर गई, लेकिन विल जैक्स ने ब्रायडन कार्स की गेंद पर डीप मिड-विकेट पर एक आसान कैच छोड़ दिया, जिससे मेहमान टीम की मुश्किलें और बढ़ गईं। नेसर, जिन्होंने पहले सेशन में कई बार शॉट खेलने की कोशिश की और चूके, उन्होंने ऑफसाइड से कुछ खूबसूरत ड्राइव भी लगाए, इससे पहले कि इंग्लैंड ने नेसर के खिलाफ ऑफ स्टंप के ठीक बाहर हॉक-आई पर प्रभाव के साथ अपना आखिरी रिव्यू इस्तेमाल कर लिया।

नेसर आखिरकार कार्स की गेंद पर विकेटकीपर को कैच देकर आउट हो गए, जिससे नाइटवॉचमैन का प्रतिरोध खत्म हो गया। हेड ने लगातार चौके लगाकर इंग्लैंड की मुश्किलें बढ़ाना जारी रखा, जिसमें पॉट्स की गेंद पर एक शानदार पुल शॉट भी शामिल था। हेड ने स्लिप कॉर्डन के ऊपर से एक जोरदार शॉट मारकर 150 रन पूरे किए, जबकि स्मिथ धीरे-धीरे अपनी पारी में जम रहे थे। दाएं हाथ के बल्लेबाज को तब राहत मिली जब एक बाहरी किनारा गली में ज़ैक क्रॉली के हाथों में नहीं टिका।

हेड 163 रन पर जैकब बेथेल की गेंद पर पैड पर लगने के बाद आउट हो गए और उन्होंने रिव्यू भी लिया, जिससे 54 रन की साझेदारी टूट गई। उस्मान ख्वाजा अपने आखिरी टेस्ट में गार्ड लेने के लिए मैदान पर आए। इस बीच, स्मिथ ने बेन स्टोक्स को जल्द ही तीन चौके लगाकर मेजबान टीम को 300 के पार पहुंचाया और रन लगातार बनते रहे। इंग्लैंड ने दूसरी नई गेंद मिलते ही ले ली, लेकिन पॉट्स और कार्स ने चौके लुटाए और स्मिथ 50 रन पर पहुंच गए। जैसे ही दोनों बल्लेबाजों ने 50 रन की साझेदारी पूरी की, कार्स ने ख्वाजा को पगबाधा आउट कर दिया। एलेक्स कैरी ने 13 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली, जिसमें तीन चौके शामिल थे, जो सभी एक्स्ट्रा-कवर क्षेत्र में लगे, जिसके बाद वह टंग की गेंद पर लेग-स्लिप पर बेथेल के हाथों कैच आउट हो गए।

पॉट्स के लगातार आसान गेंदें फेंकने से ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के 384 रन के करीब पहुंच गया और जब चाय का ब्रेक हुआ तो वे सात रन पीछे थे। चाय के बाद पहले ओवर में कैमरन ग्रीन ने स्टोक्स को चौका लगाया, लेकिन आखिरी सेशन स्मिथ का शो रहा। उनके पास सब कुछ था - कुछ जिम्नास्टिक, अंपायरिंग, भीड़ में चॉकलेट आइसक्रीम चुनना और निश्चित रूप से, कुछ शानदार स्ट्रोक-मेकिंग। इस दिग्गज खिलाड़ी के एक्स्ट्रा कवर के जरिए लगाए गए चौके ने ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई।

जोकोविच एडिलेड से हटे, ऑस्ट्रेलियन ओपन पर फोकस

एडिलेड, 6 जनवरी। नोवाक जोकोविच ने अगले हफ्ते होने वाले एडिलेड इंटरनेशनल से अपना नाम वापस ले लिया है, उन्होंने फिटनेस की चिंताओं का हवाला दिया है क्योंकि वह ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी जारी रखे हुए हैं। एडिलेड में फैंस को संबोधित करते हुए एक इंस्टाग्राम स्टोरी में, 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा कि वह एटीपी 250 इवेंट में "शारीरिक रूप से प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं", और इस फैसले को "व्यक्तिगत रूप से बहुत निराशाजनक" बताया।

जोकोविच ने कहा कि एडिलेड उनके लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि उन्होंने दो साल पहले वहां खिताब जीता था, और कहा कि शहर में वापस आकर "सच में घर जैसा महसूस हुआ"। हालांकि, सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा कि उनकी तत्काल प्राथमिकता सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम के लिए तैयार होना है।

मेरा ध्यान अब ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी पर है और मैं जल्द ही मेलबर्न पहुंचने और ऑस्ट्रेलिया में सभी टेनिस फैंस से मिलने का इंतजार कर रहा हूं।" 38 वर्षीय खिलाड़ी ने 12 जनवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट का इस्तेमाल मेलबर्न पार्क में सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम की तैयारी के तौर पर करने का इरादा किया था, जहां उनका लक्ष्य रिकॉर्ड 11वां ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब और अपनी 25वीं मेजर चैंपियनशिप जीतना है।

दीप्ति ने गेंदबाजी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान गंवाया

दुबई, 6 जनवरी। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ अपनी घरेलू सीरीज के पांचवें और आखिरी टी20 में मैच जिताने वाली पारी के बाद आईसीसी महिला टी20 बैटिंग रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर आ गई हैं, जबकि दीप्ति शर्मा ने बॉलिंग रैंकिंग में टॉप स्पॉट खो दिया है।

अमन राव का दोहरा शतक, सिराज ने झटके चार विकेट, हैदराबाद ने बंगाल को हराया

राजकोट, 6 जनवरी। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भारतीय वनडे टीम में अपनी वापसी का जश्न बंगाल के खिलाफ 58 रन पर चार विकेट लेकर मनाया और हैदराबाद को मंगलवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मैच में 107 रनों से शानदार जीत दिला दी। शाहबाज़ अहमद की 108 रनों की नाबाद जुझारू पारी बेकार गई क्योंकि बंगाल को हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए, हैदराबाद के ओपनर अमन राव ने 154 गेंदों में शानदार 200 रन बनाकर अकेले दम पर टीम को 50 ओवर में 352/5 के स्कोर तक पहुंचाया। मोहम्मद शमी (3-70), शाहबाज़ (1-57), रोहित (1-61) बंगाल के सबसे सफल गेंदबाज रहे।

अर्जेंटीना यूनाइटेड कप के क्वार्टर फाइनल में

पर्थ, 6 जनवरी। अर्जेंटीना ने पर्थ में सबसे अच्छी स्थिति वाली रनर-अप टीम होने के नाते यूनाइटेड कप क्वार्टर-फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अर्जेंटीना ग्रुप ए में 1-1 के टाई रिकॉर्ड और, महत्वपूर्ण रूप से, 4-2 के मैच रिकॉर्ड के साथ रनर-अप रहा। पर्थ में कोई भी अन्य रनर-अप देश चार मैच जीत के साथ खत्म नहीं कर सकता, इसलिए अर्जेंटीना का क्वार्टर-फाइनल में पहुंचना तय है। ग्रुप ए के विजेता, संयुक्त राज्य अमेरिका को पर्थ में सर्वश्रेष्ठ रनर-अप का सामना करना था। हालांकि, चूंकि संयुक्त राज्य अमेरिका और अर्जेंटीना ग्रुप प्ले में मिल चुके हैं, इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका ग्रीस से भिड़ेगा और स्विट्जरलैंड अर्जेंटीना से खेलेगा। संयुक्त राज्य अमेरिका-ग्रीस टाई बुधवार को पर्थ में स्थानीय समय सुबह 10 बजे शुरू होगा, जबकि स्विट्जरलैंड-अर्जेंटीना मैच रात के सत्र में शाम 5 बजे शुरू होगा। फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच ने दो मैच पॉइंट बचाकर फ्लेवियो कोबोली को चौंका दिया और मंगलवार को पर्थ में यूनाइटेड कप क्वार्टर-फाइनल की दौड़ से इटली को बाहर कर दिया। इस नतीजे से यह पक्का हो गया है कि अर्जेंटीना पर्थ ग्रुप में सबसे अच्छे रिकॉर्ड के साथ रनर-अप रहेगा।

अभिज्ञान के अर्द्धशतक से संस्कार विजयी हनू कटारिया के प्रयास व्यर्थ रहा

जयपुर, 6 जनवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अण्डर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज हुकुम क्रिकेट ठाउण्ड हाथोज में खेले गये मुकाबले में संस्कार क्रिकेट एकेडमी ने विकेट कीपर बल्लेबाज अभिज्ञान 53 रन के अद्धर्शतकीय पारी की बदौलत राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी को 16 रन से हराकर महत्वपूर्ण 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर संस्कार क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अभिज्ञान 53 रन (96 गेंद, 2 चौके), आयुष सैनी 21 रन, निशान्त राठौड़ 15 रन, ईशान सैनी 11 रन नाबाद तथा अतिरिक्त 34 रन के सहयोग से निर्धारित 40 ओवर में 7 विकेट खोकर 154 रन बनाये। गेंदबाजी में राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी की ओर से हनु कटारिया 20 रन पर 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। जबकि राजवंश राठौड़ व अगस्तय जाट प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर अन्य सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में राजीव गांधी किक्रेट एकेडमी ने प्रणीत चौधरी 17 रन, साक्षी नाथावत 16 रन, देव 16 रन, अगस्तय जाट 11 रन, हनु कटारिया 11 रन तथा अतिरिक्त 52 रन के सहयोग के बावजूद भी 38.3 ओवर में 138 रन बनाकर पूरी टीम सिमट गयी। गेंदबाजी में संस्कार क्रिकेट एकेडमी की ओर से मयंक कुमार 18 रन पर 2 विकेट, ईशान सैनी 22 रन पर 2 विकेट तथा रूद्र, अमन सिंह व यंश चौधरी प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

इंडो नेपाल अंतर्राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन टेस्ट सीरीज में भारत जीता

भारत ने नेपाल को 3-0 से हराकर क्लीन स्वीप किया

जयपुर, 6 जनवरी। नेपाल के बिराटनगर में खेले गये तीसरे व अंतिम अंतरराष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन टेस्ट श्रृंखला के पुरूष वर्ग के मैच में भारत ने नेपाल को लगातार दो सेटों में 35-26,35-19 से पराजित किया। जबकि महिला वर्ग के मैच में भारत ने नेपाल को आसानी से 35-22,35-20 से पराजित किया। इस तरह भारतीय पुरूष व महिला दोनों टीमों ने तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नेपाल पर 3-0 से पराजित कर क्लीन स्वीप किया। बॉल बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ एशिया के तत्वावधान में बॉल बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ नेपाल के द्वारा आयोजित तीन अंतरराष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन श्रृंखला का आयोजन किया गया।

जिसके अंतर्गत आज हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल बिराटनगर (नेपाल) में पुरूष व महिला वर्ग के मैच खेले गये।

पुरूष वर्ग का तीसरे व अंतिम टेस्ट मैच में भारत की ओर से प्रशांत एचजी, उपेन्द्र मिश्रा, आर. सूर्या, आर. रोहित कुमार, विनोद कुमार ने एवं महिला वर्ग में जसलीन जे., श्रुष्टि संपत पाटिल, निधि कुमारी, ज्योति, सावित्री रमेश कारीगर ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मैच के उपरांत पुरस्कार वितरण केंद्रीय सलाहकार टीकाराम पुरी, प्याबसन प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रेम सुबाल, प्याबसन जिलाध्यक्ष जगत बस्नेत, नगर अध्यक्ष अर्जुन श्रेष्ठ, भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के महासचिव वाई. राजा राव ने किया। अतिथियों का स्वागत नेपाल बॉल बैडमिंटन महासंघ के अध्यक्ष संजय कुमार यादव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन महासचिव अमिश रेगमी ने किया।

इस अवसर पर अरुण राठी, अशोक लामा, देवी सिहौला, भारतीय महिला टीम के प्रशिक्षक गौरी शंकर, प्रबंधक डॉ. रजनी गंधा, पुरुष टीम प्रशिक्षक नरेश चंद्राकर, प्रबंधक रंजन कुमार गुप्ता, तकनीकी पदाधिकारी सतीश कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। मंच संचालन सीता यादव ने किया। राज्य संघ के अध्यक्ष डॉ.राजपाल शर्मा,सचिव शौकत अली,कोषाध्यक्ष एवं अंतराष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य लक्ष्मीकांत शर्मा ने विजेता भारतीय खिलाड़ियों को शानदार जीत के लिए बधाई दी।

रूट ने की पोंटिंग की बराबरी, तेंदुलकर से बस 10 शतक पीछे

सिडनी, 6 जनवरी। टेस्ट क्रिकेट में अब इंग्लैंड के जो रूट के 41 शतक हो चुके हैं। वह अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज़ों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जहां वह रिकी पोंटिंग के साथ हैं। उनसे आगे सिर्फ़ सचिन तेंदुलकर (51) और जैक कैलिस (45) हैं।

रूट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी में 160 रन बनाकर यह उपलब्धि अपने नाम की। 2021 की शुरुआत से अब तक रूट ने कुल 24 टेस्ट शतक लगाए हैं। इस अवधि में किसी और बल्लेबाज ने दस से ज़्यादा शतक नहीं लगाए हैं। हैरी ब्रूक, केन विलियमसन, स्टीवन स्मिथ और शुभमन गिल दस दस शतकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। छह कैलेंडर वर्षों में रूट के ये 24 शतक सिर्फ़ पोंटिंग और मैथ्यू हेडन से पीछे हैं, जिन्होंने 2001 से 2006 के बीच 26 शतक लगाए थे। 2026 की शुरुआत हुए अभी एक हफ़्ता ही हुआ है और रूट के पास पोंटिंग और हेडन का रिकॉर्ड पार करने के लिए पूरा साल है। टेस्ट क्रिकेट में रूट ने 17 बार 150 से ज़्यादा का स्कोर बनाया है, जो इतिहास में पांचवां सबसे ज़्यादा है। इस सूची में सचिन तेंदुलकर 20 स्कोर के साथ सबसे आगे हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज़ों में रूट के नाम सबसे ज़्यादा 150 या उससे अधिक के स्कोर हैं।

एलिस्टेयर कुक इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं। अब रूट के नाम टेस्ट क्रिकेट में सात अलग-अलग देशों में 150 से ज़्यादा रन का स्कोर दर्ज है। उनसे ज़्यादा देशों में यह कारनामा सिर्फ़ तेंदुलकर और यूनुस ख़ान ने किया है। दोनों बल्लेबाज़ों ने आठ देशों के ख़िलाफ़ 150 का स्कोर बनाया है। टेस्ट क्रिकेट में लगातार 50 से ज़्यादा रन की पांच पारियों को रूट ने शतक में बदला है। यह सिलसिला पिछले साल लीड्स में भारत के ख़िलाफ़ चौथी पारी में बनाए गए नाबाद 53 रन से शुरू हुआ था। यह पहला मौक़ा है जब रूट ने लगातार पांच 50 स्कोर को शतक में बदला है। इससे पहले वह 2022 और 2024 में लगातार चार अर्धशतकों को शतक में बदल चुके हैं। रूट इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज़ भी हैं, जिन्होंने एलिस्टेयर कुक के बाद यह कारनामा किया है।

वैभव सूर्यवंशी ने पंत का रिकॉर्ड तोड़ा, सबसे तेज भारतीय यूथ वनडे अर्द्धशतक बनाया

बेनोनी, 6 जनवरी। क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने सोमवार को विलोमूर पार्क में दक्षिण अफ्रीका अंडर 19 के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे के दौरान यूथ वनडे इंटरनेशनल में किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज़ फिफ्टी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रेगुलर कप्तान आयुष म्हात्रे की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी करते हुए, 14 साल के सूर्यवंशी ने पावर-हिटिंग का शानदार प्रदर्शन करते हुए सिर्फ़ 15 गेंदों में अपना हाफ सेंचुरी पूरा किया, जिससे उन्होंने सीनियर भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 18 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

युवा ओपनर आखिरकार 24 गेंदों पर शानदार 68 रन बनाकर आउट हो गए, इस पारी में क्लीन स्ट्राइकिंग का बोलबाला था। उन्होंने 10 छक्के और सिर्फ़ एक चौका लगाया, जिसमें से 64 रन बाउंड्री से आए, जिससे साउथ अफ्रीकी गेंदबाज़ों को उन्हें रोकने में मुश्किल हुई। इससे पहले, साउथ अफ्रीका अंडर19 ने पहले बैटिंग करने का फैसला किया और 49.3 ओवर में 245 रन पर आउट हो गई। बाद में बारिश की रुकावट के कारण बदले हुए हालात में भारत का टारगेट 27 ओवर में 174 रन कर दिया गया। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की, जिसमें ओपनर एरॉन जॉर्ज और सूर्यवंशी ने मेजबान टीम पर अटैक किया। दोनों ने सिर्फ़ 4.1 ओवर में टीम का पचास रन पूरा किया। जॉर्ज सबसे पहले आउट हुए, उन्होंने 19 गेंदों पर 20 रन बनाए, और भारत का स्कोर 6.1 ओवर में एक विकेट पर 67 रन था। सूर्यवंशी ने अपना अटैक जारी रखा, लेकिन 8.1 ओवर में माइकल क्रुइसकैंप ने उन्हें आउट कर दिया, और तब भारत का स्कोर 10 ओवर में दो विकेट पर 103 रन था।

श्रेयस अय्यर की विजयी वापसी, मुंबई को दिलाई रोमांचक जीत

जयपुर, 6 जनवरी। कप्तान श्रेयस अय्यर ने अपनी फिटनेस साबित करते हुए 82 रन की शानदार पारी खेली जबकि प्लेयर ऑफ द मैच मुशीर खान ने 73 रन बनाये जिसकी बदौलत मुंबई ने हिमाचल प्रदेश को विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी के रोमांचक मुकाबले में मंगलवार को मात्र सात रन से हरा दिया। मुंबई ने निर्धारित 33 ओवर में नौ विकेट पर 299 रन बनाये जबकि हिमाचल की टीम 32.4 ओवर में 292 रन पर सिमट गई। श्रेयस को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ भारतीय वनडे टीम में सशर्त शामिल किया गया था कि वह अपनी फिटनेस साबित करें। श्रेयस ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए 53 गेंदों पर 82 रन की बेहतरीन पारी में 10 चौके और तीन छक्के लगाए। मुशीर ने 51 गेंदों पर 73 रन में आठ चौके और तीन छक्के मारे। हिमाचल की तरफ वैभव अरोड़ा, अभिषेक कुमार और कुशल पाल ने तीन-तीन विकेट लिए। हिमाचल की तरफ से पुखराज मान ने 64, अंकुश बैंस ने 53 और मयंक डागर ने 64 रन बनाये। मुंबई के लिए शिवम दुबे ने चार और मुशीर खान ने एक विकेट लिया। मुंबई छह मैचों में पांचवीं जीत और 20 अंकों के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। हिमाचल को चौथी हार का सामना करना पड़ा और वह आठ अंकों के साथ सातवें स्थान पर है।

अमेरिकी टेनिस लीजेंड वीनस विलियम्स ऑकलैंड में पहले दौर में हारी

वेलिंगटन, 6 जनवरी। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 वीनस विलियम्स मंगलवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एएसबी क्लासिक में अपने पहले मैच में पोलैंड की मैग्डा लिनेट से तीन सेट में हार गईं। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन विलियम्स ने महिला टेनिस एसोसिएशन 250 इवेंट में वापसी करते हुए अच्छे संकेत दिखाए, जो 2 से 17 जनवरी तक चलेगा। दुनिया में 53वें नंबर पर मौजूद लिनेट ने 6-4, 4-6, 6-2 से जीत हासिल कर दूसरे राउंड में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला इटली की एलिसाबेटा कोकियारेटो से होगा। लिनेट ने कहा, "मुझे लगा कि मैं कम गलतियां कर सकती थी, खासकर इतने पावरफुल हिटर के साथ, मुझे थोड़ा और सॉलिड होने की जरूरत है।" वाइल्डकार्ड एंट्री पाने वाली विलियम्स, जो 582वें नंबर पर हैं, ने कहा, "मुझे लगता है कि मेरी प्रतिद्वंद्वी ने शानदार खेला। वह निश्चित रूप से जीत की हकदार थी।"45 साल की खिलाड़ी, जो अगस्त में यूएस ओपन के बाद अपना पहला मैच खेल रही थीं, ने कहा कि इस स्टेज पर उनका मुख्य फोकस इस महीने के आखिर में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले मैच फिटनेस और लय बनाना है। इस हार से टूर्नामेंट के कुछ बड़े नामों के लिए मुश्किल शुरुआत हुई, जब सोमवार को दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी एम्मा नवारो टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गईं।

पडिक्कल ने 600 रन बनाकर विजय हजारे में इतिहास रचा

बेंगलुरु, 6 जनवरी। देवदत्त पडिक्कल ने विजय हजारे ट्रॉफी में एक बार फिर इतिहास रच दिया है, क्योंकि वह भारत की प्रमुख घरेलू एक दिवसीय प्रतियोगिता के तीन अलग-अलग सीजन में 600 या उससे ज़्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। पडिक्कल ने यह उपलब्धि मंगलवार को गुजरात कॉलेज ग्राउंड में राजस्थान के खिलाफ कर्नाटक के एलीट ग्रुप ए मैच के दौरान हासिल की। राजस्थान के खिलाफ, पडिक्कल ने एक और अहम भूमिका निभाई, 82 गेंदों में 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से 91 रन बनाए, और कप्तान मयंक अग्रवाल के साथ 184 रन की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप करके कर्नाटक की पारी को संभाला। इस जोड़ी ने कर्नाटक को एक मजबूत शुरुआत दी, जब राजस्थान ने फील्डिंग करने का फैसला किया तो एक मज़बूत प्लेटफॉर्म तैयार किया। चल रहे 2025-26 सीजन में उनके शानदार प्रदर्शन में 147, 124 और 113 के शतक शामिल हैं, जो अलग-अलग मैदानों और परिस्थितियों में उनकी निरंतरता को दिखाता है। अपने असाधारण फॉर्म के बावजूद, पडिक्कल को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम से बाहर कर दिया गया था, जिससे क्रिकेट जगत में हैरानी हुई। इस अनदेखी ने घरेलू क्रिकेट में दबदबा बनाने और राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए एक मजबूत दावा पेश करने के उनके दृढ़ संकल्प को और बढ़ा दिया है। पडिक्कल ने पहले 2019-20 सीजन में 11 मैचों में 609 रन बनाकर विजय हजारे चार्ट में टॉप किया था और 2020-21 में सिर्फ सात पारियों में 147.40 की औसत से 737 रन बनाकर बेंचमार्क बढ़ाया था, जिसमें चार शतक शामिल थे, जब कर्नाटक सेमीफाइनल में पहुंचा था। पडिक्कल, जिन्होंने भारत के लिए दो टेस्ट और दो टी20 में भी खेला है, 2026 इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलेंगे। पिछले सीजन के बीच में हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर होने के बावजूद फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन किया था। एक मज़बूत विजय हजारे सीजन के साथ, पडिक्कल का लक्ष्य भारतीय टीम में अपनी जगह वापस पाना और अपने शानदार फॉर्म को जारी रखना होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ मौजूद थे।

उद्यमी, निवेशक व युवा एआई के उभरते क्षेत्र में राज्य के सहभागी बनें- भजनलाल

इलैक्ट्रोनिक्स को बढ़ावा देने के लिए 5 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा- वैष्णव

- एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस में केन्द्रीय सूचना प्रोद्यौगिक मंत्री जतिन प्रसाद ने कहा कि भारत शीघ्र ही एक वैश्विक एआई शिखर का आयोजन करेगा, जिसमें अनेक देश, वैश्विक कंपनियां व तकनीकी विशेषज्ञ भाग लेंगे।

जयपुर, 6 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि सहित अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन लाकर लोगों के जीवन को बेहतर बना रहा है और विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने उद्यिमयों, निवेशकों और युवाओं को एआई के उभरते क्षेत्र में सहभागी बनने के लिए राजस्थान में आमंत्रित भी किया।

केन्द्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उन्होंने कहा कि एआई विकास के क्षेत्र में भारत आज विश्व के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। चीन, अमेरिका और भारत एआई डेवलपमेंट में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

अश्विनी वैष्णव ने घोषणा करते हुए कहा कि राजस्थान में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए उद्योग संगठनों के सहयोग से नए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इसके तहत राज्य में 5 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, आने वाले समय में राजस्थान में डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए शीघ्र ही आवश्यक प्रक्रियाएं प्रारंभ होंगी।

केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि भारत में शीघ्र ही एक वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में विश्व के अनेक देशों, वैश्विक कंपनियों और तकनीकी विशेषज्ञों की भागीदारी होगी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नेशनल एआई लिटरेसी प्रोग्राम, राजस्थान एआई-एमएल पॉलिसी 2026, आई स्टार्ट एलएमएस, राजस्थान एवीजीसी-एक्सआर पोर्टल, राजस्थान एआई पोर्टल को लॉन्च किया। इस दौरान राज्य सरकार द्वारा गूगल, आईआईटी दिल्ली, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जोधपुर के साथ योजना भवन में हुए विभिन्न द्विपक्षीय एमओयू का होलोग्राफिक तकनीक के माध्यम से जीवंत प्रसारण भी किया गया। उल्लेखनीय है कि जी-20 में भी इसी तकनीक का उपयोग किया गया था।

नाबालिग पुत्री से दुष्कर्म करने वाले पिता को कैद

जयपुर, 6 जनवरी। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने अपनी 9 साल की नाबालिग पुत्री के साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त पिता कोऑऑऑ आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 1.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि पीड़िता की मां

- मां पीहर गई, पीछे से अभियुक्त पिता ने यहाँ रिश्तों को तार-तार किया।

अपनी बेटी को अभियुक्त के पास इस विश्वास के साथ छोड़कर पीहर गई थी कि वह उसके पास सबसे अधिक सुरक्षित रहेगी, लेकिन अभियुक्त ने भक्षक बनकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म कर रिश्तों की गरिमा को तार-तार कर दिया। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने अदालत को बताया कि गत 6 मार्च को पीड़िता ने अपनी मकान मालकिन के साथ प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा था कि उसकी मां तीन दिन पहले उसे पिता के पास छोड़कर अपने पीहर गई थी। रात के समय उसके पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया और सुबह स्कूल छोड़कर आ गए। अगली रात को भी पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया। तीसरे दिन जब उसकी आंटी गांव से आई तो उसने पिता की ओर से गंदा काम करने की बात बताई। इस पर आंटी ने पुलिस को फोन कर दिया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं, दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से अपने बचाव में कहा गया कि उसका अपनी पत्नी से विवाद हो गया था, जिसके कारण वह उसे छोड़कर पीहर चली गई थी। इस विवाद के चलते उसने पीड़िता के माध्यम से उसके खिलाफ झूठा मामला दर्ज कराया है और जांच अधिकारी ने साक्ष्य स्वयं सृजित किए हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को दोषी मानते हुए सजा सुनाई है।

'विशेषज्ञों की बैठक तत्काल बुलाकर विस्तृत रिपोर्ट पेश करें'

सर्वोच्च न्यायालय ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति पर फटकारा

- अदालत ने कहा कि गत वर्षों में कई उपाय किये जाने के बावजूद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता लगातार खराब बनी हुई है। कुछ मामलों में तो स्थिति पहले से अधिक बिगड़ी है।

नयी दिल्ली, 06 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में लगातार बनी वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति से निपटने में कथित उदासीनता को लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) पर कड़ी टिप्पणी करते हुए आयोग को निर्देश दिया कि वह विशेषज्ञों की एक समन्वित बैठक तत्काल बुलाए और उसके आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर अदालत और जनता के समक्ष प्रस्तुत करे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मंगलवार को कहा कि प्रदूषण के स्रोतों और उनके अनुपातिक योगदान को लेकर विभिन्न विशेषज्ञ संस्थानों के बीच कोई एकरूपता नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि आईआईटी जैसे तकनीकी संस्थानों सहित अलग-अलग विशेषज्ञ निकायों ने उत्सर्जन क्षेत्रों के योगदान को लेकर काफी भिन्न-भिन्न आकलन प्रस्तुत किए हैं।

पीठ ने उदाहरण देते हुए कहा कि एनसीआर में बिगड़ती वायु गुणवत्ता में परिवहन और उत्सर्जन क्षेत्र का योगदान अलग-अलग आकलनों में 12 प्रतिशत से लेकर 41 प्रतिशत तक बताया गया है। अदालत ने यह भी कहा कि बीते वर्षों में कई उपाय किए जाने के बावजूद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता लगातार खराब बनी हुई है और कुछ मामलों में स्थिति और अधिक बिगड़ी है।

न्यायालय ने कहा कि वह लंबे समय से इस मुद्दे को समय-समय पर उठाने को मजबूर रहा है और विशेषज्ञों तथा न्यायमित्र की सहायता भी ली गयी, लेकिन इसके बावजूद कोई स्थायी सुधार नहीं दिखा। पीठ ने 17 दिसंबर 2025 के अपने पूर्व आदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय सीएक्यूएम को दीर्घकालिक सुधारात्मक उपायों पर पुनर्विचार कर उन्हें रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया गया था, लेकिन आयोग ने ठोस कार्ययोजना के बजाय केवल एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल की।

उच्चतम न्यायालय ने टिप्पणी की कि यह नोट प्राधिकरण की गंभीरता को नहीं दर्शाता और न्यायालय द्वारा उठाए गए अधिकांश मुद्दों पर मौन है। पीठ ने यह भी कहा कि सीएक्यूएम न तो वायु गुणवत्ता सूचकांक के बिगड़ने के सटीक कारणों की पहचान करने में तत्पर दिख रहा है और न ही दीर्घकालिक समाधान तैयार करने में, जिससे अदालत को दोनों प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश देने पड़े।

शनिवार को कार्यदिवस : हाई कोर्ट ने जजों की कमेटी बनाई

जयपुर, 6 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट में हर माह के दो शनिवार को कार्य दिवस घोषित करने के खिलाफ वकीलों के विरोध को देखते हुए हाईकोर्ट प्रशासन ने जजों की कमेटी गठित करने की बात कही है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर और जोधपुर की हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन व लॉयर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मंगलवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के साथ इस संबंध में बैठक की। बैठक में बार कांउसिल ऑफ राजस्थान के चेयरमैन भुवनेश शर्मा भी मौजूद रहे।

बैठक में बार पदाधिकारियों ने शनिवार को कार्यदिवस घोषित करने

- कमेटी 21 जनवरी तक अपनी सिफारिश देगी।

को अव्यवहारिक और परेशानियां पैदा करने वाला बताया।

हाईकोर्ट बार अध्यक्ष राजीव सोगरवाल ने कहा कि मलीमत कमेटी की सिफारिशों के अनुसार, हाईकोर्ट में साल के 210 कार्यदिवस निर्धारित हैं। ऐसे में इसमें बदलाव के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी जरूरी है।

वहीं, जोधपुर बार पदाधिकारियों ने इसे इकतरफा फैसला बताते हुए वापस लेने की मांग की। एक पूर्व अध्यक्ष ने यह भी सुझाव दिया कि रोजाना होने वाली सुनवाई का समय आधा घंटा बढा दिया जाए।

हाईकोर्ट बार महासचिव दीपेश शर्मा ने बताया कि कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने इस संबंध में एक कमेटी गठित कर उससे 21 जनवरी तक सिफारिश लेने का आश्वासन दिया है।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट की फुल कोर्ट की बैठक में हर माह के दो शनिवार को कार्य दिवस घोषित करने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद साल 2026 के कैलेंडर को संशोधित भी किया जा चुका है।

वहीं साल के पहले दिन पांच जनवरी को वकीलों ने इसका विरोध करते हुए अपने आप को न्यायिक कार्रवाई से दूर रखा था।

एक जनवरी से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2028 में होने हैं और पार्टी को खुद को सत्ता का मजबूत दावेदार बनाने के लिए अभी से तैयारी करनी होगी।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि जब तक वेणुगोपाल दिल्ली में ताकतवर बने रहेंगे, पार्टी कई राज्यों में अपने पैर नहीं जमा पाएगी। सचिन पायलट के लिए अपनी बात मनवाना मुश्किल होगा, क्योंकि राहुल गांधी पर वेणुगोपाल का प्रभाव अब भी बहुत मजबूत और व्यापक है।

एक अन्य एवं सम्बन्धित घटनाक्रम में, अशोक गहलोत 1 जनवरी से मुंबई में डेरा डाले हुए हैं, जब नया साल शुरू हुआ था।

गहलोत का काफी पैसा मुंबई में लगा हुआ है और जब वे वहां इतना समय बिताते हैं, तो इसका मतलब है कि वे कुछ बड़ा प्लान कर रहे हैं।

गहलोत अप्रैल में राजस्थान से राज्यसभा की सीट पर नजर लगाए हुए हैं और सवाल यह है कि क्या इसके लिए बड़े फंड जुटा रहे हैं, क्योंकि वे अब दिल्ली आने और उपयुक्त पद पाने के लिए बेताब हैं।

एक वरिष्ठ नेता ने खुलासा किया कि वेणुगोपाल, जो अब भी अशोक गहलोत का समर्थन करते हैं, ने राहुल गांधी को यह बात अच्छी तरह समझा दी है कि गहलोत को दिल्ली लाना जरूरी है, ताकि राज्य की बागडोर पूरी तरह से दूसरे नेताओं के लिए छोड़ी जा सके।

और राहुल गांधी, जो किसी भी अहम मुद्दे की गहराई में नहीं जाते हैं, वेणुगोपाल की बातों पर आसानी से भरोसा कर लेते हैं।

निचोड़ यह है कि राजस्थान कांग्रेस इस समय पूरी तरह अव्यवस्था की स्थिति में है।

आपस में टकराते हित पूरी सक्रियता के साथ काम कर रहे हैं और नेतृत्व को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। और सचिन पायलट का निकट भविष्य अब भी अधर में लटका हुआ है।

उत्तर प्रदेश की नई मतदाता सूची में 2.89 करोड़ नाम घटे

मसौदा सूची पर 6 फरवरी तक आपत्तियां दाखिल की जायेंगी, नई सूची 6 मार्च को प्रकाशित होगी

- उत्तर प्रदेश की पिछली मतदाता सूची में 15.44 करोड़ नाम थे। नई सूची में मतदाताओं के नाम घट कर 12.56 करोड़ रह गए हैं। मृत्यु, अनुपस्थिति, स्थाई रुप से राज्य के बाहर होने तथा एक से अधिक स्थान पर पंजीकृत होने के कारण 18.70 प्रतिशत नाम सूची से बाहर हुए।

लखनऊ, 6 जनवरी। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विस्तारित कार्यक्रम के अंतर्गत मंगवार को जारी नयी सूची के मसौदे में पिछली सूची के लगभग दो करोड़ 89 लाख (18.70 प्रतिशत) नाम हट गये हैं।

मसौदा सूची को लेकर छह फरवरी तक दावे और आपत्तियां दाखिल करायी जा सकेंगी। इसके साथ ही अब अधिकारी उन मतदाताओं को नोटिस भी जारी कर सकते हैं जिनके बारे में जांच और कुछ प्रमाण की आवश्कता है। राज्य की नयी सूची छह मार्च को प्रकाशित की जाएगी।

राज्य में चुनाव आयोग की ओर से एसआईआर के लिए आधार बनायी गयी पिछली मतदाता सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 15.44 करोड़ थी जो आज जारी नयी सूची के मसौदे में 12.56 करोड़ रह गई है। मृत्यु, अनुपस्थिति, राज्य से स्थायी रूप से बाहर जाने या एक से अधिक जगह पंजीकृत पाये जाने के कारण लगभग 18.70 प्रतिशत नाम सूची से बाहर हो गये हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार को सूची का मसौदा किया।

बड़ी साजिश के साथ हुई सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी

नई दिल्ली, 06 जनवरी। सबरीमला मंदिर से सोना चोरी किए जाने के मामले में विशेष जांच दल (एसआइटी) ने केरल हाइकोर्ट को सौंपी रिपोर्ट में बताया है कि यह कोई साधारण चोरी नहीं, बल्कि पूरी योजना के साथ रची गई बड़ी साजिश थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी, पंकज भंडारी, और बेल्लारी के सोना व्यापारी गोवर्धन इस साजिश के अहम किरदार थे। एसआइटी का कहना है कि आरोपियों ने जांच एजेंसियों से बचने के लिए हर कदम पहले से तय किया था। जांच में सामने आया कि अक्टूबर 2025 में बेंगलुरु में एक गुप्त बैठक हुई थी, जिसमें चोरी की योजना के साथ-साथ पकड़े जाने की स्थिति में क्या करना है, इस पर भी चर्चा हुई थी। मंदिर के गर्भगृह से सोना बेहद चालाकी से निकाला गया।

सिद्धारमैया ने कर्नाटक के सबसे लम्बे समय मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाया

- उन्होंने कार्यकाल पूरा करने पर भी भरोसा जताया।

मैसूरु, 06 जनवरी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य में सबसे लम्बे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड कायम कर पूर्व मुख्यमंत्री देवराज अर्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया उन्होंने मंगलवार को अपना कार्यकाल पूरा करने का भरोसा जताया और लोगों को न्याय मिलने तक सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ने का वादा किया।

सिद्धारमैया ने मीडिया से कहा, "मुझे मुख्यमंत्री के तौर पर अपना पूरा कार्यकाल पूरा करने का भरोसा है। इस पर हालांकि आखिरी फैसला पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का होगा।" उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री देवराज अर्स का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने सात साल और 239 दिन तक पद संभाला था। उन्होंने कहा, "समाज में जब तक असमानता रहेगी, मेरा ध्यान लोगों की सेवा करने पर रहेगा। मुझे मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करने का पूरा भरोसा है। इस मामले पर आखिरी फैसला हालांकि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का होगा।" सिद्धारमैया को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थकों से राजनीतिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जो पार्टी के भीतर इस पद को बराबरी के फॉर्मूले के आधार पर अब अपने नेता को शीर्ष पद पर बिठाने के लिए जोर-शोर से वकालत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने यह भी साफ किया कि वह रिकॉर्ड तोड़ने के लिए राजनीति में नहीं आए हैं। उन्होंने कहा, "यह उपलब्धि सिर्फ लोगों के आशीर्वाद से ही संभव हुई है।

'चुनाव आयोग को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का पूरा अधिकार है'

आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने सर्वोच्च न्यायालय में कई राज्यों की याचिका पर दलील दी

- वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि यह चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है कि कोई भी विदेशी नागरिक मतदाता के रुप में दर्ज नहीं हो।

नई दिल्ली, 06 जनवरी। चुनाव आयोग ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि उसके पास मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने का पूरा अधिकार और क्षमता है। साथ ही, यह उसकी सांविधानिक जिम्मेदारी है कि कोई भी विदेशी नागरिक मतदाता के रूप में दर्ज न हो। आयोग की ओर से वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष यह दलील रखी।

पीठ ने उन याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई फिर शुरू की, जिनमें बिहार समेत कई राज्यों में एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। इन याचिकाओं में आयोग की शक्तियों की सीमा, नागरिकता और मतदान के अधिकार से जुड़े सांविधानिक सवाल उठाए गए हैं।

वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि संविधान के अनुसार राज्य के तीनों अंगों के सभी प्रमुख संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का भारतीय नागरिक होना जरूरी है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति से जुड़े संविधान के अनुच्छेद 124(3) का भी हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जैसे शीर्ष संवैधानिक पदों पर नियुक्ति की एक मुख्य शर्त यह है कि व्यक्ति भारतीय नागरिक हो। द्विवेदी ने कहा, सभी अहम नियुक्तियां तभी हो सकती हैं जब व्यक्ति भारतीय नागरिक हो।

संवैधानिक व्यवस्था का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जब संविधान नागरिक शब्द का इस्तेमाल करता है, तो इसकी जांच सक्षम प्राधिकारी द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची में कोई भी विदेशी शामिल न हो, यह सुनिश्चित करना संवैधानिक कर्तव्य है।

वरिष्ठ वकील ने कहा कि चुनाव आयोग का काम राजनीतिक दलों की बयानबाजी का जवाब देना नहीं है। उन्होंने कहा, हम राजनीतिक दलों पर टिप्पणी नहीं कर रहे। हमारा कर्तव्य सिर्फ इतना है कि मतदाता सूची में कोई विदेशी न हो। यह देखना जरूरी है कि हमारे पास यह शक्ति और क्षमता है।

तीन सप्ताह से रुसी कच्चा तेल नहीं खरीदा- रिलायंस

ब्लूमबर्ग ने रिपोर्ट किया था कि रुसी तेल के तीन टैंकर सिक्का पोर्ट की ओर जा रहे हैं

- इस रिपोर्ट के बाद रिलायंस के शेयरों में एक दिन में चार प्रतिशत गिरावट दर्ज हुई थी।

नई दिल्ली, 06 जनवरी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसने लगभग तीन सप्ताह से किसी तरह का रूसी कच्चा तेल नहीं खरीदा है और जनवरी में भी किसी तरह की खरीददारी की उम्मीद नहीं है।

दरअसल, रिलायंस का यह स्पष्टीकरण ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट के जवाब में आया है, जिसमें उसने डेटा एनालिटिक्स फर्म केप्लर के हवाले से कहा था कि कम से कम तीन टैंकर (इसमें लगभग 22 लाख बैरल यूराल) सिक्का पोर्ट की ओर जा रहे हैं। इसी पोर्ट से जामनगर रिफाइनिंग कॉम्प्लैक्स अपने कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा आयात करता है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट में बताए गए तीनों कार्गो शायद बीपीसीएल की बीना रिफाइनरी के लिए थे। इस रिपोर्ट का असर रिलायंस के शेयरों पर भी दिखाई दिया है और पिछले आठ महीनों के दौरान उसके शेयरों में एक दिन की सबसे बड़ी यानी चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी का वैल्यूएशन 94,389 करोड़ रुपये कम हो गया। 20 नवंबर, 2025 को रिलायंस ने कहा था कि उसने जामनगर स्थित अपनी निर्यात वाली रिफाइनरी में रूसी कच्चे तेल का इस्तेमाल रोक दिया है, क्योंकि कंपनी यूरोपियन यूनियन के प्रतिबंधों का पालन करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इससे पहले, रिलायंस भारत में रूसी तेल की सबसे बड़ी खरीदार थी, जिसे वह जामनगर में अपने बड़े आयल रिफाइनिंग कॉम्प्लैक्स में प्रोसेस करके पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदलती है। यह कॉम्प्लैक्स दो रिफाइनरियों से बना है। एक एसईजेड यूनिट जिससे यूरोपिय यूनियन, अमेरिका और दूसरे विदेशी बाजारों में ईंधन निर्यात किया जाता है। एक पुरानी यूनिट है जो मुख्य रूप से घरेलू बाजार में आपूर्ति करती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार को चेतावनी दी थी कि अगर नई दिल्ली रूसी तेल की खरीद पर रोक लगाने में नाकाम रहती है तो अमेरिका भारत पर टैरिफ बढ़ा सकता है।

'सतत उत्सर्जन प्रणाली नहीं लगाने वाले उद्योग बंद होंगे'

नई दिल्ली, 06 जनवरी। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सख्त रुख अपनाते हुए केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने अब तक आनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (ओसीइएमएस) न लगाने

- वायु प्रदूषण से निपटने के लिये केन्द्र सरकार ने सख्त कदम उठाये।

वाली दिल्ली एनसीआर की औद्योगिक इकाइयों को बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। कार्रवाई की शुरूआत बड़ी औद्योगिक इकाइयों से होगी।

केन्द्रीय मंत्री ने यह निर्देश दिल्ली-एनसीआर की औद्योगिक इकाइयों को 31 दिसंबर तक सतत उत्सर्जन प्रणाली लगाने के लिए दी गई समय-सीमा खत्म होने के बाद दिए हैं। ऐसे करीब साढ़े तीन हजार औद्योगिक इकाइयों को पहले नोटिस दिया गया था। बताया जाता है कि लगभग एक हजार इकाइयों ने निर्देश का पालन कर लिया है लेकिन अभी भी ढाई हजार इकाईयां हैं। अब उन्हें नोटिस देकर कार्रवाई शुरू होगी।

केन्द्रीय मंत्री यादव ने पिछले दिनों में लगातार वायु प्रदूषण से निपटने की तैयारियों को लेकर अलग अलग राज्यों के साथ बैठक कर रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को राजस्थान और पंजाब के आला अधिकारियों के साथ चर्चा की।

सोनिया गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने आगे बताया, "उन पर इलाज का असर हो रहा है और उन्हें एंटीबायोटिक तथा अन्य सपोर्टिव दवाएं दी जा रही हैं।" डॉ. स्वरूप ने कहा कि अस्पताल से छुट्टी देने का फैसला इलाज कर रहे डॉक्टर उनकी हालत में सुधार को देखकर लेंगे। एक-दो दिन में उनकी अस्पताल से छुट्टी हो सकती है।

सोनिया गांधी इस समय राजस्थान से राज्यसभा सांसद हैं। वे 2024 की शुरुआत में निर्विरोध चुनी गई थीं और उन्होंने अप्रैल 2024 में उच्च सदन में अपने पहले कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। वे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा खाली की गई सीट पर चुनी गई थीं। वे कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष हैं और भारतीय राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हैं।

पिछले कई वर्षों से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में, खासकर सर्दियों के दौरान, वायु प्रदूषण चिंताजनक स्तर पर रहा है। लोग सांस से जुड़ी और स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याओं की शिकायत करते रहे हैं। मंगलवार को सुबह के समय दिल्ली की वायु गुणवत्ता "खराब" श्रेणी में बनी रही। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के "समीर" ऐप के अनुसार, शहर में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक एयर क्वालिटी इन्डैक्स (एक्यूआई) 293 को दर्ज किया गया।

जेएनयू में मोदी व शाह के खिलाफ नारेबाजी

- उमर खालिद व शरजील इमाम को जमानत नहीं मिलने के बाद छात्रों के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया।

नयी दिल्ली, 06 जनवरी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के छात्र नेताओं उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत न मिलने के एक दिन बाद छात्रों के एक समूह ने विश्वविद्यालय परिसर में विरोध-प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया गया है, जिसमें जेएनयू परिसर के अंदर इमाम और खालिद को जमानत नहीं मिलने के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन दिखाया गया है। इसमें छात्र सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ नारे लगा रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया पर कहा कि ये विवादित नारे जेएनयू में टुकड़े-टुकड़े गैंग द्वारा लगाए गए थे। उन्होंने कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों के कुछ नेताओं पर खालिद और इमाम के पक्ष में बयान देकर सभी हदें पार करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी संस्कृति से जुड़े छात्र अब मोदी और शाह के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। पूनावाला ने दावा किया कि अदालत के फैसले का विरोध करते हुए उदित राज, वृंदा करात, हुसैन दलवई और पृथ्वीराज चव्हाण जैसे कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों के कुछ नेताओं ने आरोपियों को निर्दोष बताया है।

चिनाब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस मंजूरी पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि उसे इसकी जानकारी नहीं दी गई।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600